RNI: UPHIN/2015/60902

राजधानी से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

www.theachivertimes.com

डाक पंजीयन संख्या

एस.एस.पी.एल.डब्लू/एन

पी.439/2015-2017

वर्ष : 9 अंक : 230

पृष्ठ : 8 मूल्य : 3 रुपया

लखनऊ, बुधवार, 13 दिसम्बर, 2023

द अचीवर टाइम्स

एक नज़र

सीबीएसई ने जारी की 10वीं और 12वीं की डेटशीट, 15 फरवरी से शुरू होगी परीक्षा

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने मंगलवार को 10वीं और 12वीं की डेटशीट जारी कर दी है। जारी डेटशीट के मुताबिक पहली परीक्षा 15 फरवरी को होगी जो दो अप्रैल तक चलेगी। वहीं 10वीं की परीक्षा 13 मार्च को समाप्त हो जाएगी।

दो पालियों में होंगी परीक्षाएं

सीबीएसई द्वारा जारी डेटशीट के मुताबिक परीक्षाएं दो पालियों में होंगी। पहली परीक्षा सुबह 10.30 बजे से शुरू होगी जो दोपहर 1.30 बजे तक चलेगी। दूसरी परीक्षा सुबह 10.30 से 12.30 बजे तक चलेगी।

गणतंत्र दिवस के लिए भारत नहीं आएंगे अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन जनवरी 2024 में गणतंत्र दिवस समारोह में शिरकत नहीं करेंगे। बात दें भारत ने अगले वर्ष जनवरी में क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के तहत गणतंत्र दिवस समारोह के लिए राष्ट्रपति बाइडन को आमंत्रित किया था।

क्वाड शिखर सम्मेलन 2024 के अंत में होने का प्रस्ताव

वहीं दूसरी ओर, सूत्रों की माने तो भारत में क्वाड शिखर सम्मेलन 2024 के अंत में आयोजित होने का प्रस्ताव है। बता दें पहले यह शिखर सम्मेलन जनवरी माह में होने की संभावना थी। सूत्रों ने बताया कि भारत में क्वाड शिखर सम्मेलन 2024 के अंत में आयोजित होने का प्रस्ताव हैं। सूत्रों ने कहा, हम संशोधित तारीखों पर निर्णय लेने पर विचार कर रहे हैं। क्योंकि वर्तमान में विचाराधीन तारीखें सभी क्वाड भागीदारों के साथ तालमेल नहीं बिठा पा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मई में जापान के हिरोशिमा में जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर घोषणा की थी कि भारत अगले क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। बता दें क्वाड में भारत, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, जापान देश शामिल हैं। जिसका उद्देश्य स्वतंत्र, खुला और समृद्ध इंडो-पैसेफिक क्षेत्र सुनिश्चित करना और उसका समर्थन करना है।

भजनलाल शर्मा को राजस्थान की कमान

नौ दिन से जारी सियासी उथल-पुथल पर आखिरकार लगा विराम

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान में मुख्यमंत्री पद के लिए जारी सस्पेंस आखिरकार खत्म हो गया। तीन दिसंबर को विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद से कई नामों को लेकर चर्चा चल रही थी। इस बीच भाजपा ने पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की और विधायक दल की बैठक में भजन लाल शर्मा के नाम पर मुहर लगी।

राजस्थान के नए मुख्यमंत्री के नाम का एलान कर दिया गया है। भजन लाल शर्मा के हाथों में अब राज्य की सत्ता की कमान होगी। भाजपा विधायक दल की बैठक में भजन लाल शर्मा के नाम पर सर्वसम्मति से मुहर लगाई गई। वे सांगानेर विधानसभा सीट से विधायक हैं। इनके नाम का प्रस्ताव पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने रखा। इसके साथ ही पार्टी ने तय किया है कि राजस्थान में दो डिप्टी सीएम भी होंगे। इसके लिए प्रेम चंद बैरवा और दीया कुमारी के नाम पर मुहर लगी है। स्पीकर के लिए वासुदेव देवनानी का नाम फाइनल किया गया है। इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की थी। वसुंधरा ने चुनावी नजीतों के बाद पार्टी के कई विधायकों को डिनर पार्टी दी थी, जिसे दबाव की राजनीति के तौर पर देखा गया था। हालांकि, नड्डा से मुलाकात के बाद वसुंधरा के सुर बदले-बदले नजर आए थ और उन्होंने खुद को पार्टी का अनुशासित कार्यकर्ता बताया था।

25 नवंबर को मतदान, तीन दिसंबर को आए थे नतीजे

नई दिल्ली। राजस्थान में करणपुर विधानसभा सीट को छोड़कर बाकी सभी 199 सीटों पर 25 नवंबर को चुनाव कराए गए थे।इसके नतीजे 3 दिसंबर को आए। राजस्थान विधानसभा चुनाव के सियासी घमासान में कांग्रेस को पछाड़ कर भाजपा ने 115 सीटें जीतीं। वहीं कांग्रेस को 69 सीटें ही मिल सकीं। इसके अलावा 15 सीटें अन्य के खाते में गईं।

विधायक दल की बैठक में चुना गया नेता

इसके बाद पार्टी ने राज्य के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर दी थी। उन्हें राज्य में मुख्यमंत्री पद को लेकर जारी सस्पेंस पर विराम लगाने और विधायक दल का नेता चुनने के लिए सभी की सहमति बनाने का जिम्मा सौंपा गया था। इसके बाद मंगलवार को हुई विधायक दल की बैठक में भजन लाल शर्मा को चुना गया।

विधायक बने सांसदों के इस्तीफे ने बढ़ा दी थी सरगर्मी

इससे पहले राजस्थान के राजसमंद की सांसद दीया कुमारी, जयपुर के सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़, राज्यसभा सदस्य किरोड़ी लाल मीणा और अलवर के सांसद बाबा बालक नाथ ने विधानसभा चुनाव जीतने के बाद इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से अटकलें लगाई जाने लगी थीं कि पार्टी वसुंधरा के अलावा किसी दूसरे चेहरे पर दांव खेल सकती है।

दिया कुमारी और प्रेम चंद बैरवा को डिप्टी सीएम की जिम्मेदारी

रक्षा मंत्री और राजस्थान के लिए बीजेपी के केंद्रीय पर्यवेक्षक राजनाथ सिंह ने कहा कि भजनलाल शर्मा को राजस्थान भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया है। दो डिप्टी सीएम होंगे- दीया सिंह और डॉ. प्रेम चंद बैरवा। वासुदेव देवनानी विधानसभा अध्यक्ष होंगे। भजन लाल शर्मा राजस्थान के नए मुख्यमंत्री होंगे। इसके साथ ही दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा को भजनलाल शर्मा के दो डिप्टी के रूप में नामित किया गया है। विधायक वासुदेव देवनानी विधानसभा अध्यक्ष होंगे। रक्षा मंत्री और राजस्थान के लिए बीजेपी के केंद्रीय पर्यवेक्षक राजनाथ सिंह ने कहा कि भजनलाल शर्मा को राजस्थान भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया है। दो डिप्टी सीएम होंगे- दीया सिंह और डॉ. प्रेम चंद बैरवा। वासुदेव देवनानी विधानसभा अध्यक्ष होंगे। वहीं प्रेम चंद बैरवा दलित समाज से आते हैं। दीया सिंह राजपुत हैं तो

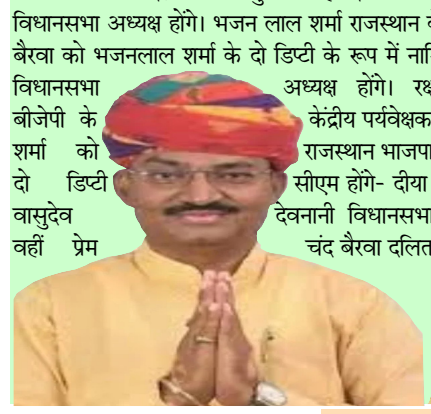

21 सांसदों को उम्मीदवार बनाया था

भाजपा ने मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के विधानसभा चुनावों में कुल 21 सांसदों को उम्मीदवार बनाया था। इनमें से 12 ने जीत दर्ज की है। भाजपा ने मध्य प्रदेश और राजस्थान में सात-सात, छत्तीसगढ़ में चार और तेलंगाना में तीन सांसदों को विधानसभा चुनाव के मैदान में उतारा था।

यूपी के सरकारी स्कूलों में नही थम रहा बबाल शिक्षकों की क्रूरता का बच्चे हो रहे शिकार

- शाहजहांपुर के प्राथमिक विद्यालय में छात्र की पिटाई से आंख हुई लाल,स्कूल में जमकर हुआ बबाल।
- बीएसए खुद पहुँचे विद्यालय,अध्यापिकाओं से की पूछताछ,जांच के बाद कार्यवाही के दिये निर्देश।

द अचीवर टाइम्स दीपक सिंह

शाहजहांपुर। यूपी के सरकारी स्कूलों में अध्यापकों द्वारा छात्र छात्राओं को पीटने के मामले थमने का नाम नही ले रहे हैं और पिटाई भी ऐसी कि सीधे हॉस्पिटल ले जाने की नौबत आती है।ऐसे में सीएम के बेहतर शिक्षा देने के निर्देश तो बहुत दूर छात्र छात्राओं की सुरक्षा पर बड़े सवाल उठने लगे हैं।मामला शाहजहांपुर के उच्चतर प्राथमिक विद्यालय का है जहाँ एक अध्यापिका पर छात्र की पिटाई करने का आरोप लगा है जिसमे छात्र की आँख लाल पड़ गयी।घटना सोमवार की है लेकिन आज जब मामले ने तूल पकड़ा तब बीएसए को मौके पर जाना पड़ा।जहाँ पूछताछ के दौरान जमकर हंगामा हुआ।यही नही स्कूल का ऐसा माहौल देख खुद बीएसए भी दंग रह गए।तो वहीं इस घटना की जांच कराने के बाद कार्यवाही की बात कही गयी है। दरअसल शाहजहांपुर में उच्चतर प्राथमिक विद्यालय शाहमतगंज गौटिया में सुबह के वक्त बीएसए रणवीर सिंह पहुँचे।जहाँ उन्होंने आरोपी अध्यापिका सहित स्टाफ से पूछताछ की इसी दौरान आरोपी अध्यापिका की माँ भी वहाँ मौजूद थी।जिनकी बीएसए से जमकर नोकझोंक भी हुई।तो वहीं बीएसए का कहना है कि मामले की जांच कराकर उचित कार्यवाही की जाएगी।उधर स्कूल में डंडा रखने की बात पर बीएसए ने बताया कि सभी स्कूलों में यह सख्त निर्देश जारी किए जाएंगे कि अध्यापक डंडे या छड़ी का इस्तेमाल स्कूल समय मे न करें।सोमवार को शहर के किला स्थित सरकारी स्कूल में अध्यापिका का डंडे से छात्र छात्राओं को पीटने का मामला अभी शांत नही हो पाया कि आज एक और पिटाई के मामले ने शाहजहांपुर के सरकारी स्कूलों को फिर से सुर्खियों में ला खड़ा किया। बहरहाल शाहजहांपुर में सरकारी स्कूलों के जो हालात हैं जिसमे छात्राओं से अश्लीलता से बच्चो की पिटाई भी शामिल हैं ऐसे में अगर संबंधित विभाग से लेकर उच्चाधिकारियों ने गंभीरता से संज्ञान न लिया तो आगे कोई बड़ी घटना घटित हो सकती हैं।क्योंकि शिक्षा का तो पता नही लेकिन बच्चो की सुरक्षा के लिए यह बड़ा सवाल है।

नागरिकता कानून की धारा 6ए को चुनौती देने वाली अर्जी पर फैसला सुरक्षित

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने नागरिकता अधिनियम की धारा 6 ए की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। इस धारा को असम समझौते को आगे बढ़ाने के लिए 1985 में एक संशोधन के माध्यम से संविधान मे शामिल किया गया था। न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ इस मुद्दे पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने फैसला सुरक्षित रखने से पहले चार दिनों तक अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान, कपिल सिब्बल और अन्य की दलीलें सुनीं। बता दें कि धारा 6ए की संवैधानिक वैधता पर सवाल उठाते हुए 17 याचिकाएं दाखिल की गई थी। धारा 6ए को असम समझौते के तहत संविधान के नागरिकता अधिनियम में शामिल लोगों की नागरिकता से निपटने के लिए एक विशेष प्रावधान के रूप में शामिल किया गया था।

धारा-6ए विशेष प्रावधान के तहत शामिल की गई थी

नागरिकता अधिनियम की धारा-6ए विशेष प्रावधान के तहत शामिल की गई थी ताकि असम समझौते के तहत आने वाले लोगों की नागरिकता से संबंधित मामलों से निपटा जा सके। कानून के इस प्रावधान में कहा गया है कि जो लोग एक जनवरी 1966 को या इसके बाद और 25 मार्च 1971 से पहले बांग्लादेश सहित उल्लेखित इलाकों से असम आए हैं और यहां निवास कर रहे हैं उन्हें वर्ष 1985 में संशोधित नागरिकता कानून के तहत नागरिकता के लिए धारा-18 के तहत अपना पंजीकरण कराना होगा। इसका नतीजा यह है कि बांग्लादेश से असम आने वालों के लिए कानून का यह प्रावधान 25 मार्च 1971 की 'कट ऑफ तारीख' तय करता है।

कांग्रेस के पास नहीं है मोदी हंटर

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने भले ही मल्लिकार्जुन खरगे को पार्टी अध्यक्ष की कमान सौंप दी हो, लेकिन क्षत्रप उनकी ज्यादा नहीं सुन रहे हैं। उन्हें भी मालूम है कि अंतिम निर्णय कहां से होना है। कांग्रेस और भाजपा में यही फर्क है। भाजपा में केंद्रीय स्तर पर जो फैसले होते हैं, शीर्ष नेतृत्व से लेकर निचले स्तर के कार्यकर्ता, सभी उनका सम्मान करते हैं।

तीन राज्यों में मिली हार के बाद कांग्रेस में माथापच्ची का दौर जारी है। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने संबंधित प्रदेशों के नेताओं से बातचीत कर उन कारणों को तलाशने की कोशिश की है, जिसके चलते कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा। राजनीतिक जानकारों का कहना है, कांग्रेस सियासी पिच तो खुद तैयार करती है, लेकिन जब मैच की बारी आती है, तो उसके हिस्से में हार के अलावा कुछ नहीं आता। दरअसल, कांग्रेस में फैसला लेना, आज भी एक या कुछ हाथों में नहीं है। नैतिकता, वोट बैंक और सत्ता पक्ष द्वारा लगाए जाने वाले परिवारवाद के आरोपों से बचने के लिए कांग्रेस ने गैर-गांधी के रूप में अध्यक्ष की कुर्सी पर खरगे को बैठा दिया। कुछ ही दिन में कांग्रेस के क्षत्रपों ने खरगे के हंटर को बेअसर कर दिया। नतीजा, तीन राज्यों में हुई हार के बाद प्रदेशाध्यक्ष या सीएलपी लीडर के त्यागपत्र पर रार मच गई। इतने कम समय में सब कुछ सामान्य हो गया। वरिष्ठ पत्रकार राशिद किदवई कहते हैं, कांग्रेस के पास 10 लोगों से 100 गुना फायदा लेने की मोदी तकनीक तकनीक नहीं है। पार्टी के पास मोदी जैसा भी हंटर नहीं है।

क्षत्रप उनकी ज्यादा नहीं सुन रहे

विधानसभा चुनाव में हुई हार के बाद कांग्रेस में कई तरह के स्वर सुनने को मिल रहे हैं। मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में हार क्यों हुई, इस पर पार्टी ने चर्चा की है, मगर कोई त्यागपत्र नहीं हो सका। कांग्रेस पार्टी की राजनीति को करीब से समझने वाले वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक राशिद किदवई कहते हैं, कांग्रेस ने भले ही मल्लिकार्जुन खरगे को पार्टी अध्यक्ष की कमान सौंप दी हो, लेकिन क्षत्रप उनकी ज्यादा नहीं सुन रहे हैं। उन्हें भी मालूम है कि अंतिम निर्णय कहां से होना है। कांग्रेस और भाजपा में यही फर्क है। भाजपा में केंद्रीय स्तर पर जो फैसले होते हैं, शीर्ष नेतृत्व से लेकर निचले स्तर के कार्यकर्ता, सभी उनका सम्मान करते हैं। कांग्रेस में इस बात को लेकर चर्चा हुई थी कि तीन राज्यों में हुई पराजय के बाद वहां के सीएलपी लीडर और प्रदेश अध्यक्षों का त्यागपत्र मांगा जाए। इसी पर रार मच गई। वजह, तीनों ही राज्यों के क्षत्रपों का दखल सोनिया गांधी, राहुल और प्रियंका तक रहा है। चुनाव में अति आत्मविश्वास को लेकर कुछ नेताओं की तरफ इशारा हुआ, लेकिन उनके खिलाफ कुछ नहीं हुआ। चुनाव प्रचार के दौरान कई कमियां सामने आई थीं, मगर प्रदेशों के क्षत्रपों ने अपनी पहुंच के चलते उन्हें नजरअंदाज कर दिया। इस मामले में भी कोई कार्रवाई नहीं हो सकी।

खरगे का विवेक भी राहुल व प्रियंका की तरफ

नई दिल्ली। खरगे, पार्टी के अध्यक्ष हैं, मगर हाईकमान कल्चर अभी खत्म नहीं हुआ है। बतौर किदवई, जब खरगे के लिए अपने विवेक के आधार पर कोई फैसला लेने की बात आती है, तो वे मजबूरी में सोनिया, प्रियंका और राहुल की तरफ देखते हैं। यही बात, पार्टी के क्षत्रपों के लिए खुद को महफूज करने की स्थिति में ला देती है। जब तक पार्टी अध्यक्ष कुछ सोचते हैं, तब तक टारगेट वाले नेताओं का बचाव हो जाता है। जैसा सोचा गया था कि खरगे खुले हाथों से कठोर फैसले लेंगे, वैसा कुछ नहीं दिख रहा। ढाक के वही तीन पात वाली स्थिति नजर आ रही है। पार्टी में मोदी जैसी सक्रियता नहीं दिखती। किसी के पर कतरें जाएं, ऐसा तो बिल्कुल दिखाई नहीं पड़ता। महाराष्ट्र और उत्तरप्रदेश जैसे बड़े राज्यों में पार्टी प्रभारी की नियुक्ति तक नहीं हो पा रही है। किदवई कहते हैं, पार्टी में कौन सा मुद्दा कब उठाया जाए, इस बाबत कोई चर्चा नहीं होती। ईवीएम का मुद्दा कब और किन स्थितियों में उठाया जाए, पार्टी को इसकी लाइन लैंथ का अंदाजा नहीं होता। मुद्दे कांग्रेस तय करती है, उसका फायदा भाजपा उठा लेती है। कांग्रेस में अधिकांश नेता स्वर्ण, एससी समुदाय या मुस्लिम हो सकते हैं, लेकिन ओबीसी कम हैं। पिछड़े समुदाय के नेताओं को शीर्ष स्तर पर प्रमुखता क्यों नहीं दी जा रही। सचिन पायलट को आगे लाकर पार्टी एक बड़ा संदेश दे सकती थी।

दस लोगों का सौ गुना फायदा

पीएम मोदी की तकनीक, दस लोगों से सौ गुना फायदा, यह कांग्रेस या राहुल गांधी नहीं उठा पा रहे हैं। भाजपा में किसी भी मुद्दे को उठाने के लिए, पहले जमीनी स्तर पर होमवर्क किया जाता है। उसका नफा नुकसान देखा जाता है। भाजपा में प्रभावशाली मुद्दों को भुनाने की कला है। अगर मध्यप्रदेश में यादव को सीएम बनाया गया है, तो उसके लिए पार्टी ने कोई चांस नहीं लिया। जातिगत गणना और ओबीसी जैसे मुद्दे से पार्टी को जो नुकसान संभावित था, उसका निराकरण कर दिया है। पीएम मोदी, हर क्षेत्र में कम से कम दस लोगों से सौ गुना फायदा लेने की क्षमता रखते हैं। उन्हीं से ग्राउंड रिपोर्ट भी लेते हैं। केंद्रीय मंत्रियों को विधानसभा का चुनाव लड़ा दिया। ऐसे कठोर फैसले लेने के लिए कांग्रेस में माहौल तैयार करने से खरगे चूक रहे हैं। कांग्रेस को अपना घर दुरुस्त करने की बजाए, दूसरों के भरोसे राजनीति करना छोड़ना होगा।

100 दिन में 500 रुपये में LPG सिलेंडर योजना को लागू करेंगे

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार 100 दिनों के भीतर पांच सौ रुपये में एलपीजी सिलेंडर और धान खरीद के लिए किसानों को प्रति क्विंटल 500 रुपये अतिरिक्त देने की योजना लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह बात नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने मंगलवार को कही।

रेड्डी ने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इसके बाद संवाददाताओं से कहा कि नागरिक आपूर्ति निगम का कुल कर्ज 56 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा पिछली बीआरएस सरकार वित्तीय सहायता देने में विफल रही और ब्याज तीन सौ करोड़ तक पहुंच गया। उन्होंने आगे कहा कि निगम का 18,000 करोड़ रुपये मूल्य का 88 लाख टन धान मिलों के पास बिना किसी सुरक्षा या बैंक गारंटी के पड़ा हुआ है। रेड्डी ने कहा कि स्थिति से मुख्यमंत्री को अवगत कराया जाएगा और कैबिनेट में उचित फैसला लिया जाएगा। उन्होंने कहा, पिछले साढ़े नौ साल (बीआरएस शासन) के दौरान प्रणालीगत खामियां थीं। मंत्री ने कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत दिया जाने वाला चावल सभी उचित लाभार्थियों तक पहुंचना चाहिए, क्योंकि राज्य और केंद्र गरीबी रेखा से नीचे के लोगों को आपूर्ति किए जाने वाले चावल पर 39 रुपये प्रति किलोग्राम खर्च कर रहे हैं।

न्यायालय में लम्बित केसों का प्रभावी ढ़ग से पैरवी करायेः जिलाधिकारी

द अचीवर टाइम्स। संवादाता

हापुड़। जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा ने कल कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद की कानून व्यवस्था एवं एंटी भू-माफिया के विरूद्ध की गयी कार्यवाही की गहन समीक्षा की। कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि पास्को एक्ट, एससी/एसटी एक्ट, जिला बदर, गैंगस्टर तथा अन्य प्रमुख अपराधों जैसे हत्या, डकैती, लूट आदि केसों पर तेजी से कार्यवाही की जायें। दर्ज केसों के वर्क आउट पर विशेष जोर देने की आवश्यकता हैं। इसके लिए न्यायालय में लम्बित केसों की प्रभावी ढंग से पैरवी की जायें। दर्ज केसों की विवेचना निर्धारित समय अवधि में किया जायें साथ ही विवेचन प्रक्रिया में तेजी लायी जायें। उन्होंने कहा कि पास्को एक्ट के तहत दर्ज केसों पर कड़ी कार्यवाही करते हुए गिरफतारी पर विशेष जोर देने की आवश्यकता है, गिरफतारी से अपराधी जेलों में होते हैं जिससे अपराधों की संख्या में कमी आती है। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी केस के मुख्य अपराधी को जेल भेजने के पश्चात उनके सहअभियुक्तों तथा सहयोगियों पर भी कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें अन्यथा सहअभियुक्तों तथा सहयोगियों मुख्य अपराधी के प्रतिनिधि के तौर पर अपने गैंग को संचालित करने लगते हैं। जिससें कानून व्यवस्था की समस्या खड़ी होती हैं। उन्होंने जनपद में अवैध खनन रोकने के लिए सभी उपजिलाधिकारी तथा पुलिस क्षेत्राधिकारी को संयुक्त अभियान चलाने के निर्देश दिए साथ ही संयुक्त अभियान गोपनीय ढ़ग से संचालित किया जायें। एंटी भू माफिया पर की गयी कार्यवाही की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि एंटी भू माफिया पर कार्यवाही मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना है। अतः सभी अधिकारी इस पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने सभी अधिकारियों से उनके विभाग की अतिक्रमित भूमि की सूचना सम्बन्धित अधिकारी को गाटावार विवरण सहित देने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि एंटी भूमाफिया पोर्टल पर दर्ज शिकायतों को गुणवत्तापूर्ण ढ़ग से निस्तारण किया जाए जिससे सूचना पुनः दर्ज न की जाये। जिलाधिकारी ने सभी एसडीएम तथा सीओ से भूमाफियाओं को चिन्हित करके कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी वि/रा संदीप कुमार, अपर जिलाधिकारी न्यायिक ज्योत्सा बंधु, अपर पुलिस अधीक्षक, समस्त उप जिलाधिकारी, पुलिस उपधीक्षक, थाना प्रभारी तथा अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डेढ़ लाख बकाएदार, ओटीएस के लाभ से वंचित

गोरखपुर। मुख्य अभियंता आशू कालिया ने कहा कि बिजली एजेंसी के मीटर रीडरों की लापरवाही से लगभग 10 फीसदी उपभोक्ताओं का गलत बिजली बिल बन गया है। बिजली बिल में सुधार करवा कर इन्हें ओटीएस का लाभ देने की पूरी कोशिश की जाएगी। जोन के विभिन्न वितरण मंडलों व खंडों के करीब डेढ़ लाख बकाएदारों को पावर कारपोरेशन की ओटीएस योजना का लाभ लेने में परेशान हो रही है। इनके बिजली बिल मीटर रीडरों ने गलत निकाल दिए हैं। इन उपभोक्ताओं के बिजली बिल पिछले महीने रीडिंग डिफेक्ट (आरडीएफ) व इंस्ट्रूमेंट डिफेक्ट श्रेणी (आईडीएफ) में बना दिए। इसलिए इनमें सरचार्ज व बकाए की रकम का सही उल्लेख नहीं है। ऐसे में जब बिल ही गड़बड़ हैं तो उन्हें ओटीएस का लाभ नहीं मिल पा रहा।

जिलाधिकारी ने 11 नयी एम्बुलेंस को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना किया

❖ नयी 102 एम्बुलेंस जनपद की स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने में मददगार साबित होगी-प्रेरणा शर्मा, डीएम,हापुड़।

द अचीवर टाइम्स। संवादाता

हापुड़। जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर से 11 नयी 102 एंबुलेंस को विधि विधान पूर्वक से नारियल तोड़कर तथा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तो वही जिलाधिकारी ने बताया कि यह 11,102 एम्बुलेंस जनपद में एम्बुलेंसों के रिप्लेसमेंट के तौर पर भेजी गई हैं जो सरकार के द्वारा नेशनल एंबुलेंस सर्विस के तहत प्राप्त हुई हैं। नयी 102 एम्बुलेंस जनपद की स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने में मददगार साबित होगी। उन्होंने कहा कि शहरों के साथ-साथ जनपद के ग्रामीण तथा दूरदराज क्षेत्रों के मरीजों तक पहुंचने में आसानी होगी। जिलाधिकारी ने बताया कि 102 निशुल्क एंबुलेंस सेवा आपातकालीन चिकित्सा परिवहन सेवा है यह सभी एंबुलेंस जीपीएस सिस्टम तथा अन्य आवश्यक चिकित्सा उपकरणों से सुसज्जित हैं उन्होंने कहा कि यह आपातकालीन परिवहन सेवा गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशु एवं उनकी माता को 24 म 7 निशुल्क सेवा प्रदान करेगी। नयी 11 एंबुलेंस सेवा सरकार की जननी सुरक्षा योजना तथा जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रमों को बेहतर क्रियान्वयन में मदद करेंगे क्योंकि मरीज अब और अधिक जल्दी निकटतम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र या सरकारी अस्पताल में पहुंचेंगे। जिससे संस्थागत प्रसव प्रतिशत में वृद्धि, मातृ मृत्यु दर तथा शिशु मृत्यु दर में कमी आएगी इस प्रकार यह एंबुलेंस जनपद की स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूती प्रदान करेंगे। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुनील त्यागी तथा अन्य संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

एक नज़र

सभी नौनिहालों को मिलेगा थाली में भोजन आरती रावत

सिद्धौर बाराबंकी। मंगलवार को ब्लॉक मुख्यालय सभागार में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को ब्लॉक प्रमुख आरती रावत द्वारा ग्राम निधि से बर्तन गैस चूल्हा वितरण किया गया। मंगलवार को ब्लॉक सभागार में सिद्धौर ब्लॉक की 192 आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को उनके केंद्र पर दर्ज नौ निहालों के सापेक्ष गिलास, थाली, कटोरी, चम्मच का ग्राम निधि से वितरण किया गया इसके अलावा क्षेत्र के 26 आंगनबाड़ी केंद्र जो विद्यालय परिसर से बाहर हैं उन्हें गैस चूल्हा भी ब्लॉक प्रमुख आरती रावत द्वारा वितरित किया गया। वही इस मौके पर खंण्ड विकास अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह. सहायक विकास अधिकारी उमेश चंद पटेल. ग्राम पंचायत सचिव पुनीत कुमार. दीपक वर्मा. आंगनबाड़ी कार्यकत्री चंद्रावती. सुलेखा. कुसुम लता. रेनू. उषा सहित अन्य आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों मौजूद रही।

ई स्कूट रेंटल स्टोर का फीता काटकर उद्घाटन

सूरतगंज बाराबंकी। मंगलवार को सूरतगंज कस्बे के बेल चौराहा स्थित हनुमान मंदिर के सामने ई स्कूट रेंटल स्टोर का उद्घाटन भाजपा जिला उपाध्यक्ष शेखर हयारण ने फीता काटकर किया। स्टोर संचालक अजय गिरी ने बताया कि यहां पर ई स्कूटी का व्यापक स्तर पर रजिस्ट्रेशन कराया जाता है और लोन की सुविधा भी उपलब्ध हैं। स्कूटी चलाने के बाद पसंद होने पर ही ले। अगर कोई दिक्कत आती है तो वापसी की भी गारंटी ली गई। इस दौरान ग्राम प्रधान प्रतिनिधि पवन गोस्वामी,ओम प्रकाश प्रजापति,शिवम मिश्रा, डॉ0 धनंजय कुमार, पंकज मिश्रा बसौली सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की इलाज दौरान मौत

ब्यूरो रिपोर्ट लखीमपुर खीरी। फरधान। गोला कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत सोमवार की देर रात को लखीमपुर गोला सड़क रसौरा गांव के निकट अज्ञात वाहन बाइक की टक्कर में साईकिल सवार गंभीर रुप से घायल हो गया था। जिसकी इलाज दौरान देर रात मौत हुई है। अचानक मौत से परिवार में कोहराम मच गया। फरधान थाना क्षेत्र के धौरहरा खुर्द गांव निवासी रामसेवक का का 33 वर्षीय पुत्र सर्वेश कुमार दाल बेचने का व्यापार करते था। सोमवार की दोपहर गोला डाल लेने गया था। दाल लेकर देर शाम अपनी साईकिल से गांव वापस आ रहा था जैसे वह लखीमपुर गोला मार्ग पर रसौरा गांव के पास किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। आसपास के ग्रामीणों ने 108 एंबुलेंस से सीएचसी फरधान भिजवाया था। हालत गंभीर देखा इलाज के लिए जिला अस्पताल ओयल भेजा था। जहां से लखनऊ को रेफर कर दिया गया था। देर रात को लखनऊ के ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान मौत हो गई।

ग्राम चाँदापुर में जल जीवन मिशन के कार्यो का निरीक्षण करने पहुंचे डीएम

डीएम ने ग्राम चांदापुर में भ्रमण कर देखी व्यवस्थाए, जल जीवन मिशन के अन्तर्गत हर घर स्वच्छ पेय जल का घर-घर जा कर किया निरीक्षण

द अचीवर टाइम्स दीपक सिंह, शाहजहाँपुर। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह वि.ख. ददरौल के ग्राम चांदापुर में जल जीवन मिशन के कार्यो का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने ओवरहेड टैंक, सोलर पैनल, पाइपलाइन, पंप हाउस, जनरेटर सेट आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने गांव में कराए गए गृह संयोजन के कार्यो को भी देखा। उन्होंने गांव मे भ्रमण कर उपलब्ध कराये जा रहे स्वच्छ पेय जल की गुणवत्ता के विषय में लोगो से जानकारी ली। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियन्ता सनी सिंह को निर्देशित करते हुये कहा कि पंप हाउस के संचालन हेतु तकनीकी जानकार व्यक्ति को नियुक्त किया जाये तथा सुरक्षा हेतु चौकीदार भी तैनात किया जाये। उन्होने घर-घर जा कर ग्रामीणों से जलापूर्ति के विषय में फीडवैक भी लिया तथा उपलब्ध कराये जा रहे जल की गुणवत्ता के विषय में जानकारी ली। उन्होने संबधित को निर्देशित करते हुये कहा गांव मे नियमित रूप से जलापूर्ति सुनिश्चित की जाये।

हर घर नल योजना का शुभारम्भ

योजना जल जीवन मिशन हर घर नल से जल प्रशिक्षण का शुभारंभ खंड विकास अधिकारी एवं सहायक विकास अधिकारी ने किया

द अचीवर टाइम्स- नीरज शुक्ला/ संदीप मौर्या

बाराबंकी। सिरौली गौसपुर बाराबंकी ब्लॉक सभागार सिरौली गौसपुर में प्रधान मंत्री की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन हर घर नल से जल प्रशिक्षण का शुभारंभ विकासखंड सभागार में खंड विकास अधिकारी एवं सहायक विकास अधिकारी पंचायत ने दीप प्रज्वलित कर किया गया इस प्रशिक्षण मे प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागि ग्राम प्रधान, ग्राम रोजगार सेवक, वार्ड सदस्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य, जिला पंचायत सदस्य को प्रशिक्षित करते हुए प्रशिक्षक इशान्त कुमार ने कहा की पानी की गुणवत्ता की जांच पानी का परीक्षण पानी साफ करने के घरेलू उपाय वर्षा जल संचयन, जल का दोहन न होने के विषय मे जानकारी दी गई, बैक्टीरिया संक्रमण कृमि संक्रमण स्वच्छ पानी और सुरक्षित पानी आदि के गुर बताएं प्रशिक्षक जितेश ने पेयजल आपूर्ति के स्रोतों को भविष्य के लिए कैसे सुरक्षित रखेंगे घरेलू संरक्षण परियोजना में महिलाओं की भागीदारी सरपंच के दायित्व ग्राम पंचायत की जिम्मेदारियां आदि विषयक जानकारी दी है।इस मौके पर अनिल वर्मा प्रधान निसार मेहंदी प्रधान जय राम मौर्य प्रधान रामसागर यादव प्रधान रामबकाश यादव प्रधान स्वतंत्र सिंह रेखा गुप्ता बब्लू जमा केदारनाथ वर्मा अंजनी कुमार दीक्षित सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

आओ प्रतिभाग ले खेल प्रतियोगिता

द अचीवर टाइम्स अभिषेक राजपूत

अतरौली हरदोई । जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल के तत्वधान में खुली खेल प्रतियोग्यता का आयोजन 14 , 12, 2023 किया जा रहा है जिसमे ग्रामीण के बच्चे व स्कूल के बच्चे प्रतिभाग कर सकते है। रमाकांत बीओ ने बताया कि आयोजित की जाने वाली प्रतिस्पर्धा सौ मीटर दौड़ आठ सौ मीटर शॉट हैइजम्प ,शॉटपुट, चार कि.ग्रा जैविलिन बैडमिंटन कबड्डी बालीबाल खेल प्रतियोगिता कराई जाएगी जिसमें बालक वर्ग बालिका वर्ग प्रतिभाग कर सकेंगी गांव के भी बच्चे प्रतिभाग कर सकते है बी वी एम इंटर कालेज के प्रांगण में होगी सभी खिलाड़ी अपना अपना हुनर को खेल में दिखाए।

डिप्टी रेंजर के संरक्षण वन रक्षक के हौसले बुलंद थाने पर शिकायत

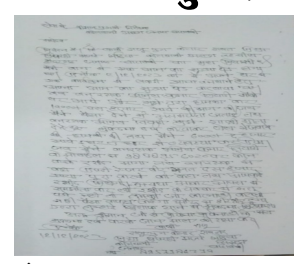

संवाददाता

सिद्धौर बाराबंकी। असंद्रा थाना के क्षेत्र के पिपरही मजरे भठिया गांव में करीब नौ दिन पूर्व कटे हुए सूखे आम के पेड़ के कटान के मामले में वनरक्षक ने किसान से छह हजार रुपए वसूल लिया। लेकिन मंगलवार तक उसे जुर्माने की रसीद नहीं दी। मांगने पर धमकी देने आरोप है। उसने पुलिस शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। जो डिप्टी रेंजर की संरक्षण में है। क्योंकि वह 14 वर्षो से इसी रेंज में जमें है। असंद्रा थाना क्षेत्र के पिपरही मजरे भठिया गांव निवासी कोटेदार राजू का कहना है कि 2 दिसंबर को खुदके इस्तेमाल को एक सूखा आम का पेड़ कटाया। लेकिन क्षेत्रीय वनरक्षक हरख अनिल तिवारी ने उससे पूछताछ की। इंनकार करने पर वनरक्षक पर गाली देने साथ फर्जी मुकदमें जेल भेजने की धमकी दी गई। किसान ने इधर-उधर से छह हजार रुपए लाकर दिया। करीब 10 दिनों बाद भी उसे जुर्मानें रसीद नहीं मिली। किसान मुताबिक वनरक्षक से बात करने पर डिप्टी रेंजर हरख वीर भगत द्वारा दस हजार देने रसीद देना बताया। अन्यथा किसान से आधे पर समझौता करने को कहा। मंगलवार पीड़ित ने इसकी शिकायत असंद्रा इंस्पेक्टर संतोष सिंह से कर कार्रवाई मांग की है उधर वन रक्षक ने बताया रेंजर की छुट्टी होने पर रसीद नहीं दी गई।

आबकारी विभाग ने शराब के ठेकों के निरक्षण कर अवैध शराब बिक्री हेतु कई जगह चलाया चेकिंग अभियान

द अचीवर टाइम्स। संवादाता

हापुड़। जनपद हापुड़ में शासन की मंशा के अनुरूप आबकारी आयुक्त एवं जिलाधिकारी हापुड़ के विशेष प्रवर्तन अभियान के आदेश क्रम में तथा जिला आबकारी अधिकारी हापुड़ पर्यवेक्षण मे वीश्र केश्र सिंह आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 3 मय स्टाफ द्वारा बीती रात 11 दिसम्बर 23 को अपराध निरोधक क्षेत्र धौलाना में, अवैध शराब के विरुद्ध सरस्वती मेडिकल कॉलेज/ जीएस मेडिकल कॉलेज/रामा मेडिकल कॉलेज के पास स्थित कैंटीन, चाय की दुकानों आदि की सघन चैकिंग की गई तथा मादक पदार्थो के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाया गया और साथ ही/ डूहरी विदेशी मदिरा/डूहरी बियर/शराब दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपस्थित ग्राहको से आर ओ बाबत पूछताछ की गयी, सभी ने सही मूल्य पर बिक्री होना बताया गया और साथ ही स्टॉक सत्यापन किया गया। रेन्डमली रुप से दुकान में रखे पौवों,वियर केन, बोतलों के क्यू आर कोड की गहनता से जांच की गई, सही भरे पाए गए,क्यूआर कोड सही लगे पाए गए।

1092 बूथों पर पिलाई गई पोलियो रोधी खुराक

सोनभद्र। जिले के 1092 बूथों पर रविवार को पल्स पोलियो अभियान के तहत नौनिहालों को पोलियो रोधी दवा की खुराक पिलाई गई। जिला अस्पताल में अभियान का शुभारंभ डीएम चंद्रविजय सिंह ने जिला अस्पताल में बच्चों को दवा पिलाकर किया। डीएम ने कहा कि जनपद को पोलियो मुक्त रखने के लिए अभियान में कोई लापरवाही न बरती जाय। उन्होंने शत-प्रतिशत बच्चों को दवा की खुराक पिलाने में जन सहयोग की अपील की। सीएमओ डॉ. अश्वनी कुमार ने बताया कि जिले में रविवार को 1092 बूथों पर शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को दवा पिलाई गई। इसके अतिरिक्त बस अड्डों, रेलवे स्टेशन जैसे- भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर 40 ट्रांजिट बूथ भी बनाए गए हैं। चोपन और सुकृत के खदान क्षेत्रों में काम करने वाले मजदूरों के बच्चों के लिए सात मोबाइल टीमें भी तैनात हैं। वह इन क्षेत्रों में घूम-घूम कर बच्चों को दवा पिलाएगी।

हाफ मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

द अचीवर टाइम्स ङ्क निखिल मिश्रा

लखनऊ। नशा मुक्त अभियान कौशल का के अंतर्गत सी आर पी शिक्षण संस्थान में 5 कि.मी. सेमी हाफ मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय केंद्रीय मंत्री श्री कौशल किशोर जी ने विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया एवं सभी प्रतिभागियों से अपने जीवन में कभी नशा न करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष माधवेंद्र देव सिंह, योगेन्द्र सिंह, विजय सिंह, भाजपा जिला आईटी सेल रवि द्विवेदी, राजेन्द्र लहरी, श्याम लाल तूफानी, मंडल संयोजक नेकपाल यादव, राधाकृष्ण प्रधान, विद्यालय संघ के अध्यक्ष राज कमल यादव, भाजपा युवा मोर्चा मंडल संयोजक विश्वजीत सिंह, राहुल सिंह, मनोज गुप्ता, राकेश रावत, राजपाल राज, विद्यालय प्रबन्धक संघ के पदाधिकारियों सहित सैकड़ों की संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थिति रहे। मैराथन दौड़ में प्रथम स्थान पर रहे इस्लाम अली को ग्यारह हजार रुपये, द्वितीय स्थान पर रहे रवि कुमार पाल को इक्यावन सौ रुपये एवं तृतीय स्थान पर रहे अनुपम को इक्कीस सौ रुपये एवं उसके बाद दस स्थान पर रहने वाले सभी दस खिलाड़ियों को पांच सौ रुपये का पुरुस्कार एवं मेडल व प्रमाणपत्र पत्र दिए गए।

बूथ स्तर पर सपा को मजबूत करें कार्यकर्ता : विकास यादव

द अचीवर टाइम्स।अभिषेक राजपूत

हरदोई। अतरौली हरदोई बूथ स्तर को मजबूत करे सभी सपा कार्यकर्ताओं को दिशा निर्देश दिया घर घर जाकर अपना अपना बूथ मजबूत करे उत्तर प्रदेश में सिर्फ सपा से डर है। भाजपा को और तीसरी पार्टी कोई नही है जो भाजपा से टक्कर ले सके हर बूथ में पांच पांच महिलाओं की टीम बनाकर हर रोज सारा दिन नही कार्य करे लेकिन एक घण्टा निकाल कर आपने बूथ को मजबूत करने का कार्य किया जाए जिससे समाज वादी पार्टी के कार्यकर्ताओं में इतना जोश होना चाहिए कि सामने की पार्टी देखकर ये लगे कि एक नही सौ के बराबर है गुड्डु सिंह यादव ने बताया कि हमारे क्षेत्र में सबसे ज्यादा वर्चस्व रहेगा। मुकेश यादव ब्लॉक अध्यक्ष अमरीश यादव, गुड्डु सिंह यादव उर्फ विनय उपाध्यक्ष संडीला, शुशील शुक्ला सरोज अशोक दीक्षित, इंद्रेश यादव, प्रदीप यादव, गजेंद्र सिंह, विजय यादव जिला सचिव युवा कार्यकर्ता भारत चौधरी, नगर अध्यक्ष मोहमद वारिश, ईश्वरदिन यादव सेक्टर अध्यक्ष, भास्कर सिंह भारतीय किसान यूनियन प्रदेश उपाध्यक्ष, ज्ञान सिंह यादव अमरेश यादव, समस्त सपा कार्यकर्ता मौजुद रहें।

अम्बेडकर सम्मान से सम्मानित हूए बेखोफ शायर

द अचीवर टाइम्स। संवादाता

हापुड़। हापुड़ से साहित्य के क्षेत्र में देश विदेशों में सक्रिय कलमकार के रुप में बेखौफ शायर के नाम से विख्यात जनकवि डा.नरेश सागर देश और समाज की समस्याओं को निरंतर अपनी बेखौफ कलम और शायरी के माध्यम से उठाते रहते है। एक लम्बे समय से कई विषम परिस्थितियों के चलते भी इस कलमकार ने कभी अपने स्वाभिमान के साथ समझौता नहीं किया ये अंदाज भी उनको बेखौफ साबित करता है बिना किसी के सहयोग के अपनी मंजिल पर चलने वाले इस कलमकार का नाम गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज है और अब राजस्थान की एक साहित्य संस्था विश्व हिंदी सागर मंच ने उन्हें भारतीय संविधान निर्माता बाबा साहेब अम्बेडकर सम्मान से सम्मानित किया है। जिस पर बेखौफ शायर कहते हैं कि भारत रत्न संविधान निर्माता बाबा साहेब डा.भीमराव अम्बेडकर जी मेरे प्रेरणास्रोत ही नहीं बल्कि मेरे गुरु भी है ,बाबा साहब जी ने कहा था कि शिक्षा शेरनी का वो दूध है जो पीएगा वो दहाडेगा ,इसलिए मैं भी दहाड़ रहा हूँ और आखिरी सांस तक जुल्म और अन्याय के खिलाफ दहाड़ता ही रहूंगा ।

सीएम योगी ने लाभार्थियों से किया संवाद

कहा कि समृद्धि और खुशहाली की वाहक है मोदी जी की गारंटी वैन

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को मोदी सरकार की योजनाओं से लाभान्वित होने वाले लोगों से संवाद किया और कहा कि पहले योजनाओं का लाभ चेहरा देखकर दिया जाता था पर अब सभी को फायदा मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने %विकसित भारत संकल्प यात्रा% के तहत गांव-गांव नगर-नगर पहुंच रही %मोदी जी की गारंटी वैन% को हर एक नागरिक के जीवन में सुरक्षा, समृद्धि और खुशहाली का वाहक कहा है। मंगलवार को %विकसित भारत संकल्प यात्रा% के अंतर्गत एक साथ 04 लाख से अधिक लोगों से वर्चुअल संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि जिस भी गांव में/नगर में मोदी जी की गारंटी वैन पहुंचे, वहां स्थानीय लोग गाजे-बाजे के साथ स्वागत इसका करें। जिन लोगों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है, वह मोदी जी की गारंटी वैन के पास आएं। %अपनी जुबानी अपनी कहानी% सुनाएं। लोगों को अपने अनुभव बताएं, यह औरों के लिए प्रेरणास्पद होगा। जो लोग गांव में आवास, शौचालय, रसोई गैस सिलिंडर, निःशुल्क राशन, किसान सम्मान निधि, आयुष्मान बीमा जैसी किसी भी योजना से अब तक किन्हीं कारणों से वंचित रह गए हों, उन्हें वैन के पास लाएं और तत्काल योजना से लाभान्वित करायें। मुख्यमंत्री ने कहा है कि हर प्रदेशवासी मोदी जी की गारन्टी वैन पर प्रधानमंत्री मोदी का संदेश सुनें, सरकार की योजनाओं से परिचित होकर लाभान्वित हों। उन्होंने यह भी कहा है कि सरकार का लक्ष्य डबल इंजन सरकार की लोककल्याणकारी योजनाओं से पूरे प्रदेश को 100 प्रतिशत संतृप्त करने

का है। 490 ग्रामीण क्षेत्रों और 18 नगरीय क्षेत्रों में संचालित %विकसित भारत संकल्प यात्रा% में सहभागी 04 लाख से अधिक लोगों को वर्चुअली संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए %सबका साथ-सबका विकास% एक नारा भर नहीं है, बल्कि यह एक संकल्प है, एक कार्यसंस्कृति है। बीते साढ़े नौ वर्षों में पूरे देश ने इस संकल्प को देखा, जाना और स्वीकार किया है और यथार्थ में बदलते देखा है। वर्ष 2014 से पहले सरकारी योजनाओं का लाभ चेहरा देखकर दिया जाता था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के शासनकाल में गरीब, महिला और वंचित तबके तक बिना भेदभाव हर योजना का लाभ मिल रहा है। %विकसित भारत संकल्प यात्रा% के महत्व की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि लोककल्याण के लिए योजनाएं संचालित करना भर पर्याप्त नहीं होता, आवश्यक है कि योजना का लाभ पात्र व्यक्ति तक आसानी से और समय पर मिले। तमाम प्रयासों के बाद भी बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जो लोककल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित नहीं हो सके हैं। ऐसे लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जनजातीय दिवस (15 नवंबर) को भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली से %विकसित भारत संकल्प यात्रा% प्रारंभ की गई है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों , बुद्धिजीवी वर्ग सहित हर जागरूक नागरिक का आह्वान करते हुए कहा कि यह हम सभी की साझा जिम्मेदारी है कि सरकार की योजनाओं से वंचित अपने आसपास के प्रत्येक व्यक्ति को लाभ जरूर दिलायें। विभिन्न लोककल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस विशेष यात्रा में %मेरी कहानी मेरी जुबानी% थीम पर एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आप लोगों के लिए ही है। पीएम मोदी की गारंटी वैन के पास एकत्रित लोगों को अपने अनुभव बताएं, यह औरों के लिए प्रेरणास्पद होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की योजनाओं से जुड़ने का अर्थ है जीवन में खुशहाली लाना। मोदी सरकार में नए सिरे से लाभार्थियों का चयन हुआ और परिणामस्वरूप बीते साढ़े 09 वर्षों में देश मे 12 करोड़ लोगों के घरों में शौचालय बने हैं, जिसमें साढ़े 03 करोड़ अकेले उत्तर प्रदेश में हैं। गरीब के घर शौचालय बने यह कोई सोचता नहीं था। किसानों को लागत का डेढ़ गुना एमएसपी देने का सपना मोदी सरकार में पूरा हो रहा है। 12 करोड़ किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि मिल रही है। अकेले यूपी के 2.63 करोड़ किसान इससे लाभान्वित हो रहे हैं। देश में 4 करोड़ और प्रदेश में 55 लाख लोगों को आवास की सुविधा मिली है। देश में 50 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत सालाना 05 लाख रुपये के स्वास्थ्य बीमा की गारंटी मिली है। प्रदेश में 10 करोड़ लोग इस योजना से जुड़ हैं। 80 करोड़ लोग निःशुल्क राशन का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 तक %विकसित भारत% का संकल्प साकार होने की परिकल्पना की है। यह स्वप्न सभी के सहयोग से सिद्ध होगा। प्रधानमंत्री मोदी के %पंच प्रण% विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में हम सभी पथ प्रदर्शित कर रहे हैं।

दो एडिशनल एसपी के तबादला आदेश में संशोधन, अब बागपत और मुजफ्फरनगर में मिलेगी तैनाती

लखनऊ। यूपी में हुए दो एडिशनल एसपी के तबादलों में बदलाव किया गया है। यह तबादले आठ दिसंबर को किए गए थे। उत्तर प्रदेश शासन ने बीती 8 दिसंबर को स्थानांतरित हुए दो एडिशनल एसपी के तबादला आदेश में संशोधन किया है। सीतापुर में एएसपी दक्षिणी नरेंद्र प्रताप सिंह द्वितीय को मुजफ्फरनगर में एएसपी ग्रामीण के पद की जगह अब बागपत में तैनात करने का फैसला लिया गया है। इसी तरह पीएसी गोण्डा में तैनात संजय कुमार चतुर्थ को बागपत की जगह मुजफ्फरनगर में एएसपी ग्रामीण के पद पर तैनात किया गया है।

एक नज़र

अखिलेश यादव की मांग, ईवीएम से चुनाव के मुद्दे पर हो जनमत संग्रह

संवाददाता

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि लोकतंत्र में जनता को सिर्फ सरकार चुनने का ही अधिकार नहीं होता, चुनने के तरीके और चुनने के माध्यम को भी चुनने का भी अधिकार होता है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि ईवीएम को लेकर जनता के मन में शंका होने से देश का लोकतंत्र कमजोर हो रहा है। बैलेट पेपर से चुनाव लोकतंत्र में विश्वास की पुनर्स्थापना के लिए जरूरी है। तकनीक के माध्यम से घपलों-घोटालों की खबर आम बात हो गई है तो फिर ईवीएम शक के घेरे से बाहर कैसे हो सकती है। अखिलेश ने एक्स के जरिये मंगलवार को कहा कि ईवीएम को लेकर एक जनमत कराने की आवश्यकता है। लोकतंत्र में जनता को सिर्फ सरकार चुनने का ही अधिकार नहीं होता, चुनने के तरीके और चुनने के माध्यम को भी चुनने का भी अधिकार होता है।

पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत लाभार्थियों के सत्यापन में तेजी ला रही योगी सरकार

लखनऊ। पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत नगरीय निकाय निदेशालय की ओर से सभी जिलाधिकारियों को प्रथम स्तरीय सत्यापन में तेजी लाने का निर्देश दिया गया है। इसके तहत पंजीकृत सभी लाभार्थियों का त्रिस्तरीय सत्यापन कराए जाने का प्रावधान है। देश के कारीगरों और हस्तशिल्प श्रमिकों के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू की गई पीएम विश्वकर्मा योजना पर उत्तर प्रदेश में तेज गति से काम किया जा रहा है। सीएम योगी के निर्देश पर कारीगरों और हस्तशिल्प श्रमिकों का पोर्टल पर पंजीकरण और उसके सत्यापन की प्रक्रिया जारी है। इसी क्रम में नगरीय निकाय निदेशालय की ओर से सभी जिलाधिकारियों को पत्र लिखकर प्रत्येक नगरीय निकाय में जल्द से जल्द लक्ष्य निर्धारित करते हुए प्रथम चरण का सत्यापन कराने के लिए कहा गया है। उल्लेखनीय है कि योजना के अंतर्गत पंजीकृत लाभार्थियों का त्रिस्तरीय सत्यापन कराने का प्रावधान है। इसका प्रथम स्तरीय सत्यापन नगरीय निकायों द्वारा किया जाना है। सत्यापन पूर्ण होने के बाद सभी चयनित विश्वकर्मा की ट्रेनिंग शुरू होगी और उन्हें ई वाउचर के रूप में टूलकिट की खरीद के लिए 15 हजार रुपए की राशि उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही बैंक के माध्यम से उन्हें लोन दिलाने के लिए कार्यवाही को आगे बढ़ाया जाएगा।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित कमेटी देखेगी सत्यापन कार्य

नगरीय निकाय निदेशालय के निदेशक नितिन बंसल ने बताया कि ग्रामीण और शहरी निकायों के सत्यापन की अलग-अलग व्यवस्था है। ग्रामीण में ग्राम्य विकास और पंचायती राज विभाग को सत्यापन का जिम्मा मिला है तो शहरी क्षेत्रों में प्रथम स्तरीय सत्यापन अधिशासी अधिकारी (ईओ) कर रहे हैं। इसी क्रम में सभी जिलाधिकारियों से अनुरोध किया गया है कि वह सभी अधिशासी अधिकारियों के साथ बैठक करके सभी नगरीय निकायों में प्रथम स्तरीय सत्यापन को त्वरित गति से संपन्न कराने में सहयोग करें। उन्होंने बताया कि जनपद स्तर पर सभी सत्यापन का कार्य जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित कमेटी द्वारा किया जाना है। वहीं राज्य स्तर पर एमएसएमई के तहत गठित कमेटी पात्र लाभार्थियों का सत्यापन कर रही है।

तीन स्तर पर होनी है सत्यापन की कार्रवाई

पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत लाभ लेने की जो प्रक्रिया निर्धारित की गई है, उसके अनुसार सबसे पहले लाभार्थी को आवेदन करना होगा जिसके बाद तीन स्तर पर (पंचायत या यूएलबी, जिला और राज्य) सत्यापन की कार्यवाही होगी। लाभार्थी को पीएम विश्वकर्मा सर्टिफिकेट और आईडी कार्ड मिलेगा। साथ ही लाभार्थी की डिटेल को एमएसडीई को भी भेजा जाएगा। इसके बाद 5 दिन की बेसिक स्किल ट्रेनिंग और सर्टिफिकेट उपलब्ध कराया जाएगा। चुनिंदा लोगों को 15 दिन या इससे अधिक की एडवांस स्किल ट्रेनिंग और सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा। लाभार्थी को इसके बाद 15 हजार रुपए टूलकिट इंसेंटिव्स या टूलकिट के लिए प्रदान किए जाएंगे। साथ ही एक लाख रुपए के प्रारंभिक वित्त अंश के लिए आवेदन की जानकारी को बैंक से साझा किया जाएगा। क्रेडिट रिपोर्ट देखने के बाद बैंक लाभार्थी को एक लाख रुपए का लोन प्रदान करेंगे। डिजिटल ट्रांजेक्शन के जरिए लोन चुकाने वाले और 15 दिन की एडवांस ट्रेनिंग लेने वाले लाभार्थी 2 लाख रुपए के दूसरे लोन के लिए आवेदन करने के योग्य होंगे। पीएम विश्वकर्मा योजना भारत सरकार द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी योजना है, जिसकी शुरुआत 17 अक्टूबर 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई है। इस योजना के अंतर्गत 18 व्यवसायों का चिन्हीकरण किया गया है। योजना के क्रियान्वयन के लिए सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विभाग नोडल विभाग है एवं नगर विकास विभाग सहयोगी है। योजना के तहत समस्त जनपदों हेतु प्रथम वर्ष के लिए लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। लाभार्थियों का पंजीकरण जन सुविधा केंद्र द्वारा किया जाना है।

15 दिसंबर से यूपी में परिवर्तन यात्रा निकालेगी कांग्रेस, गठबंधन का फैसला शीर्ष नेतृत्व पर

संवाददाता

लखनऊ। कांग्रेस ने यूपी में लोकसभा चुनाव को लेकर अपनी तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी 15 दिसंबर से परिवर्तन यात्रा का शुभारंभ करेगी। इस संबंध में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने जानकारी दी। लोकसभा चुनाव 2024 में अपने पक्ष में माहौल बनाने के लिए कांग्रेस यूपी में परिवर्तन यात्रा निकालेगी। यह यात्रा 15 दिसंबर से शुरू होगी। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि इस यात्रा के जरिए आम लोगों को जोड़ा जाएगा। यात्रा की तैयारी के लिए सभी पूर्व सांसदों-विधायकों व अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पूरी रणनीति के तहत चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। गठबंधन के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह शीर्ष नेतृत्व के ऊपर निर्भर करेगा की किस तरह से गठबंधन होगा। सभी वरिष्ठ नेताओं ने राय दी है कि हमें अपनी तैयारी पूरी रखनी है और इसमें हम लग गए हैं।

सहालग में ट्रेनें फुल, लंबी वेटिंग से यात्री परेशान

दिल्ली की ट्रेनों में वेटिंग 174 पार

संवाददाता

लखनऊ। सहालग का मौसम 16 दिसंबर तक है। ऐसे में लखनऊ से दिल्ली व मुंबई जाने वालों की भीड़ बहुत है। ऐसे में नियमित व स्पेशल ट्रेनों की वेटिंग यात्रियों की मुश्किलें बढ़ा रही हैं। सहालग में ट्रेनें फुल हो गई हैं। रेग्युलर ही नहीं, स्पेशल ट्रेनों में भी सीटें नहीं मिल रही हैं। इससे यात्री परेशान हैं। तत्काल कोटे में भी मायूसी हाथ लग रही है। दिल्ली की नियमित ट्रेनों में वेटिंग 174, तो मुंबई की ट्रेनों में 212 पार कर चुकी है। 16 दिसंबर तक सहालग है। ऐसे में लखनऊ से दिल्ली व मुंबई जाने वालों की भीड़ बहुत है। ऐसे में नियमित व स्पेशल ट्रेनों की वेटिंग यात्रियों की मुश्किलें बढ़ा रही हैं। लखनऊ से नई दिल्ली जाने वाली शताब्दी एक्सप्रेस की चेयरकार में 13 से 15 दिसंबर तक क्रमशः 28, 55, 60 व एग्जीक्यूटिव क्लास में 10, 9 और 14 वेटिंग चल रही है। आनंदविहार हमसफर एक्सप्रेस की थर्ड एसी में 13 व 15 को 135 व 67 वेटिंग है। डिब्रूगढ़-नई दिल्ली स्पेशल की स्लीपर में 13 से 15 दिसंबर तक 44, 39, 44 वेटिंग है। एसी

एक्सप्रेस की थर्ड एसी में इन तारीखों में 37, 55 व 69 वेटिंग है। गोमती एक्सप्रेस की चेयरकार में 20, 17 व 19 वेटिंग है। इसी तरह इन्हीं तारीखों में लखनऊ मेल की स्लीपर में 85, 94, 106 और थर्ड एसी में 50, 33, 37 वेटिंग चल रही है। हालांकि, कॉरपोरेट ट्रेन तेजस एक्सप्रेस की चेयरकार में बुधवार को 116, बृहस्पतिवार को 130 और शुक्रवार को 201 सीटें खाली हैं।

पुष्पक एक्सप्रेस में 12 को टिकट नहीं मिल रहे

लखनऊ से मुंबई जाने वाली पुष्पक एक्सप्रेस की स्लीपर में 13, 14, 15 को क्रमशः 212, 160, 175 वेटिंग है। वहीं, इसी ट्रेन की थर्ड एसी इकॉनमी में 13 से 15 दिसंबर तक क्रमशः 118, 91, 101 वेटिंग चल रही है। गोरखपुर-एलटीटी सुपरफास्ट की स्लीपर में 129, 88, 72 और थर्ड एसी में 41, 40, 41 वेटिंग है। कुशीनगर एक्सप्रेस की स्लीपर में 108, 87, 115 व थर्ड एसी में 45, 40, 59 वेटिंग है।

सुस्त सर्वर की भेंट चढ़ रहीं तत्काल की सीटें

सुस्त सर्वर की वजह से यात्रियों को तत्काल कोटे की कन्फर्म सीटें नहीं मिल पा रही हैं। पुष्पक, लखनऊ मेल, एसी एक्सप्रेस, कुशीनगर आदि में वेटिंग की ही मिल रही हैं।

16 दिसम्बर से एसी बसों में 10 प्रतिशत कम किराया देकर कर सकेंगे यात्रा

संवाददाता

लखनऊ। यात्रियों को 28 फरवरी, 2024 तक किराये में छूट का लाभ दिया जाएगा। वातानुकूलित सेवाओं को लाभप्रद बनाने के लिए यह निर्णय लिया गया है। सर्दियों में बस यात्रियों को वातानुकित बसों में सफर का लाभ देने के लिए योगी सरकार ने किराए में 10 प्रतिशत छूट का निर्णय किया है। यात्री 16 दिसंबर 2023 से वातानुकूलित बसों में इस छूट का लाभ ले सकेंगे। 16 दिसम्बर, 2023 से 28 फरवरी, 2024 तक किराए में स्पेशल विंटर डिस्काउंट के रूप में छूट प्रदान की गई है।

कम आवागमन को देखते हुए लिया निर्णय

उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि यात्रियों को परिवहन निगम द्वारा संचालित वातानुकूलित बसों में भी शीतकाल के दौरान 10 प्रतिशत कम किराया देकर यात्रा करने की सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि शीतकाल प्रारम्भ होने पर वातानुकूलित सेवाओं में यात्रियों के कम आवागमन को देखते हुए वातानुकूलित बसों का किराया कम किया जा रहा है। परिवहन मंत्री ने बताया कि वातानुकूलित 3म्2 बसों का किराया अब 1.47 प्रति किमी प्रति सीट होगा। इसी प्रकार वातानुकूलित 2म्2 बसों का किराया 1.74 रुपया, वातानुकूलित शयनयान बसों का किराया 2.33 रुपए एवं वाल्वो (हाई एण्ड) का किराया 2.58 रुपए प्रति किमी प्रति सीट होगा। उन्होंने कहा कि वातानुकूलित सेवाओं को लाभप्रद बनाए जाने के उद्देश्य से सम्यक विचारोपरान्त यह निर्णय लिया गया है। शीतकाल में ईंधन खपत में कमी आती है। साथ ही साथ लोड फैक्टर भी अधिक किराया होने की वजह से कम हो जाता है।

राजधानी बसों में दिव्यांगों को मिलेगी यात्रा सुविधा

परिवहन मंत्री ने कहा कि संज्ञान में आया है कि दिव्यांगजनों को नई संचालित राजधानी सेवा में यात्रा सुविधा अनुमन्य नहीं है। उन्होंने परिवहन निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजधानी सेवा की बसों में भी यात्रा सुविधा उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि राजधानी सेवा की बसों का किराया अब सामान्य बसों के समतुल्य कर दिया गया है। इसलिए राजधानी सेवा की बसों में भी साधारण बसों की भांति दिव्यांगजनों को परिवहन सुविधा दी जाए।

आकाश आनंद ने लिया संकल्प देश के कोने-कोने तक पहुंचाऊंगा बसपा की विचारधारा, युवाओं से की अपील

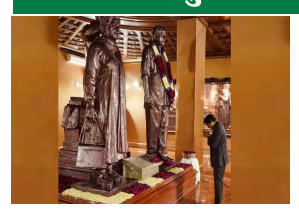

संवाददाता

लखनऊ। बसपा के उत्तराधिकारी घोषित किए गए आकाश आनंद ने देश के युवाओं से कमर कसने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बसपा की विचारधारा देश के कोने-कोने तक पहुंचाएंगे। बसपा सुप्रीमो मायावती के उत्तराधिकारी आकाश आनंद ने सामाजिक न्याय की विचारधारा को आगे बढ़ाने का संकल्प लेने के साथ ही युवाओं कमर कस लेने की अपील की है। उन्होंने बसपा को एक मिशन बताते हुए इसे देश के कोने-कोने में पहुंचाने की प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा कि बाबासाहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर और मान्यवर कांशीराम साहेब जी की विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए, देश में दलित शोषित, वंचित समाज के विकास के लिए आदरणीय मायावती जी ने जो मुझे अहम ज़िम्मेदारी सौंपी हैं मैं उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाऊंगा। बहुजन समाज पार्टी एक मिशन है और इस मिशन को हमें देश के कोने-कोने तक पहुंचाना है। मैं सभी कार्यकर्ताओं और समर्थकों का दिल से आभार व्यक्त करता हूं। इस सफर में आप सभी युवा साथियों का साथ बेहद जरूरी है। आपके साथ जुड़ना चाहता हूं, आपके साथ चलना चाहता हूं, क्योंकि सामाजिक न्याय की ये लड़ाई बहुत लंबी है, कमर कस लीजिए। जय भीम, जय भारत। आकाश आनंद को लखनऊ में रविवार को आयोजित पार्टी की बैठक में उत्तराधिकारी घोषित किया गया था।

राष्ट्रपति बोलीं- भारत के विकास में लाभकारी है 5 डी

मिशन 2047 का भागीदार बनने की अपील की

संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आईआईआईटी लखनऊ के दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं। उन्होंने युवाओं से मिशन 2047 को पूरा करने के लिए अपना सबकुछ लगा देने की अपील की है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत के पास 5 डी (डिमांड, डेमोग्राफी, डेमोक्रेसी, डिजायर व ड्रीम) है, जो विकास की यात्रा में लाभकारी है। हमारी अर्थव्यवस्था एक दशक पहले 11वें पायदान पर थी। आज पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और 2030 तक यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर अग्रसर है। भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है। यहां 55 फीसदी से अधिक आबादी 25 वर्ष से कम उम्र की है। भारत प्रगतिशील व लोकतांत्रिक राष्ट्र

है। हमारा सपना है कि 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बने। आप भी न केवल इस विजन के भागीदार बनें, बल्कि इसे पूरा करने के लिए सर्वस्व लगा दें। हमें प्रतिज्ञा करनी होगी जब भारत आजादी के 100 वर्ष पूरा कर रहा हो, तब आने वाली पीढ़ियां ऐसे भारत में जन्म लें, जो संपन्न-समृद्ध हो और जहां विकास समावेशी हो। उक्त बातें राष्ट्रपति ने मंगलवार को कहीं। वे भारतीय सूचना प्रौद्यागिकी संस्थान (आईआईआईटी) लखनऊ के द्वितीय दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहीं। उन्होंने मेधावियों को डिग्री व मेडल प्रदान करते हुए पदक पाने वाले विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संस्थान के आदर्श वाक्यों के अनुकूल आचरण कर देश के समृद्ध भविष्य के लिए कार्य करें

राष्ट्रपति ने %विद्यां ददाति विनयम्, विनयाद् याति पात्रताम। पात्रत्वात् धनमाप्नोति धनात् धर्मं ततः सुखम श्लोक सुनाया और कहा कि विद्या विनय देती है और विनय से पात्रता आती है। पात्रता से धन, धन से धर्म और धर्म से सुख प्राप्त होता है। उन्होंने आशा जताई कि संस्थान के आदर्श वाक्यों के अनुकूल आचरण करते हुए नैतिकता के साथ समाज व देश के सशक्त व समृद्ध भविष्य के लिए कार्य करेंगे।

मानव जीवन को आसान बनाने में महत्वपूर्ण साबित हो रहा एआई

महामहिम ने कहा कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है। ऑर्टिफिशयल इंटेलिजेंस मानव जीवन को आसान बनाने व उत्पादकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण साधन साबित हो रहा है। अपने व्यापक अनुप्रयोग के साथ एआई और मशीन लर्निंग जीवन के सभी पहलुओं को छू रहा है। हेल्थ केयर, एजूकेशन, एग्रीकल्चर, इंफ्रास्ट्रक्चर, स्मार्ट सिटी, स्मार्ट मोबिलिटी व ट्रांसपोर्टेशन आदि क्षेत्रों में एआई और मशीन लर्निंग हमारी दक्षता व कार्यक्षमता में व्यापक स्तर पर सुधार के अनेक अवसर प्रस्तुत कर रहा है।

एआई प्रयोग के साथ उत्पन्न नैतिक दुविधाओं का निराकरण सबसे पहले हो

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत सरकार ने 2018 में एआई के लिए राष्ट्रीय रणनीति प्रकाशित की थी। यूपी सरकार ने भी प्रमुख शहरों को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी हब के रूप में विकसित करने के लिए योगदान प्रारंभ किया है। एआई व अन्य समकालीन तकनीकी विकास असीमित, अभूतपूर्व डवलपमेंटल एवं ट्रांसफरमेटिव संभावनाएं प्रदान करता है। आवश्यक है कि एआई प्रयोग के साथ उत्पन्न नैतिक दुविधाओं का निराकरण सबसे पहले हो। चाहे आटोमेशन के कारण उत्पन्न रोजगार की समस्या हो या आर्थिक असमानता की चौड़ी होती खाई या फिर एआई के परिणामों में आने वाले मानवीय पूर्वाग्रह, हमें हर समस्या के लिए रचनात्मक हल ढूंढना होगा। सुनिश्चित करना होगा कि एआई के साथ इमोशनल इंटेलिजेंस को भी महत्व दें। एआई साध्य नहीं, बल्कि साधन है। जिसका उद्देश्य मानव जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने में हो। हमारे प्रत्येक निर्णय से सबसे निचले पायदान पर खड़ा व्यक्ति भी लाभान्वित हो।

आप उत्कृष्टता व सर्वश्रेष्ठता के ऐसे आयाम स्थापित करें, जो स्वयं में मापदंड हों

राष्ट्रपति ने कहा कि आईआईआईटी लखनऊ को संसद के अधिनियम द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ नेशनल इंपार्टेंस का दर्जा दिया गया है। यह योग्यता, सामर्थ्य व दक्षता का परिचायक है। देश और समाज आशा करता है कि आप शिक्षा के क्षेत्र में न केवल सर्वोच्च मानकों पर खरे उतरेंगे, बल्कि उत्कृष्टता व सर्वश्रेष्ठता के ऐसे आयाम स्थापित करेंगे, जो स्वयं में मापदंड होंगे। इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी व बिजनेस जैसे विषयों में आईआईआईटी द्वारा प्रदान की जाने वाले शिक्षा, शिक्षा प्रदान करने वाले शिक्षक व शिक्षा ग्रहण करने वाले सभी विद्यार्थी शैक्षणिक जगत के शीर्षतम पायदान पर खड़े हैं।

सम्पादकीय

मानवतावादी दृष्टिकोण बदलने की अनूठी

दुनिया की लगभग 85 प्रतिशत जीडीपी और 75 फीसदी ग्लोबल ट्रेड जी-20 देशों के पास है। विश्व की दो तिहाई आबादी भी जी-20 देशों में निवासरत है। भारत के पास नवम्बर 2023 तक इस समूह की अध्यक्षता रहने वाली है और इस दौरान भारत लगातार दुनिया को विभिन्न वैश्विक चुनौतियों से बाहर निकलने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

किसी भी राष्ट्र का उत्थान वहां पर निवासरत लोगों के सामाजिक और आर्थिक विकास से सम्भव है। एक राष्ट्र के बहुआयामी विकास में शिक्षा महती निभाती है। यही वजह है कि जिन देशों की शिक्षा व्यवस्था समृद्ध है, वो देश वैश्विक फ़लक पर अधिक समृद्ध और संपन्न हैं।विगत कुछ वर्षों में भारत ने भी तरक्क़ी के नित नए आयाम स्थापित किए हैं, जिसकी परिणीति यह हुई है कि भारत की पहचान वैश्विक परिदृश्य पर एक मज़बूत और शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभरी है।आज़ादी के अमृतकाल के दौरान भारत को जी-20 का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलना अपने आप में एक सुखद आश्चर्य की अनुभूति करने वाला विषय रहा। जी-20, दुनिया के 20 बड़े देशों का एक अंतर-सरकारी मंच है, जो दुनिया के बड़े भूभाग का प्रतिनिधित्व करता है। दुनिया की लगभग 85 प्रतिशत जीडीपी और 75 फीसदी ग्लोबल ट्रेड जी-20 देशों के पास है। विश्व की दो तिहाई आबादी भी जी-20 देशों में निवासरत है। भारत के पास नवम्बर 2023 तक इस समूह की अध्यक्षता रहने वाली है और इस दौरान भारत लगातार दुनिया को विभिन्न वैश्विक चुनौतियों से बाहर निकलने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

भारत और जी20 सम्मेलन

भारत, लोकतंत्र की जननी है और 'वसुधैव कुटुम्बकम' की जिस अवधारणा को हम सदियों से आत्मसात करके आगे बढ़ रहे हैं। उसी को केंद्र में रखते हुए जी-20 की थीम %एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य% रखा गया है। वर्तमान समय में दुनिया तमाम तरह के संकटों के दौर से गुजर रही है। जलवायु परिवर्तन, विभिन्न देशों में गृह युद्ध की स्थितियों का निर्मित होना और कमज़ोर होती वैश्विक अर्थव्यवस्था इसी का हिस्सा है। शिक्षा का क्षेत्र भी एक तरह के संक्रमण काल से जूझ रहा है। जिसकी वजह से सतत विकास के लक्ष्यों को अर्जित करने में हम पिछड़ रहे हैं। आज दुनिया के सामने भुखमरी एक बड़ी समस्या हो सकती है तो दूसरी तरफ शिक्षा से वंचित बच्चों के आंकड़े हमें शिक्षण नीतियों में बड़े फेरबदल की दिशा में इशारा कर रहे हैं। एक अनुमान के अनुसार दुनिया के 260 मिलियन बच्चें स्कूल का मुँह नहीं देख पाते हैं। ऐसे में जरा सोचिए कैसे सतत विकास लक्ष्यों की पूर्ति हो पाएगी? शिक्षा ही है, जो किसी देश के मानव संसाधन को कुशल और उपगोगी बनाती है। ऐसे में जी-20 देशों के साथ मिलकर वैश्विक स्तर पर कैसे बेहतर, न्यायसंगत, प्रासंगिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर सृजित हो सके। इस दिशा में पहल की जा रही है। भारत के नेतृत्व में जी-20 समूह के देश एक एजुकेशन वर्किंग ग्रुप के तहत काम कर रहें हैं, जिसका उद्देश्य बुनियादी साक्षरता और प्रौद्योगिकी के जरिए पठन-पाठन का माकूल वातावरण तैयार करना है। गौरतलब हो कि इसके लिए जी-20 शिक्षा कार्य समूह (एजुकेशन वर्किंग ग्रुप) की स्थापना साल 2018 में अर्जेंटीना की अध्यक्षता में की गई थी। एक मेजबान राष्ट्र के रूप में भारत, पिछली अध्यक्षताओं के तहत शिक्षा के क्षेत्र की समस्याओं के समाधान एवं शिक्षा से संबंधित ऐसे विचार-विमर्शों को आगे बढ़ाने का प्रस्ताव लगातार कर रहा है जोकि शिक्षा की पूर्ण परिवर्तनकारी क्षमता को साकार होने से रोक रही हैं। इस भावना के अनुरूप कई ऐसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की गई है। जिससे शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सके। जी-20 के माध्यम से भारत ने दुनिया के सामने शिक्षा का एक नया खाका प्रस्तुत किया है। जो कहीं न कहीं विश्व की सभी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए लाभकारी है। भारत ने अपनी मेजबानी में शिक्षा कार्य समूह के सामने चार चरणों की एक रूप-रेखा पेश की है। जिसका पहला चरण बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान से सम्बंधित है। इसके दूसरे चरण में तकनीक की मदद से शिक्षा की पहुंच को बढ़ावा देना, तीसरे चरण में भविष्य की जरूरत और कौशल विकास को ध्यान में रखना और चौथे और आखिरी चरण में शोध को बढ़ावा देना और साझेदारी सम्मिलित है। साधारण सी बात है कि अगर दुनिया की 85 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व रखने वाले इन देशों की शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन आगामी भविष्य में दृष्टिगोचर हो जाते हैं, तो वैश्विक परिदृश्य व्यापक स्तर पर बदल जाएगा। पर्यावरण के प्रति लोगों की सोच में बदलाव आ जाएगा।

विश्व बंधुत्व और 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना

विश्व बंधुत्व और 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना प्रगाढ़ होती परिलक्षित होगी और सबसे महत्वपूर्ण बात जो निकलकर आएगी वो ये होगी कि दुनिया के सामने एक ऐसा वैश्विक मॉडल उभरकर सामने आएगा, जहां दूसरी या तीसरी दुनिया जैसे शब्दों के लिए कोई स्थान शेष नहीं होगा। इतना ही नहीं, दुनिया इस तथ्य से भलीभांति अवगत है कि भारतीय ज्ञान परंपरा की समृद्ध विरासत रही है और निः संदेह भारत की यही विरासत पुनः दुनिया के सामने भारतीयता का गौरव-गान कर रही है और हमारा देश 'वसुधैव कुटुम्बकम' के प्रस्तोता के रूप में उभरकर सामने आ रहा है।

भारत की अध्यक्षता में शिक्षा कार्य समूह (एजुकेशन वर्किंग ग्रुप) के अधिदेश में शिक्षार्थियों के सामने आने वाली बाधाओं को पहचानना और समझना शामिल है। इसके अलावा पिछले कुछ वर्षों में हासिल की गई ताकतों को आगे बढ़ाने में मदद करना, विशेषकर शिक्षा में प्रौद्योगिकी के उपयोग और शिक्षण के तरीकों, पाठ्यक्रम, सामग्री, मूल्यांकन और शिक्षाशास्त्र पर महत्वपूर्ण प्रतिबिंब को सक्षम बनाने के लिए बेहतर प्रयास कर सीखने के परिणामों को सुनिश्चित करना और 21 वीं सदी में आवश्यक कौशल, दक्षताओं, मूल्यों और दृष्टिकोण के लिए शिक्षा को अधिक प्रासंगिक बनाना है। साथ ही शिक्षा कैसे मानव कल्याण के काम आ सके। इसके लिए प्रयास किए जाने हैं। जी- 20 ने हरित अर्थव्यवस्था में सतत परिवर्तन का नेतृत्व करने के लिए उल्लेखनीय प्रतिबद्धता को भी व्यक्त किया है। दुनिया ने कई बार वैश्विक मंचों से देखा और सुना है कि हमारे देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कितने संजीदा हैं। ऐसे में जलवायु परिवर्तन से निपटने में भी दुनिया को राह दिखाने का काम आगामी समय में भारत के नेतृत्व में जी-20 समूह करेगा। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनिया गुटेरेस की मानें तो दुनिया का 80 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन जी-20 के देश करते हैं। ऐसे में 'लाइफ़ मिशन' इस क्षेत्र में कारगर साबित हो सकता है। लाइफ मिशन को कैसे सफ़ल बनाना है? इसके बारे में हमारा देश काफी सज़ग है और दुनिया को इस मामले में शिक्षित करने का माद्दा भारत रखता है। जी-20 के माध्यम से, भारत का लक्ष्य कार्य और समाज के भविष्य के संदर्भ में मूलभूत शिक्षा, आजीवन कौशल अधिग्रहण और उच्च शिक्षा की भूमिका पर विशेष जोर देने के साथ स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई को उत्प्रेरित करना है और जी- 20 शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता लेते हुए भारत का लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल में अंतर को पाटने के लिए जी-20 देशों के साथ मिलकर काम करना है। जिस दिशा में लगातार प्रयास जारी है। जी-20 शिखर सम्मेलन की थीम, 'वसुधैव कुटुंबकम' या एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य, भारत की प्राचीन मान्यता से मेल खाती है। चाहें हम कोरोना काल की बात करें या जलवायु परिवर्तन से निपटने की भारत की प्रतिबद्धता की। भारत लगातार वैश्विक समस्याओं के निराकरण और वंचित लक्ष्यों की प्राप्ति में विशेष योगदान दे रहा है।

कुदरत के कारखाने में कितनी घड़ियां बनती हैं!

अभी स्पेनिश एथलीट बेट्रिज फ्लेमिनी जमीन के अंदर एक गुफा में 500 दिन बिता कर बाहर निकलीं। 1962 में मिशेल सिफर जमीन के नीचे 58 दिन बिताकर निकले थे, पर उन्हें लगा था कि सिर्फ 33 दिन हुए हैं। क्या हमारी देह की घड़ी, अकेली घड़ी है या कुदरत ने कई और घड़ियां तैयार की हैं?

समय एक रहस्य है, जो खुद पर से उतना ही पर्दा उठाता है कि लोगों में उसे समझने की जिज्ञासा बनी रहे। समय का यह आंशिक रहस्योद्घाटन अभी कुछ महीने पहले हुआ, जब स्पेन की एक एथलीट बेट्रिज फ्लेमिनी जमीन के अंदर एक गुफा में 500 दिन बिताकर बाहर निकलीं। जमीन के नीचे इतना वक्त शायद ही आज तक किसी ने गुजारा हो। फ्लेमिनी बताती हैं कि 65वां दिन आते-आते, उन्हें समय का कोई अंदाजा नहीं रह गया था। लेकिन क्या वह यकीनी तौर पर कह सकती हैं कि वह 65वां ही दिन था? इससे पहले 1962 में फ्रांस के मिशेल सिफर के साथ भी ऐसा ही कुछ हुआ था, जब उन्हें लगा कि वह 33 दिनों तक जमीन से काफी गहराई में रहे, जबकि असल में, वह 58 दिन बाद बाहर निकले थे। एक नितांत अकेला शख्स वक्त को कैसे भांप सकता है, खासकर जिस दुनिया से वह घिरा रहता है, जब उससे कटा हुआ हो? एकबारगी तो यही लगता है कि इसमें दिक्कत नहीं आनी चाहिए, क्योंकि जैविक लय, जिसे कि जीवन का केंद्र भी माना जाता है, शरीर के रोम- रोम को संकेत देती रहती है। यह न केवल हमारे जागने- सोने के चक्र को, बल्कि, शरीर के ताप, हार्मोन, हृदय की धड़कनों इत्यादि सभी पर काबू रखती है। और, यह जो लय होती है, वह कई तरह से असर दिखाती है। मिसाल के लिए, अस्थमा रात में ज्यादा गंभीर होता है, जबकि हृदय से जुड़ी दिक्कतें अल-सुबह ज्यादा सामने आती हैं। शिफ्ट में जो लोग काम करते हैं, वे भी अपने परिवेश से अलग हो जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक उनमें कैंसर का खतरा ज्यादा होता है। यह जैविक लय हमारे संपर्क में आने वाली दूसरी प्रजातियों से भी प्रभावित होती है।

जीन बनाते हैं जैविक घड़ी

पृथ्वी, चंद्रमा व सूर्य के घूमने से एक पर्यावरणीय चक्र पैदा होता है, जो जैविक घड़ियों की चाल को प्रभावित करता है। यह जैविक घड़ी हर मनुष्य समेत सभी प्राणियों के भीतर होती है। और, जब पर्यावरण से कोई संकेत न मिल रहा हो, तब यह जैविक घड़ी अपनी तरह से काम करती है। रात और दिन के बदलावों से शरीर में सर्केडियन रिदम का एक चक्र चलता है, जो हमारे शरीर में होने वाले मानसिक, व्यवहारिक और शारीरिक परिवर्तनों को प्रभावित करता है। प्रकाश और अंधेरे की प्रतिक्रिया के रूप में यह रिदम चौबीस घंटे का चक्र चलाती है। जैसे सामान्य घड़ियां सेल से चलती हैं, यह सर्केडियन घड़ी शरीर के भीतर जीनों के बीच जो संवाद चलता है, उससे चलती हैं। जीनों के बीच संवाद शरीर की कोशिकाओं में दोलन पैदा करता है, और इस दोलन से सर्केडियन घड़ी को ऊर्जा मिलती है। सर्कैडियन क्लॉक अपने संकेतों को उस अंधेरे और प्रकाश से समझती है, जिसके संपर्क में हम आते हैं। हमारे शरीर की सर्कैडियन घड़ी हार्मोन के स्तर और शरीर के तापमान को नियंत्रित करके हमारे शरीर की अन्य घड़ियों के साथ सहयोग करती है। ऐसी कोई एकल सर्वव्यापी सर्केडियन घड़ी नहीं है, जो पूरे जीवन का व्यवस्थित करती हो, क्योंकि घड़ी के जीन विभिन्न प्रजातियों में अलग-अलग होते हैं। लेकिन बुनियादी सिद्धांत समान ही रहता है कि जीन दोलन के जरिये खुद को अभिव्यक्त करते हैं। इस संबंध में अब किए गए सभी जैविक अध्ययनों में यह बात सच साबित हुई है। मनुष्य, पशु, पक्षी, पौधे, कवक और यहां तक कि प्रकाश संश्लेषण से ऊर्जा प्राप्त करने वाले सायनो जीवाणु में भी यही चक्र मिलता है। जीवों और उनके पर्यावरण के साथ संबंधों का अध्ययन मुख्यतः प्रकाश, भोजन और तापमान को आधार बनाकर किया जाता है। सर्केडियन घड़ी को जेट लैग के उदाहरण से समझा जा सकता है। लंबी हवाई यात्रा के बाद हम पर रहने वाले उसके असर को जेट लैग कहते हैं। यह किसी व्यक्ति की आंतरिक लय के उस समय-क्षेत्र से विचलन को दर्शाता है, जिसमें वह इस वक्त है। अमूमन पर्यावरणीय संकेतों को समझने का सबसे कारगर जरिया प्रकाश को माना जाता है। दिन का प्रकाश जैविक घड़ी पर कोई असर नहीं डालता। लेकिन सूर्योदय के ठीक पहले का अंधेरा इसे आगे बढ़ाता है। होमो सेपियंस की आंतरिक सर्केडियन घड़ी 24.2 घंटों में एक चक्कर पूरा करती है। इसीलिए हमें पूर्व के छोटे दिनों की तुलना में पश्चिम के बड़े दिनों के साथ तालमेल बैठाना आसान लगता है। कई एथलीट और शोधकर्ता खुद को सबसे अलग-थलग करते हुए कुछ दिनों के लिए जमीन के नीचे गहराई में रखते हैं। इससे वह, सतह पर चल रहे समय चक्र से खुद को अलग कर लेते हैं। यही वजह है कि, जमीन के नीचे उन्हें सतह की तुलना में कम दिन अनुभव होते हैं।

दूसरे समय, दूसरी घड़ियां

सर्केडियन घड़ी प्रकृति में मौजूद एकमात्र घड़ी नहीं होती। कई जैविक प्रक्रियाएं मौसमी होती हैं। मिसाल के लिए, कई पक्षियों व कीड़ों का अप्रवासन, कई पशुओं की शीत निद्रा व प्रजनन का तरीका इत्यादि। ये जैविक घड़ियां कई कारकों से निर्धारित होती हैं और चक्रीय क्रम में काम करती हैं। लेकिन, इन घड़ियों की प्रक्रियाएं अभी पूरी तरह समझी नहीं जा सकी हैं। समुद्री प्रजातियों में ये जैविक घड़ियां कैसे काम करती हैं, इस पर भी फिलहाल निश्चित तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता। इसकी वजह यह है कि समुद्र के तापमान का जो पैटर्न होता है, वह काफी जटिल होता है। समुद्री जीव दिन और रात के सौर चक्र के सीधे संपर्क में आते हैं। ज्वार-भाटे की स्थितियां भी समुद्री पर्यावरण को प्रभावित करती हैं। समुद्री चक्रों से जुड़ी जैविक लय को विभिन्न समुद्री प्रजातियों में देखा जा सकता है। मिसाल के लिए, कई मूंगों में प्रजनन का एक पैटर्न होता है। ये साल में केवल एक बार बहुत कम समय के लिए अंडे देते हैं। कुछ समुद्री जीव रात के सबसे अंधेरे समय में प्रजनन शुरू करने के लिए झुंडों में निकलते हैं। वर्ष 2020 में वैज्ञानिकों ने एक दिलचस्प खुलासा किया कि जैविक लय केवल समुद्र के ऊपरी हिस्सों तक सीमित नहीं है। वैज्ञानिकों ने समुद्र में 1,700 मीटर की गहराई के चरम वातावरण में पाए जाने वाले जीवों में प्रकृति से तालमेल बैठाने का पैटर्न दिखा है। इन तमाम घड़ियों की खोज अब भी जारी है। जितना हम जानते जाएंगे, शायद यह रहस्य और चुंबकीय होता जाएगा।

मायावती ने भतीजे आकाश के नाजुक कंधों पर क्यों डाल दिया हाथी का भार?

लोकसभा चुनाव से पहले 12 जनवरी 2019 को बसपा ने पुराने गिले शिकवे भुलाकर सपा के साथ गठबंधन किया। दोनों पार्टियां गेस्ट हाउस कांड के 26 साल बाद साथ आई थीं। लेकिन, रिजल्ट अच्छे नहीं रहे। गठबंधन की बदौलत मायावती को सिर्फ 10 सीट ही मिल पाई। आकाश आनंद बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती के भतीजे हैं। बसपा प्रमुख ने आकाश को अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी घोषित किया है। अपनी स्थापना के 39 वर्ष की यात्रा में बसपा राजनीतिक हैसियत के हिसाब से काफी बुरे दौर से गुजर रही है। आकाश आनंद बसपा सुप्रीमो के छोटे भाई आनंद कुमार के बेटे हैं। आकाश ने लंदन से मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की पढ़ाई की है। परिवारवाद के खिलाफ हमेशा बात करने वाली मायावती ने कभी अपने भाई आनंद कुमार को तरजीह नहीं दी। लेकिन, विरासत की राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद को आगे किया। बसपा प्रमुख 2017 में सहारनपुर की हुई रैली में आकाश आनंद को अपने साथ मंच पर लाई थीं। इसे आकाश आनंद की पॉलिटिकल लॉन्चिंग मंच भी कहा जाता है। इसके बाद से ही उन्हें मायावती के उत्तराधिकारी के तौर पर देखा जाने लगा। अब आकाश को राजनीतिक उत्तराधिकारी घोषित करके 28 वर्ष के आकाश के नाजुक कंधों पर हाथी जितना भारी वजन रख दिया है।

बसपा से जुड़ने के बाद आकाश आनंद वर्ष 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान पार्टी के स्टार प्रचारकों में शामिल रहे हैं। हालिया पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान आकाश को राष्ट्रीय को-ऑर्डिनेटर बनाने के बाद पहली बार चुनावों में पार्टी ने इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी थी। मायावती ने भी सभी राज्यों में रैलियां कीं। कोशिश यह थी कि अगर यहां बेहतर प्रदर्शन होता है तो इसका श्रेय आकाश को ही जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हालिया पांच राज्यों के चुनाव में भी मिजोरम में तो बसपा ने चुनाव नहीं लड़ा। मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में पार्टी चुनाव मैदान में उतरी। पिछले चुनाव के मुकाबले चारों राज्यों में बसपा की सीटें और वोट प्रतिशत दोनों घटे हैं। राजस्थान और एमपी के शुरुआती रुझानों में बसपा कुछ सीटों पर टक्कर देती दिखी, लेकिन राजस्थान को छोड़कर कहीं खाता नहीं खोल सकी। राजस्थान में उसे दो सीटों पर जीत मिली है। बसपा ने लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने का ऐलान किया है। इससे पहले पार्टी ने मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में पूरा जोर लगाया। पार्टी की मंशा यह थी कि इन राज्यों में अगर पहले जैसा या उससे बेहतर प्रदर्शन करती है तो इसका फायदा लोकसभा चुनाव में मिलेगा। भविष्य में चुनाव बाद गठबंधन बनता है तो उसमें भी वह जोड़-तोड़ की स्थिति में आ सकती है। नतीजों ने इन उम्मीदों पर पानी फेर दिया। दो राज्यों- छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में गठबंधन के साथ चुनाव लड़ा। राजस्थान और तेलंगाना में सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारे, लेकिन पार्टी कोई करिश्मा नहीं कर सकी। बसपा संस्थापक कांशीराम ने अस्सी के दशक में दलित समुदाय के बीच ऐसी राजनीतिक चेतना जगाई कि यूपी में बसपा की 4 बार सरकार बनी और मायावती मुख्यमंत्री रहीं। यूपी से सटे बिहार, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, पंजाब, छत्तीसगढ़ में भी बसपा अपनी जड़ें जमाने में सफल रही थी। भले ही यूपी की तरह देश के दूसरे राज्यों में बसपा की सरकार न बनी हो, लेकिन विधायक और सांसद जीतते रहे हैं। दरअसल, कांशीराम के निधन के बाद से दलित और पिछड़ी जातियों का बसपा से लगातार मोहभंग होता चला गया। मायावती के हाथों में बसपा की कमान आने के बाद पार्टी ने 2007 में यूपी में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई। लेकिन जातीय क्षत्रपों के धीरे-धीरे बसपा से निकलने और निकाले जाने के बाद पार्टी कमजोर होती चली गई। देश के सबसे बड़े राज्य यूपी में बसपा का ग्राफ चुनाव-दर-चुनाव गिर रहा है। यूपी में बीएसपी को 2017 में 19 सीटें मिली थीं और तब उनका वोट प्रतिशत 22.20 था। साल 2012 में बीएसपी को 80 सीटें और 25.90 फीसदी वोट मिले। जबकि, 2007 में 206 सीटों के साथ 30.40 फीसदी वोट हासिल हुए और 2002 में 98 सीटें और 23.10 फीसदी वोट मिले थे। लेकिन 2022 के चुनाव में बीएसपी को सिर्फ एक सीट नसीब हुई और पार्टी को 13 फीसदी से भी कम वोट मिले हैं। जबकि, 1996 से लेकर आज तक बीएसपी को यूपी के किसी भी विधानसभा चुनाव में 19 फीसदी से कम वोट नहीं मिले थे। लोकसभा चुनाव से पहले 12 जनवरी 2019 को बसपा ने पुराने गिले शिकवे भुलाकर सपा के साथ गठबंधन किया। दोनों पार्टियां गेस्ट हाउस कांड के 26 साल बाद साथ आई थीं। लेकिन, रिजल्ट अच्छे नहीं रहे। गठबंधन की बदौलत मायावती को सिर्फ 10 सीट ही मिल पाई। हालांकि, 2014 में शून्य पर सिमटी बसपा के लिए यह संजीवनी की तरह ही रहा। मायावती ने 2019 के लोकसभा चुनावों के बाद जब समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन तोड़ने की घोषणा की थी और पार्टी संगठन में बड़े स्तर पर फेरबदल हुआ था, तो आकाश को राष्ट्रीय समन्वयक बनाया गया था। 2022 में हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए बसपा के स्टार प्रचारकों की सूची में आकाश का नाम मायावती के बाद दूसरे स्थान पर था। उन्हें विभिन्न राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी कैडर को तैयार करने का काम भी सौंपा गया है। मायावती के पास शुरू से ही दलित और मुस्लिम वोटबैंक का गठजोड़ रहा है। लेकिन अब उसका कोर वोट उनसे छिटक रहा है। यूपी में बसपा के कमजोर होने के चलते दलित समुदाय बीजेपी के साथ जुड़ा हुआ है। दिल्ली में एक समय बसपा तीसरी ताकत के तौर पर उभरी थी, लेकिन अब पूरी तरह से खत्म हो चुकी है। दलित दिल्ली में आम आदमी पार्टी के साथ चले गये। उत्तराखंड और हरियाणा में उसका एक भी विधायक नहीं है। पंजाब में लंबे समय बाद उसका एक विधायक बना है। कर्नाटक में बसपा का 2018 में एक विधायक था, लेकिन 2023 के चुनाव में वो भी हार गया। बिहार में बसपा के टिकट पर जीते इकलौते विधायक ने जेडीयू का दामन थाम रखा है। कर्नाटक और तेलंगाना में मुस्लिम वोटरों ने कांग्रेस का साथ देकर सरकार बनवाई है।

राजनीतिक गलियारों में प्रायः मायावती की सक्रियता को लेकर प्रश्न उठते रहे हैं। अब वे पहले की तरह चुनावी सभाओं में मौजूदगी नहीं दिखा पाती हैं। जानकारी के मुताबिक, 2022 में यूपी चुनाव के दौरान जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 रैलियां और रोड शो किए, तो वहीं मायावती सिर्फ 18 बार रैली करती हुई दिखाई पड़ीं। जबकि प्रियंका गांधी ने 209, सीएम योगी ने 203 और अखिलेश यादव ने 131 रैलियां और रोड शो किए। यहां तक कि पूरे चुनाव के दौरान मायावती सिर्फ 1 बार मीडिया के सवालों का जवाब देती हुई नजर आईं। ऐसे में आकाश आनंद जैसे युवा चेहरे के पीछे खड़े होकर मायावती एक बार फिर बसपा को दलित वोटरों को अपने पाले में लाने की कोशिश करती दिखाई देती हैं। फिलहाल, आकाश उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को छोड़कर अन्य राज्यों में बहुजन समाज पार्टी का कामकाज देखेंगे। इन दोनों राज्यों में फिलहाल मायावती ही पार्टी के लिए निर्णय लेंगी। हालिया विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी के समानांतर हिंदी पट्टी में चंद्रशेखर रावण ने युवा दलित नेता के तौर पर स्थापित होने का प्रयास किया था। चंद्रशेखर की आजाद समाज पार्टी को चुनाव नतीजों से भारी निराशा हाथ लगी है। मायावती ने मौके की नजाकत को भांपते हुए अपने भतीजे आकाश आनंद के रूप में अपने सबसे मजबूत सिपाही को आगे बढ़ाते हुए युवा दलित नेता के खाली स्थान को भरने का काम किया है। पार्टी में महत्त्वपूर्ण भूमिका में आने के बाद अब देखना यह होगा कि आकाश अगले लोकसभा चुनाव में पार्टी के लिए कितना कमाल कर पाते हैं। चूंकि अभी लोकसभा चुनाव लगभग पांच महीने दूर हैं। इस अवधि में आकाश के सामने संगठन को मजबूत करने और चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करने की जिम्मेदारी होगी। आकाश बसपा के ग्राफ को कितना ऊंचा उठा पाते हैं, इस पर सबकी निगाहें रहेंगी।

अवसादग्रस्त लोगों को दिखानी होगी सही राह

प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2023 की थीम है 'क्रिएटिंग होप थ्रू एक्शन'। इस थीम का उद्देश्य अपने काम के जरिये लोगों के बीच उम्मीद पैदा करना है। दुनियाभर में तेजी से बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 10 सितम्बर को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत 'इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशन' (आईएएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन एक पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जो इस बात को फैलाने में मदद करने के लिए पहना जाता है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में बोलने से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के व्यवहार पर शोध करना, जागरुकता फैलाना और डेटा एकत्रित करना है। दरअसल डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में हर 40 सैकेंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है। प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2023 की थीम है 'क्रिएटिंग होप थ्रू एक्शन'। इस थीम का उद्देश्य अपने काम के जरिये लोगों के बीच उम्मीद पैदा करना है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। लोगों में जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। कोरोना काल में लोगों में हताशा और निराशा ज्यादा बढ़ी है, जिससे आत्महत्याओं का प्रतिशत भी लगातार बढ़ रहा है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है।

हालांकि बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 2021 में भारत में आत्महत्या के मामलों को लेकर 'भारत में आकस्मिक मौतें एवं आत्महत्याएं-2021' रिपोर्ट जारी की थी, जिसके मुताबिक 2021 में देश में 164033 लोगों ने आत्महत्या की। एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। इस रिपोर्ट से साफ है कि कोरोना के कारण आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव, पारिवारिक क्लेश, रिश्तों में टूटन तथा बीमारी से परेशानी सहित कई अन्य कारणों के चलते देश में 2021 में आत्महत्याएं 2020 के मुकाबले करीब 7.2 फीसदी बढ़ गई। 2020 में आत्महत्या के मामलों की संख्या 153052 दर्ज हुई थी। मनोचिकित्सकों के मुताबिक इंसान को कोरोना ने शारीरिक रूप से जितना बीमार किया, उससे कहीं ज्यादा मानसिक तनाव दिया है। छात्र अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में हैं। किसी को कैरियर या नौकरी की चिंता सता रही है तो कोई वित्तीय संकट से जूझ रहा है। तनाव के दौर में निजी रिश्तों में भी खटास बढ़ी है और आमजन में नकारात्मक विचारों का बढ़ता प्रवाह तथा उपरोक्त चिंताएं कई बार अवसाद का रूप ले लेती हैं, जिसके चलते कुछ लोग परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का खतरनाक रास्ता चुन लेते हैं। जब कोई व्यक्ति ज्यादा बुरी मानसिक स्थिति से गुजरता है तो एकाएक अवसाद में चला जाता है और इसी अवसाद के कारण ऐसे कुछ लोग आत्महत्या कर लेते हैं, जिसका उनके परिवार के साथ-साथ समाज पर भी बहुत नकारात्मक असर पड़ता है। विशेषज्ञों के मुताबिक अवसाद और तनाव के कारण ही लोगों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ रही है और जब व्यक्ति को परेशानियों से बाहर निकलने का कोई मार्ग नजर आता, ऐसे में वह आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठता है। हालांकि जिन लोगों का मनोबल मजबूत होता है, वे प्रायः विकट परिस्थितियों से उबर भी जाते हैं लेकिन अवसाद के शिकार कुछ लोग विषम परिस्थितियों से लड़ने के बजाय हालात के समक्ष घुटने टेक स्वयं को मौत के हवाले कर देते हैं। मनोचिकित्सकों के अनुसार आत्महत्या करना काफी गंभीर समस्या है और आत्महत्या करने के पीछे अधिकांशतः अवसाद को ही जिम्मेदार ठराया जाता है, जो ऐसे करीब 90 फीसदी मामलों का प्रमुख कारण भी है लेकिन सभी आत्महत्याओं के लिए अवसाद को ही पूरी तरह जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उनके मुताबिक आत्महत्या करने का विचार किसी इंसान के अंदर तब पनपता है, जब वह किसी मुश्किल से बाहर नहीं निकल पाता। मनुष्य जीवन को संसार में सबसे अनमोल माना गया है क्योंकि हमारा यह जीवन एकमात्र ऐसी चीज है, जिसे हम दोबारा नहीं पा सकते। बहरहाल, यदि कभी जरूरत से ज्यादा तनाव अथवा किसी मानसिक बीमारी का अहसास हो तो तुरंत किसी मनोचिकित्सक से मिलकर अपनी परेशानियों के बारे में खुलकर बात करें। केन्द्र सरकार द्वारा अगस्त 2020 में एक मेंटल हैल्थ रिहैबिलिटेशन हेल्पलाइन (किरण हेल्पलाइन) नंबर भी जारी किया गया था, जिस पर कॉल करके ऐसी स्थिति में मदद या काउंसलिंग की मांग की जा सकती है। इसके अलावा भी कई सुसाइड हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग आत्महत्या की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए किया जा सकता है। लोगों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता फैलाकर भी आत्महत्या जैसे मामलों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। किसी भी व्यक्ति के मन में आत्महत्या का विचार आए ही नहीं, ऐसा वातावरण तैयार करना परिवार के साथ-साथ समाज की भी बड़ी जिम्मेदारी है।

भू माफिया के विरुद्ध किसान मंच का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

सीतापुर! खगेशियामऊ जी टी रोड से जुड़ी उत्तर तरफ गाटा संख्या 114 रकबा लगभग तीन बीघा जमीन से जुड़ा पीछे का रकबा अपूर्व अग्रवाल उर्फ कालू पुत्र राज कुमार अग्रवाल उर्फ राजू भाजपा नेता ने खरीदकर रोड से सटी उपरोक्त गाटा संख्या पर अवैध कब्जा कर रखा है!किसान मंच द्वारा इस प्रकरण में जिला प्रशासन से कई बार ज्ञापन के माध्यम से लिखित शिकायत की गई परंतु सत्ता पक्ष पदाधिकारी होने के कारण प्रशासन द्वारा शिकायत पर कोई अमल नहीं किया गया!किसान मंच राष्ट्रीय सचिव/प्रदेश प्रभारी शिव प्रकाश सिंह ने कहा कि भाजपा पदाधिकारी बनकर अपने निजी स्वार्थ में व्यस्त राजकुमार अग्रवाल द्वारा खैराबाद हाइवे पर की जा रही प्लाटिंग भू भाग पर सरकारी धन का दुरूपयोग कर रास्तों का अवैध निर्माण कराया गया है!जिसकी जांच होनी चाहिए! महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष अल्पना सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा अविलंब इस प्रकरण में ठोस एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करनी होगी,अन्यथा की स्थिति में किसान मंच आंदोलन को और तेज करेगा! धरना स्थल पर जिला अध्यक्ष विजय राज,युवा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष दिव्य सिंह,मंडल उपाध्यक्ष मुनेश्वर सिंह, मंडल उपाध्यक्ष मो0नफीस,शनि गौतम जिला उपाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ, आयुष भारती, धीरेन्द्र यादव, प्रियांशु मिश्रा, कुलदीप शुक्ल,अनुज कुमार,अमान अंसारी,शनि गौतम, धीरेन्द्र यादव,अजय भार्गव,आयुष भारती, शिवम् सिंह,राजन अवस्थी, मोहित,अयान सरफराज सहित क्षेत्रीय लोग उपस्थित थे!

हसनगंज कोतवाली क्षेत्र से दबंगों ने जबरन युवती को उठाया

15-20 दिनों से प्रेमिका अपने प्रेमी के साथ मुन्नी खेड़ा गांव में रह रही थी

- प्रेमी राम जी के भाई का कहना है युवती नहीं रहना चाहती तो ना रहे लेकिन युवती के परिजनों को उठा कर ले जाने की जरूरत क्या थी।
- युवती को किसी प्रकार की छति पहुंची तो उसके जिम्मेदार युवती के परिजन व साथ में उठाकर ले जाने वाले लोग होंगे।

द अचीवर टाइम्स - महेन्द्र कुमार

हसनगंज (उन्नाव)। हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के मुन्नी खेड़ा गांव में रह रही युवती को दबंगों ने घर से निकाल जबरन उठाकर चार पहिया वाहन में डालकर हुए फरार जो की अचलगंज थाना उन्नाव के रहने वाले हैं। मुन्नी खेड़ा निवासी धर्मपाल चंचल ने बताया कि मैं एक कथा वाचक हूं मेरा भाई कलाकार हैं जो की भागवत कथा वाचन कार्य करता हूं। कार्यक्रम के दौरान ऐंटा-बंथर उन्नाव गए थे जहां मेरे भाई रामजी से अचलगंज उन्नाव निवासी युवती का प्रेम-प्रसंग हो गया जो की युवती रामजी के साथ रहने को तैयार थी लेकिन परिजन इस पर मंजूर नहीं थे कई बार युवती अपने घर से भाग कर अपने प्रेमी के पास आ गई थी । जिस पर दिनांक 29 नवम्बर 2023 को थाना अचलगंज पुलिस ने मामले को जानकारी करके युवती को राम जी के साथ भेज दिया था। लेकिन परिजनों को यह है प्रेम-प्रसंग न गवार गुजरा बीते बुधवार को चार पहिया गाड़ी से युवती को जबरन गाड़ी में डालकर भाग निकले जिसमें अमूल , विपिन , पिता रामकिशन , ड्राइवर समेत अन्य दर्जनों लोग युवती के लिए बनवाए गए जेवर अपने साथ लेकर भाग निकले लेकिन तीन महिलाएं किसी प्रकार छूट गई जिस पर डायल 112 पर फोन करके पुलिस को सूचना दी गई मौके पर पहुंची क्षेत्रीय पुलिस महिलाओं को लाई हसनगंज थाने ले जाते इस प्रकार घर में घुसकर लड़के पक्ष के भी दो लोगों को बिठाया मुन्नीलाल ने कहा यदि लड़की नहीं रहना चाहती तो ना रहे लेकिन उनके परिजनों को मंजूर नहीं है तो लड़की को उठा ले जाना लोगों के विरोध करने पर मार-पीट पर आमद हो जाना कहां का न्याय है न्याय की गुहार लगाते हुए हसनगंज कोतवाली को दिया लिखित शिकायती पत्र जिस पर हसनगंज कोतवाली प्रभारी राजेश्वर त्रिपाठी से जानकारी करने पर बताया मामला संज्ञान में आया है दूसरे पक्ष के लोगों को हसनगंज कोतवाली बुलाया है मामले की जानकारी करके उचित कार्रवाई की जाएगी।

बाइक सवारों को ट्रैक्टर ने मारी टक्कर

द अचीवर टाइम्स, निखिल मिश्रा / विकास सैनी

माल । उत्तर प्रदेश राजधानी लखनऊ इटौंजा थाना क्षेत्र के ग्राम मानपुर राजा निवासी अमित कुमार (25) अपनी भाभी सोनाली के साथ सोमवार शाम करीब साढ़े 4 बजे स्प्लेंडर बाइक से जरूरी कार्य से निकले थे,तभी वीरपुर, रायपुर के मध्य नहर के किनारे अनियंत्रित ट्रैक्टर ट्राली ने स्प्लेंडर बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, व बाइक सवारों को रौंदते हुए चला गया बाइक पर सवार देवर भाभी गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार त्रिपाठी ने घायलों को नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने अमित कुमार को मृत घोषित कर दिया,तो वहीं भाभी की हालत नाजुक बनी हुई है,ट्रामा सेंटर में इलाज चल रहा है। पुलिस ने मृतक का पंचनामा भर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।पुलिस ने ट्रैक्टर ट्राली व मोटर साईकिल को कब्जे में ले लिया।मृतक के भाई सुमित राजपूत ने बताया कि मेरे भाई अमित की शादी अभी डेढ़ वर्ष पहले हुई थी। वह आसपास गांवों के बाजारों में सब्जी बेचकर अपना और अपने परिवार का खर्च चलाता था।परिवार का पूरा भार उठाता था। जिसको भगवान ने हमसे छीन लिया। मृतक के परिवार में पत्नी सुमन है जिनका रो रो कर बुरा हाल है। इस संबंध में माल प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया गया।

एक नज़र

पंडित दीन दयाल पशु आरोग्य मेला का हुआ आयोजन

द अचीवर टाइम्स- नीरज शुक्ला

रामनगर बाराबंकी। तहसील क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत मड़ना में दीन दयाल पशु मेले का आयोजन किया गया। मेला का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में प्रवेश कुमार शुक्ला जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि एवम ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रणंजय सिंह द्वारा किया गया। जिसमें किसानों के लगभग डेढ़ सौ पशुओं को दवाइयां वितरित की गई। उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुरजीत कुमार सचान, फार्मासिस्ट प्रमोद कुमार, विजय कुमार सिंह,पशुधन प्रभार अधिकारी अरविंद कुमार पैरावेंट, विश्वनाथ प्रताप, संदीप कुमार,अशोक कुमार यादव,रामानंद यादव,कुलदीप यादव,मनोज अवस्थी ,कृष्ण कुमार यादव सहित सैकड़ों की संख्या में किसानों ने अपने जानवरों की देख रेख और चिकित्सीय सलाह द्वारा दवाइयां ली। पशु मेले में आए हुए किसानों ने सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की भूरि भूरि प्रशंशा की।

महादेवा महोत्सव में साधो बैंड ने मचाया धमाल

द अचीवर टाइम्स- नीरज शुक्ला

महादेवा बाराबंकी। सुप्रसिद्ध लोधेस्वर की नगरी महादेवा में महोत्सव के दूसरे दिन की शाम में साधो बैंड ने अपने संगीत से धमाल मचा दिया। साधो बैंड के कार्यक्रम में दर्शकों का जमावड़ा भी काफी रहा। नगरी हो अयोध्या सी,राम सियाराम,मंगल भवन अमंगल हारी जैसी भक्तिमय गानों की प्रस्तुति की। हमारे साथ श्री रघुनाथ, नगरी हो अयोध्या सी, और रामा रामा रटते जैसे सुंदर भजन साधो बैंड द्वारा गाया गया हैं, जो देश भर में प्रसिद्धि बटोर रहा हैं। अपने सुंदर कार्यक्रमों से देश व विदेश के लाखों लोगों का दिल जीता और मार्गदर्शन किया क्योंकि वे उनके संगीत से मंत्रमुग्ध थे। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अरुण सिंह उप जिलाधिकारी नागेंद्र पांडे पूर्व विधायक शरद अवस्थी नायब तहसीलदार शैलेश पांडे ब्लॉक प्रमुख सूरतगंज लकी सिंह सहित हजारों की संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

बिथरी ब्लॉक प्रमुख ब्रजेश कुमारी की मुश्किलें बढ़ीं, अविश्वास प्रस्ताव पर 27 दिसंबर को होगी बैठक

बरेली। बिथरी चैनपुर ब्लॉक प्रमुख के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को लेकर फिर से सियासी सरगर्मी शुरू हो गई है। विपक्ष की याचिका पर हाईकोर्ट ने विधि सम्मत तरीके से प्रक्रिया आगे बढ़ाने के आदेश दिए हैं। बरेली के क्षेत्र पंचायत बिथरी चैनपुर में ब्लॉक प्रमुख ब्रजेश कुमारी के खिलाफ अविश्वास का खतरा टला नहीं सका। हाईकोर्ट के आदेश पर अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के लिए विधिक प्रक्रिया आगे बढ़ गई है। अविश्सास पर चर्चा के लिए 27 दिसंबर को क्षेत्र पंचायत (बीडीसी) की बैठक होगी। तिथि घोषित होते ही ब्लाक प्रमुख और उनके राजनीतिक विरोधी आमने-सामने आ गए हैं। दोनों पक्ष क्षेत्र पंचायत सदस्यों को पटाने और जुटाने में लग गए हैं। ब्लॉक प्रमुख पद की सियासत सर्दी में गर्म हो गई है। बिथरी में 2021 में ब्रजेश कुमारी ब्लॉक प्रमुख चुनी गई थीं। उनके खिलाफ 25 अक्तूबर 2023 को 112 में 82 सदस्यों ने अविश्वास प्रस्ताव पर बैठक बुलाने का आग्रह जिलाधिकारी से किया था। जिलाधिकारी ने प्रस्ताव परीक्षण कराया तो नौ सदस्य सात दिसंबर को शपथ पत्र देकर अविश्वास प्रस्ताव से पीछे हट गए। डीएम ने प्रस्ताव खारिज कर दिया।

हाईकोर्ट ने दाखिल की थी याचिका

डीएम के इस आदेश के विरुद्ध दुर्विजय सिंह ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर दी। दुर्विजय सिंह ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से कहा कि नौ सदस्यों के पीछे हटने पर भी दो तिहाई से अधिक सदस्य अविश्वास के साथ हैं तो फिर अविश्वास के लिए बैठक क्यों नहीं बुलाई जा सकती है। हाईकोर्ट की बेंच ने दोनों पक्षों सुनने के बाद सात दिसंबर को विधिक तरीके से प्रक्रिया को बढ़ाने के आदेश दिए। डीएम ने आदेश के हाईकोर्ट के आदेश के क्रम में उप जिलाधिकारी सदर को पीठासीन अधिकारी नामित किया। वह 27 दिसंबर को सुबह 10.30 बजे बिथरी चैनपुर विकास खंड के सभागार में क्षेत्र पंचायत की बैठक करेंगे, जिसमें अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा होगी। बैठक के सभी क्षेत्र पंचायत सदस्यों को रजिस्ट्री भेजकर अवगत कराया गया है।

कोरम पूरा होने पर होगी अविश्वास चर्चा

अविश्वास के प्रस्ताव पर चर्चा के लिए सबसे पहले दो तिहाई सदस्यों की उपस्थिति जरूरी है। अगर कोरम पूरा नहीं होता है तो बैठक नहीं हो सकेगी लेकिन अगर बैठक होती है तो क्षेत्र पंचायत के सदन में मतदान भी हो सकता है। प्रशासन इसी हिसाब से तैयारी कर रहा है। मतपत्र से लेकर मतदाता सूची और जरूरी व्यवस्थाएं पंचास्थानि चुनावालय के सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी को निर्देश दिए गए हैं। अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान एहतियाती सुरक्षा इंतजाम भी रहेंगे ताकि विवाद की स्थिति में कोई टकराव न होने पाए।

रेड ब्रिगेड एमरेन फाउंडेशन द्वारा चलाया गया अभियान

द अचीवर टाइम्स ङ्क निखिल मिश्रा

लखनऊ । रेड ब्रिगेड लखनऊ और एमरेन फाउंडेशन ने लड़कियों को/महिलाओं को राजनीति से जुड़ने के लिए एक पहल की शुरुआत की है। लड़की निडर,करे वोट की फ़िक्र* नामक अभियान चला रही है। इसमें रेडब्रिगेड की टीम 12 दिसम्बर को दयानन्द इंटर कॉलेज-महानगर और अमीरुद्दौल इस्लामिआ इंटर कॉलेज-लालबाग़ पहुंचकर छात्राओं को वोट देने के लिए जागरूक किया। इसमें रेड ब्रिगेड टीम की सदस्य लक्ष्मी जी ने दयानन्द इंटर कॉलेज में छात्राओं को बेहतरीन तरह से एक वोट की महत्वता बताई, उन्होंने बच्चियों को समझाया की एक वोट देने से क्या कुछ हो सकता है। उन्होंने बताया की एक वोट से हम सही सरकार चुन सकते है और टीम सदस्य पूजा जी ने बच्चियों को आत्मरक्षा की ट्रेनिंग दी और बताया की आत्मरक्षा हमारे लिए कितनी जरुरी है। दयानन्द कन्या इंटर कॉलेज में मुख्य अतिथि के रूप में आई ह्यूमन राइट की लॉयर आशीमा ईज़ात ने छात्राओं को लडकियों को निडर होकर वोट देने का अधिकार÷ के बारे में बताया। वहीं अमीरुद्दौल इस्लामिआ इंटर कॉलेज में रेड ब्रिगेड टीम की संस्थापिका ऊषा जी पहुंची। जहाँ उन्होंने छात्राओं को वोट देने के जागरूक किया, साथ बच्चियों को आत्मरक्षा की ट्रेनिंग भी दी। अमीरुद्दौल इस्लामिआ इंटर कॉलेज में मुख्य अतिथि सोशल ऐक्टिविस्ट वीना राणा ने वोट देने के लिए छात्राओं को जागरूक किया। इस पूरे अभियान में रेड ब्रिगेड टीम के सदस्य अनुपमा, दीपक, खुशी, अहद, शिवम मौजूद रहे।

एसडीएम ने पत्रकार बंधुओं के साथ दीप प्रज्वलित कर किया कार्यक्रम का सुभारम्भ

द अचीवर टाइम्स, नीरज शुक्ला

रामनगर बाराबंकी। सुप्रसिद्ध लोधेश्वर महादेवा की पावन भूमि पर आज महादेवा महोत्सव के दूसरे दिन उप जिलाधिकारी रामनगर ने संयुक्त रूप से पत्रकार बंधुओं के साथ दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मनोहरी रंगारंग कार्यक्रम में लल्ला जी स्मारक कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टांडा की पूर्वा गुप्ता, माही मिश्रा, गरिमा मोहिनी, पलक सिंह, पल्लवी सिंह, तान्या ने मनोहरी प्रस्तुत देकर दर्शकों का मन मोह लिया। इसी स्कूल की छात्रा गरिमा सिंह ने गीत के माध्यम से,जीना है पापा तो शराब मत पीना, गीत सुनाकर दर्शकों में एक अच्छा संदेश दिया। कंपोजिट विद्यालय कुर्सी की बालिकाओं ने शिव तांडव पर अपनी मनोहारी प्रस्तुति देकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। महोत्सव में आए झूलो को झूलकर लोग आनंद ले रहे थे। महोत्सव में लगी प्रदर्शनी के स्टालों पर लोग जमकर खरीदारी भी कर रहे थे। सुरक्षा में लगे पुलिस के जवान भी महोत्सव का आनंद ले रहे थे।

दोषी पति को सात वर्ष की कैद

सोनभद्र। चौदह वर्ष पूर्व हुए रेखा हत्याकांड के मामले में सोमवार को सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम एहसानुल्लाह खां की अदालत ने दोषसिद्ध पाकर दोषी पति विकास कुमार पांडेय को सात वर्ष की कैद व एक लाख रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी। वहीं अर्थदंड की समूची धनराशि एक लाख रूपये मृतका के पिता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक अशोक कुमार चौबे पुत्र हरिहर चौबे निवासी ग्राम अमोखर, थाना राबर्ट्सगंज , जिला सोनभद्र ने न्यायालय में धारा 156(3) सीआरपीसी के तहत दिए प्रार्थना पत्र में अवगत कराया था कि उसने अपनी बेटी रेखा देवी की शादी 29 अप्रैल 2005 को हिंदू रीति रिवाज से विकास कुमार पांडेय पुत्र नागेंद्र प्रसाद पांडेय निवासी नौडिहा, थाना घोरावल, जिला सोनभद्र के साथ किया था।

संदीप कुमार साह बने एंटी करप्शन एंड क्राइम ब्यूरो ऑफ इंडिया के मण्डल प्रेसिडेंट

संवाददाता

सोनभद्र। एंटी करप्शन एंड क्राइम ब्यूरो ऑफ़ इंडिया ट्रस्ट सोनभद्र टीम के क्राइम सेल प्रेसिडेंट संदीप कुमार शाह जी को समाज में सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस, प्रशासन एवं जनता के सपोर्ट में खड़े रहने हेतु एवं उनके उत्कृष्ट कार्यो को देखते हुऐ नेशनल डायरेक्टर श्री राजेश विश्वकर्मा जी के अध्यक्षता मे संदीप कुमार शाह जी को (क्राइम सेल मीरजापुर मंडल प्रेसिडेंट) बनाया गया।

ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी की मौत, धू-धूकर जला वाहन

द अचीवर टाइम्स दीपक सिंह

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर के निगोही में सरकारी अस्पताल के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की बाइक को टक्कर मारने के बाद भाग रहे ट्रक में अचानक आग लग गई। आग ने विकराल रूप ले लिया। हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। इस दौरान रोड पर आवागमन काफी देर तक प्रभावित रहा। निगोही थाना इलाके के उदारिया गांव के रहने वाले ओमप्रकाश वर्मा पुवायां के ग्राम गंगसरा स्थित राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय में तैनात थे। वह मंगलवार सुबह बाइक से अस्पताल जाने को निकले थे। इसी दौरान सुबह करीब आठ बजे निगोही थाना क्षेत्र के गनपतपुर गांव के पास पुवायां की ओर से आ रहे ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। ओमप्रकाश की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ने ट्रक तेजी से दौड़ा लिया। ट्रक के पहिए में बाइक फंसी रह गई। करीब एक किलोमीटर आगे बाइक की रगड़ से निकली चिंगारी से ट्रक के तेल टैंक में आग लग गई। कुछ ही देर में ट्रक में आग फैल गई। इस दौरान चालक और हेल्पर भाग निकले। ट्रक में खल भरी हुई थी। इस बीच राहगीरों की भीड़ लग गई। दोनों तरफ के वाहन वहीं रोक दिए गए। कुछ देर बाद पूरा ट्रक जल गया। करीब एक घंटे बाद यातायत बहाल हो सका। पुलिस ने ओमप्रकाश का शव कब्जे में लेकर परिजनों को सूचना दी। परिजन रोते बिलखते निगोही सीएचसी पहुंच गए।

फूलमती माता परिसर में रामचरित मानस पाठ व विशाल भंडारा

द अचीवर टाइम्स। मुकेश राजपूत

उन्नाव। उन्नाव विकास खंड सरोसी क्षेत्र के पंडित खेड़ा स्थित फूलमती माता मंदिर पर भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया ।इससे पहले मंदिर पर रामचरितमानस पाठ कराया गया। इस मौके पर गांव के लोग मौजूद रहे। सरोसी ब्लाक क्षेत्र के ग्राम पंचायत भदेवना के मजरा पंडित खेड़ा में फूलमती माता मंदिर स्थित है। प्रति वर्ष की भांति सोमवार को रामचरितमानस पाठ का आयोजन किया गया। मंगलवार को पाठ के समापन पर आरती हवन के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। ग्रामीणों के सहयोग से भक्तों ने भंडारे का प्रसाद छका और अपनी मनोकामना मांगी इस मौके पर आयोजक सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे ।

समाजवादी पार्टी की पूर्व प्रदेश सचिव महिला प्रकोष्ठ शर्मिला महाराज

द अचीवर टाइम्स, निखिल मिश्रा

अकबरनगर। समाजवादी पार्टी की पूर्व प्रदेश सचिव महिला प्रकोष्ठ शर्मिला महाराज ने अकबरनगर बिकम पुरवा की गरीब जनता के लिए उठाया आवाज खुद बुलडोजर के सामने कूद कर गरीबों की आवाज उठाने का काम कर रहीं हैं। पिछले कई सालों से इन जगहों पर गरीब लोगों ने अपना आवास बना रखा था। वही सरकारी योजनाओं का लाभ भी दिया जा रहा था। इसके बाद अवैध घोषित कर इन सबको तोड़ दिया गया। जिसके बाद समाजवादी पार्टी कि वरिष्ठ नेत्री शर्मिला महाराज ने मौके पर जाकर प्रशासन की आंखों में आंखें डालकर गरीब पिछड़े मजदूरों की आवाज़ बनकर। बीजेपी सरकार को बड़ी चुनौती देने का काम किया है। जहां लोग बीजेपी सरकार के खिलाफ बोलने से डरते हैं। तो वहीं शर्मिला महाराज महिला होकर अकेले लड़ती दिखी। नेत्री शर्मिला महाराज ने कहां के राजनाथ सिंह के निधि से बस्तियों में काम कराया गया था। उदघाटन का पत्थर राजनाथ सिंह के नाम से लगा हुआ है तो यह अवैध कैसे होगया। बिजली का बिल हाउस टैक्स वाटर सप्लाई यह सब सरकार ने क्यों दिया। आगे बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहां के बीजेपी सरकार गरीबों का खून चूस कर अमीरों कि झोली भरने का काम करती हैं आज भी लखनऊ के कुछ इलाकों में रोड नाली व खड़ंजे न होने से आम जनमानस त्रस्त है उन सब जगह पर सरकार की नजर नहीं पड़ती है सिर्फ बड़े बिल्डरों और उद्योगपतियों को बड़ी-बड़ी बिल्डिंग बनाने के लिए टेंडर दिए जाते हैं जिसमें सरकार का बहुत ही बड़ा राजनीतिक फायदा होता है।

मंगल कलश लेकर अयोध्या जायेंगे मंगलामुखी किन्नरः प्रियंका सिंह रघुवंशी

द अचीवर टाइम्स, निखिल मिश्रा

लखनऊ । पूरे भारत की आस्था वा राम जन्मभूमि अयोध्या में राम जन्मभूमि पर बन रहे राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व 24 दिसंबर को प्रियंका सिंह रघुवंशी ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट लखनऊ के साथ 51 किन्नर परंपरा व जनसमूह के लोग के साथ लखनऊ से भव्य शोभायात्रा के द्वारा अयोध्या जायेंगे जहां राम जन्मभूमि मंदिर में चांदी व सोने से जड़ित मंगल कलश पूजन कर मंदिर में समर्पित किया जायेगा। साथ ही किन्नर परंपरा के लोग भी अपना योगदान इस विश्व धरोहर के इस महा आयोजन में अपनी भागीदारी देंगे साथ ही प्रियंका सिंह रघुवंशी ने बताया कि राम जी से किन्नरों का उल्लेख है हमारी रामायण हमारी महाभारत व अन्य ग्रंथ और पुराणों में राम जी के आशीर्वाद से आज हम किन्नरों का उल्लेख है सम्मान है उसी कड़ी को आगे फलीभूत करने व हम व हमारा समाज आज इस महाआयोजन में अपनी भागीदारी दे रहा है। साथ ही बताते चले कि यह मंगल कलश चार किलो वजनी व स्वर्ण की लड़ियों से सुसज्जित किया गया है। यह मंगल कलश आगरा के सागर अग्रवाल जी बना रहे है ढोल ताशे के साथ विशाल जनसमूह के साथ लखनऊ से ध्वज पूजन कर 24 दिसंबर को सुबह 11 बजे निकलेंगे साथ ही इस आयोजन मे कई किन्नर महामंडलेश्वर किन्नर धर्म गुरु नायक व सामाजिक कार्यकर्ता होंगे शामिल।

एक नज़र

समय-सीम की बैठक हुई सम्पन्न

एजेंसी

शहडोल। शहडोल कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में अपर कलेक्टर श्री रोमोनुस टोप्पो की उपस्थित में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री राजेश जैन ने सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा विभागवार की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता के साथ किया जाए कोई भी लंबित प्रकरण ऐसा न रहे जिसका निराकरण न हो पाए यह सुनिश्चित करें। साथ ही मुख्य कार्यापालन अधिकारी जिला पंचायत ने यह भी कहा कि लंबित प्रकरणों के निराकरण हेतु जिला स्तर के अधिकारी शिकायतकर्ता से स्वयं बात कर लंबित प्रकरण को समझे और शिकायत के निराकरण हेतु कार्यवाही करे। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री राजेश ने जैन विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत जन सामान्य में योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने तथा हितग्राही, आमनागरिक, एवं जन प्रतिनिधियों के बीच सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के भी निर्देश दिए। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर श्रीमती प्रगति वर्मा, अनुविभागीय अधिकारी जैतपुर श्रीमती ज्योति परस्ते मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री रामसनेही पाण्डेय, जिला कोषालय अधिकारी राममिलन सिंह सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

पुलिस सरक्षण में डग्गेमार बसों का करा रहे हैं संचालन

आरटीओ विभाग में भी जाती हैं बसों की वसूली

आगरा । देश और दुनिया भर में ताज नगरी के नाम से विख्यात ताज नगरी दुर्घटना नगरी के नाम से कुख्यात हो चुकी है । बहुत अधिक समय नहीं बीता है ,, जब एक सड़क दुर्घटना में 6 सामान्य नागरिकों की भीषण सड़क दुघर्टना में मौत हो गई । प्रशासन ने 6 नागरिकों की मौत से कोई सबक नहीं लिया और न ही दुर्घटनाओं को रोकने के लिए समुचित कदम उठाए । प्रश्न उठता है कि आखिर आगरा जनपद में दुर्घटनाओं और उसमें हो रही सामान्य नागरिकों की मौत में बेतहाशा वृद्धि का मूल कारण क्या है। दरअसल ताज नगरी में जो भी भयंकर दुर्घटनाएं हो रही हैं , उनका मूल कारण आगरा में पुलिस प्रशासन के संरक्षण और मिलीभगत से पनप रहे पार्किंग माफिया हैं। सूत्र बताते हैं कि पार्किंग माफियो के इशारे पर उसके गुर्गे डग्गामार वाहनों को मेन रोड पर खड़ा करके उनमे सवारियां भरते हैं और बस मालिकों से मोटी कमीशन वसूल करते हैं । ये गाडियां नोएडा , गाजियाबाद और दिल्ली, ऐटा , मैनपुरी, जलेसर, ग्वालियर, जयपुर की सवारियां लेकर जाती हैं , सवारियां होने के कारण ही ये वाहन अक्सर दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं और सामान्य नागरिकों की मौत का कारण बन जाते हैं । इसके साथ साथ पार्किंग माफिया द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन कर मेन रोड पर आड़ी तिरछी खड़ी होने वाली डग्गामार वाहनों के कारण अक्सर जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है । जाम के कारण ही अन्य बसों अथवा वाहनों को भी दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के कारण नागरिकों की असमय मौत का खतरा बना रहता है। जानकारी के अनुसार भगवान टाकीज पर पार्किंग के नाम पर गुर्गो को स्थानीय थाना न्यू आगरा पुलिस और ट्रैफिक पुलिस का सम्पूर्ण संरक्षण प्राप्त होता हैं। इस संरक्षण के बदले थाना पुलिस और ट्रैफिक पुलिस को पार्किंग के नाम से रिश्वत की मोटी रकम वसूली जाती है । पुलिस और ट्रैफिक पुलिस का मौके पर पूरा अमला तैनात होने के बावजूद पार्किंग माफिया के इस अवैद्य कारोबार को रोकने का कोई प्रयास नहीं किया जाता।

पति और सास बैठकर पीते हैं शराब

पत्नी से मंगाते हैं पानी और नमकीन मना करने पर देते हैं यातनाएं

आगरा। फरीदाबाद की रहने वाली युवती की शादी आगरा के युवक से हुई है, शादी को एक साल हो चुका है। आठ महीने से युवती अपने मायके में रह रही है, फैमिली कार्उंसिलिंग सेंटर में युवती और उसके पति को काउंसिलिंग के लिए बुलाया गया। युवती ने आरोप लगाए हैं कि उसका पति अपनी मां यानी युवती की सास के साथ शराब पीता है, इसका विरोध करने पर अपशब्द बोलने के साथ मारपीट करने लगे। युवती का आरोप है कि उससे भी पति ने कहा कि वह भी साथ बैठकर शराब पीए लेकिन युवती ने मना कर दिया। जब पति और सास के साथ बैठकर शराब पीते हैं तो युवती से पानी और नमकीन मंगवाते हैं उसे बेटर बना देते हैं। युवती इसका विरोध करती है तो मारपीट करते हैं, इस मामले में सुलह नहीं हो सकी, दोनों को दोबारा बुलाया गया है।

घरों पर चस्पा किए पलायन के पोस्टर, अफसरों में मचा हड़कंप, ब्राह्मण और गुर्जर समाज में हुआ था विवाद

मेरठ। मेरठ में हस्तिनापुर थाना क्षेत्र के गांव अकबरपुर गढ़ी में ब्राह्मण समाज के युवक पर हमला करने के मामले में पीड़ित परिवारों ने अपने घरों पर पलायन के पोस्टर लगा दिए हैं। उधर, पलायन की सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारियों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। बताया गया कि रविवार को खेत पर पानी देने गए ब्राह्मण समाज के शिवकुमार पुत्र शेर सिंह पर कुछ लोगों द्वारा धारदार हथियारों से हमला किया गया था। जिसमें वह घायल हो गया था। इस मामले में ब्राह्मण समाज के लोगों ने मांग की है कि गुर्जर समाज के लोग लगातार उन पर हमले कर रहे हैं। अगर जल्द ही आरोपी पक्ष की गिरफ्तारी नहीं हुई तो वह गांव से पलायन कर देंगे, जिसके लिए उन्होंने अपने घरों के बाहर पलायन के बैनर व पोस्टर लगा दिए हैं। इस मामले में ब्राह्मण समाज के लोगों ने गांव के गुर्जर समाज के करीब आधा दर्जन लोगों को नाम दर्ज किया था। उधर, पीड़ित की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया है। ब्राह्मण समाज के शिवकुमार पर हुए हमले से गांव के अन्य समाज के लोगों में आक्रोश फैल गया। उनका कहना है कि गुर्जर समाज के लोग अक्सर उन पर हमले करते हैं और पुलिस कोई कार्रवाई नहीं करती है। ब्राह्मण समाज के लोगों का कहना था कि अगर शिवकुमार पर हमला करने वाले गुर्जर समाज के लोगों को जल्द गिरफ्तार करके सजा नहीं दिलाई गई तो ब्राह्मण समाज के लोग अकबरपुर गढ़ी गांव से पलायन करने के लिए तैयार हैं। इस मामले में ब्राह्मण समाज के गौरव शर्मा ने बताया कि गांव में ब्राह्मण समाज के करीब एक दर्जन घर मौजूद हैं, जिन्होंने अपने घरों के आगे पलायन करने के पोस्टर चस्पा कर दिए हैं। गौरव शर्मा ने कहा कि अगर आरोपियों पर जल्द ही उचित कार्रवाई नहीं की जाती तो सभी लोग गांव से पलायन करेंगे। उधर, घरों पर पलायन के पोस्टर लगाने से हड़कंप मच गया। एसडीएम अखिलेश यादव, सीओ आशीष शर्मा, थाना प्रभारी विजय बहादुर गांव में पहुंचे, जहां ब्राह्मण समाज के लोगों से उन्होंने बातचीत की और पलायन के पोस्टर हटाने की अपील की। इस पर ब्राह्मण समाज के लोगों ने कहा कि आरोपियों पर जब तक उचित कार्रवाई नहीं होती तब तक वह पलायन के पोस्टर नहीं हटाएंगे। इस मामले में थाना प्रभारी विजय बहादुर ने बताया कि पीड़ित शिवकुमार की तहरीर पर नाम दर्ज आरोपियों में उदय राज को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है अन्य आरोपियों को भी जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

छात्रा ने जिसे समझा सच्चा प्यार, हकीकत ने उड़ाए होश

आगरा। फिरोजाबाद के सिरसागंज के ग्राम असवाई की एक छात्रा ने अपने रिश्तेदार पर शादी का झांसा देकर सात माह तक दुष्कर्म करने का आरोप लगाते हुए सिरसागंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने छह आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सिरसागंज के एक गांव निवासी बीएससी की छात्रा ने अपनी मौसी के देवर दीपक निवासी ग्राम अहमदपुर पर आरोप लगाया है कि दीपक का उसके घर पर आना जाना था। इसी दौरान दीपक ने उसे शादी का झांसा देकर अपने साथ रखना शुरू कर दिया। छात्रा दीपक के साथ शिकोहाबाद में किराये के मकान में रहने लगी। पीड़िता ने बताया कि इस दौरान दीपक ने छात्रा के साथ कई बार संबंध बनाए। छात्रा ने बताया कि कमरे पर उसके भाई सुभाष, धर्मेन्द्र, अनिल, दीपक व वीरभान भी आते जाते रहते थे। जिनसे छात्रा ने कई बार दीपक से शादी कराने की बात कही, लेकिन समय बीतने के साथ ही दीपक और उसके भाई धमकियां देने पर आ गए।

केन्द्र सरकार की योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को संकल्प यात्रा में दिलाया जायेगा लाभ

एजेंसी

शहडोल। केन्द्र सरकार की योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने हेतु जिले में विकसित भारत एवं संकल्प यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। विकसित भारत एवं संकल्प यात्रा की कार्य योजना बनाने के उदेश्य से आज मुख्यकार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री राजेश जैन की उपस्थिति में कलेक्टर आर्यालय के सभागार में बैठक आयोजित की गई बैठक में अपर कलेक्टर श्री रामोनुस टोप्पो सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में मुख्यकार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री राजेश जैन ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य योजनाओं के लाभ से बंचित व्यक्तियों तक प्रमुख योजनाओं का लाभ पहुचाना है। लक्षित लाभार्थियों खास तौर से बंचित व आकाक्षी लोगों तक समय बद्ध तरीके से योजनाओं का लाभ पहुचाना है। उन्होंने बताया कि विकसित भारत एवं संकल्प यात्रा के

दौरान आयुष्मान भारत [क्क्ष्द्धङ्ग] पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पीएम आवास योजना (ग्रामीण), पीएम उज्ज्वला योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड [चिष्ट्ट]] पीएम पोषण अभियान, हर घर जल - जल जीवन मिशन, गांवों का सर्वेक्षण और ग्रामीण क्षेत्रों में तात्कालिक प्रौद्योगिकी (स्वामित्व), जनधन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, पीएम प्रणाम योजना, नैनो उर्वरक का उपयोग, स्वाइल हैल्थ कार्ड, उन्नत कृषि यंत्र, पीएम स्वनिधि योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम उज्वला योजना, पीएम मुद्रा लोन योजना, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया, आयुष्मान भारत [क्क्ष्द्धङ्ग], पीएम आवास योजना (शहरी), स्वच्छ भारत अभियान (शहरी), उजाला योजना, अमृत योजना, पीएम जन औषधि परियोजना, सौभाग्य योजना, डिजिटल भुगतान अधोसंरचना, खेलो इंडिया, आरसीएसरू उड़ान, वंदे भारत ट्रेनें और अमृत भारत स्टेशन ये सभी योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा।

छोटे मामलों पर तत्काल थानाध्यक्ष संज्ञान ले डीसीपी

पीड़ित की नही सुनने की शिकायत मिलने पर होगी कार्रवाई।

एजेंसी

आगरा। पूर्वी क्षेत्र के डीसीपी रवि कुमार ने कार्यभार ग्रहण करते ही थानाध्यक्षों और एसीपी यो की बैठक की। इस दौरान स्पष्ट निर्देश दिए कि छोटी छोटी समस्याओं को थानाध्यक्ष नजर अंदाज न करे ऐसी शिकायत मिली तो थानाध्यक्ष के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा है कि थाना क्षेत्रों में जुआ, सट्टा, अवैध खनन जेसी अपराधी और अपराध के खिलाफ कार्रवाई करे। साथ ही अपने सर्किल में एसीपी हर सप्ताह समीक्षा करे। साथ ही पुलिस मित्रो का सहयोग ले पीड़ित और जनता के साथ अच्छा व्यवहार करे।

मेडिकल कॉलेज में अब गंभीर बीमारियों के हो रहे है सफल ऑपरेशन : डा प्रीति।

एजेंसी

आगरा। मेडिकल कॉलेज ने कैंसर, ट्यूमर,सहित अन्य प्रकार के गंभीर बीमारियो के ऑपरेशन कर नया कीर्तिमान स्थापित किया गया है उक्त जानकारी मेडिकल कॉलेज की मीडिया प्रभारी डा प्रीति भारद्वाज ने किया है। डा प्रीति ने बताया कि मेडिकल कालेज के प्राचार्य डॉ प्रशांत गुप्ता लगातार गंभीर बीमारियो में मरीजों को दिल्ली , जयपुर और ग्वालियर की तरफ दौड़ना पड़े इसके लिए सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। इसी के तहत मेडिकल कालेज के वरिष्ठ चिकित्सक लगता ऑपरेशन करके मरीजों को राहत पुहुचाने में जुटे हुए हैं। इसकी के तहत ओपीडी भी समय से कराई जा रही है।आज एस.एन. मेडिकल कॉलेज, के नाक कान गला रोग विभाग की ओपीडी में एक 22 वर्ष का मरीज बदली हुई आवाज और नाक से सांस लेने की तकलीफ के साथ आया था। जांच में पाया गया कि उसको नाक और गले के अंधरूनी भाग में ट्यूमर है। 22 वर्ष के उमर दुर्लभ बीमारी से जूझ रहा था डॉ अखिल प्रताप सिंह के नेतृत्व में उनकी टीम ने जटिल ऑपरेशन करके इस ट्यूमर को निकला गया। ऑपरेशन के बाद मरीज अब स्वस्थ हो गया है इसके बाद छुट्टी कर दी गई है।

अंतरराष्ट्रीय मैथिल ब्राह्मण परिषद का प्रदेश अध्यक्ष घोषितमुन्ना मिश्रा बने प्रदेश अध्यक्ष

एजेंसी

आगरा! अंतरराष्ट्रीय मैथिल ब्राह्मण परिषद की बैठक मां कामाख्या यज्ञ स्थल राजदरबार वालों का ग्राउंड जेसीबी चौराहा पर संपन्न हुई इसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय महासचिव जगदीश शर्मा वत्स जी ने की जिसमें परिषद के पदाधिकारियों एवं सैकड़ों मैथिल ब्राह्मण बंधुओं ने जैसे ही उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष की घोसणा हुई सभी ने फूल माला पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया अपने उद्बोधन में नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मुन्ना मिश्रा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मैथिल ब्राह्मण परिषद मिथिला के ब्राह्मणों को अग्रणी भूमिका निभाने के लिए पूरे उत्तर प्रदेश के सभी जिले में समिति का गठन किया जाएगा प्रदेश के मैथिल ब्राह्मण युवाओं को आगे बड़ाने के लिए कार्य किया जाएगा उन्होंने कहा कि ब्राह्मणों को शस्त्र और शास्त्र दोनों में निपुण होना चाहिए इसको लेकर ब्राह्मणों का शस्त्र यज्ञोपवीत (जनेऊ) है उसके लिए सभी युवा पीढ़ी और बच्चों को यज्ञोपवीत संस्कार दिलाया जाएगा , 10 फरवरी से 20 फरबरी को मां कामाख्या सहस्त्र चंडी महायज्ञ का जो आयोजन हो रहा है उसमें शास्त्रोचित पद्धति से मिथिला में ब्राह्मणों द्वारा विधिवत रूप से पूर्ण कराया जाएगा जिसकी रूप रेखा शीघ्र तैयार की जाएगी , कार्यक्रम में कुंवारी कन्याओं के विवाह का भी कार्यक्रम किया जाएगा, कार्यक्रम के मुख्य अथिति मां कामाख्या पीठ असम के महंत परमपूज्य श्री कीर्तिनाथ महाराज जो स्वयं मैथिल ब्राह्मण हैं उन्होंने सभी ब्राह्मणों से आवाहन किया है की इस यज्ञ में शामिल होकर अपने अपने घर से बालक को लाकर यज्ञोपवीत संस्कार कराकर यज्ञ में भागीदारी करें , आज कार्यक्रम में उपस्थित लोगों में सर्वश्री जगदीश शर्मा वत्स , सत्यप्रकाश झा , जे डी शर्मा , विवेक शर्मा , अनिल शर्मा , सुनील झा , एस के पंडित , कौशल किशोर , आचार्य संत किशोर , सोनू शर्मा , सोनू शर्मा , अजीत शर्मा , संदीप शर्मा , सोनू शर्मा के साथ फिरोजाबाद से मिथिला मंच की समस्त टीम , वीके मिश्र , सुनील पराशर , सुभाष सारथी , पवन भदौरिया , दिनेश शर्मा जी , दीपू ओझा , अंकुर शर्मा इत्यादि सैंकड़ों की संख्या में मैथिल ब्राह्मण बंधु उपस्थित रहे ।

गोहपारू पुलिस ने देशी कट्टे के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

एजेंसी

शहडोल। मध्यप्रदेश के शहडोल जिले के गोहपारू थाना में पदस्थ थाना प्रभारी निरीक्षक श्री मो.समीर साहब जो कि अपने स्वभाव और व्यवहार के लिए जानें जाते हैं आम जनता हों या पुलिस स्टाफ हों सभी तारीफ करते नहीं थकते और इन लोगों का कहना है कि ऐसा रायल,रहमदिल थाना प्रभारी आज तक हमने नहीं देखा है।और जब भी कोई मामला हमारे समझ में नहीं आता तों हम लोगों के साथ बैठकर को बहुत प्यार से समझाते और मार्गदर्शन देते है। और कभी अगर स्टाफ या स्टाफ के परिवार में से कोई तकलीफ़, बीमार होने कि जानकारी मो. समीर साहब को मालूम पड़ जाती है तो मुखिया कि तरह खड़े हो जाते हैं हर संभव सभी कि मदद करते हैं।जैसा कि आप सभी जानते है श्री मो.समीर जबलपुर से शहडोल आयें और मेडिकल कालेज में पुलिस सहायता केन्द्र के प्रभारी रहे और वहां से अमलाई थाना प्रभारी रहे फिर ब्यौहारी थाने के प्रभारी रहे चुके हैं वर्तमान में गोहपारू थाना प्रभारी है और शहडोल जिले के जिन थानों में प्रभारी रहे हैं आज भी उन थाना क्षेत्र कि आम जनता हों या पुलिस स्टाफ हों मो.समीर साहब कि तारीफ करते नहीं थकती और कुछ लोगों का कहना कि जिस तरह पूर्व पुलिस अधीक्षक शहडोल श्री अवधेश कुमार गोस्वामी जी ने हमेशा अपने पुलिस स्टाफ और जनता के स्वास्थ्य से लेकर सभी परेशानी, बीमारी में हर संभव मदद व खड़े रहते थे और फोन लगाकर लगातार अपडेट लेते थें तो उनकी झलक मो.समीर साहब में दिखाई देती है।अपने थाना क्षेत्र कि जनता ,पुलिस स्टाफ, प्राइवेट ड्राइवर या थाने से कोई भी जुड़ा हुआ व्यक्ति,फरियादी हों सभी का सहयोग व मदद करते हैं। दिनांक 10.12.2023 को थाना प्रभारी निरीक्षक मो. समीर साहब के मोबाइल पर एक व्यक्ति द्वारा फोन कर जानकारी दी गई थी कि शनि सिंह निवासी मलमाथर अपने पास में देशी कट्टा रखा है और किसी अपराध,घटना को अंजाम देने के फिराक है। उक्त व्यक्ति ने शनि सिंह के हाथ में कटा लिये हुए फोटो भी भेजी।जिस पर थाना प्रभारी निरीक्षक श्री समीर साहब ने मामले को गंभीरता से तत्काल संज्ञान में लिया पुलिस टीम लेकर ग्राम मलमाथर पहुंचकर शनि सिंह के घर पर बड़ी ही मुस्तैदी से दबिश दी गई, जिस पर शनि उर्फ पुष्पेन्द्र सिंह पिता बिन्दूलाल सिहं निवासी मलमाथर का अपने घर पर मिला एवं पुलिस को देखकर भागने कि कोशिश करने लगा तों पुलिस द्वारा घेराबंदी कर उसे पकड़ा गया और शनि सिंह के घर की तलाशी लेने पर उसके पास से एक लोहे का देशी कट्टा बरामद जप्त कर लिया पुलिस ने आरोपी के पास देशी कट्टा रखने के सम्बंध मे कोई कागजात नहीं है। आरोपी पुष्पेन्द्र उर्फ शनि सिंह पिता बिन्दूलाल सिंह गोड़ उम्र 26 वर्ष निवासी मलमाथर थाना गोहपारू जिला शहडोल के विरूद्ध धारा 25 बी आर्म्स एक्ट पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय शहडोल पेश किया गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक मो. समीर साहब के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक विपिन बागरी, शिवराज सिंह, प्रधान आरक्षक राजवेन्द्र सिंह, महिला आरक्षक चंदा गोलकार की अहम व महत्वपूर्ण भूमिका रही।

साइबर ठगों ने फिरोजाबाद की युवती को डराकर ठगे 30 हजार रुपये

आगरा। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में साइबर ठगों ने युवती को जाल में फंसाने के लिए नया पैंतरा आजमाया। युवती को फोन कर बताया कि उसके भाई ने एक अधिवक्ता के पुत्र की हत्या कर दी है। अब उसके भाई को जेल जाना पड़ेगा, यदि उसे बचाना है तो 30 हजार रुपये की व्यवस्था करनी होगी। युवती अपने भाई का नाम सुनकर बुरी तरह डर गई और रकम की व्यवस्था कर ऑनलाइन ट्रांसफर कर दी। कुछ देर बाद जब भाई घर पहुंचा, तो सच का पता चला। इसके बाद पीड़िता ने पुलिस से शिकायत की। थाना उत्तर क्षेत्र के मोहल्ला खेड़ा बोधाश्रम निवासी राखी ने शिकायती पत्र देते हुए बताया कि रविवार को सुबह करीब साढ़े दस बजे एक बाहर के नंबर से उसके मोबाइल पर कॉल आया।

आठवें दिन, अग्निवीर जीडी कैटेगरी के 1100 अभ्यर्थियों ने शारीरिक दक्षता परीक्षा में लिया भाग

एजेंसी

आगरा। सेना भर्ती रैली जो अग्निपथ स्कीम के अन्तर्गत आती है। एकलव्य स्टेडियम में चल रही अग्निवीर भर्ती रैली के आज आठवें दिन, जी.डी. कैटेगरी के कुल 1100 अभ्यर्थियों ने शारीरिक दक्षता परीक्षा में ने भाग लिया। इस रैली में सेना भर्ती कार्यालय के अन्तर्गत आने वाले सभी बारह जिलों (आगरा, अलीगढ़ एटा, इटावा, झांसी, ललितपुर, फिरोजाबाद, मथुरा, मैनपुरी, हाथरस, जालौन और कासगंज) के उम्मीदवारों ने भाग लिया।

सेना भर्ती कार्यालय आगरा के अंतर्गत आने वाले सभी जिलों के उम्मीदवारों के लिए आयोजित की गई अग्निवीर भर्ती बहुत ही जबरदस्त और उत्साही प्रतिक्रिया के साथ शुरू हुई। रैली की ऑनलाइन लिखित परीक्षा के लिए पंजीकरण का आंकड़ा लगभग 46000 था जो अपने आप में अग्निपथ योजना के प्रति यह युवाओं के उत्साह और उत्सुकता का प्रमाण है। लगभग 1300 उम्मीदवारों को आगरा भर्ती रैली के लिए शॉर्ट लिस्ट किया जा चुका है। प्रत्येक जिले के अभ्यर्थियों के पंजीकरण के आधार पर हर एक दिन का कार्यक्रम तैयार किया गया है और इसके आधार पर प्रतिदिन औसतन 1200 मे 1400 उम्मीदवार रैली में भाग लेंगे। 11 दिसम्बर 2023 को आठवें दिन भर्ती रैली में सभी बारह जिलों के कुल 1100 अग्निवीर जी डी कैटेगिरी के उम्मीदवारों ने भाग लिया।

मेजर जनरल मनोज तिवारी ने रैली की व्यवस्था और पूर्ण पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए भर्ती में शामिल सभी अधिकारियों तथा कर्मियों की सराहना की। उन्होंने अभ्यार्थियों से बातचीत करते हुए कहा कि दलालों के नापाक वादों से प्रभावित होने के बजाय सभी अभ्यार्थियों को अपनी योग्यता के आधार पर रैली में भाग लेना चाहिए।

इस भर्ती रैली को मिलिटरी स्टेशन के प्रमुख अधिकारी ब्रिगेडियर रजनीश मोहन का जबरदस्त ममर्थन मिला, साथ ही साथ उत्तर प्रदेश के प्रशासन की ओर से जिलाधिकारी भानु चंद्र गोस्वामी ने हर एक सुविधा मुहैया कराई है, जैसे रैली के लिए आने वाले उम्मीदवारों के लिए आवास, मोबाइल शौचालय, पीने का पानी और बस स्टैंड तथा रेल स्टेशन से उम्मीदवारों को लाने तथा छोडने के लिए बसों की सुविधाएँ भी शामिल है। साथ ही साथ सेना भर्ती कार्यालय द्वारा शहर के प्रमुख स्थानों पर सूचना पत्रक प्रदर्शित कर दिए गए हैं और कैन्ट रेलवे स्टेशन पर 03 दिसम्बर 2023 से नियमित रूप में भर्ती की घोषणाये की जा रही है, जो 16 दिसम्बर तक की जाएंगी, सेना और पुलिस द्वारा सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण लिए अतिरिक्त उपाय किए गए हैं। उम्मीदवारों के चयन के लिए स्क्रीनिंग प्रक्रिया बेहद निष्पक्ष, पारदर्शी और कठोर हैं, जिसमें उम्मीदवारों को विभिन्न परीक्षणों में गुजरना होता है जिसमें निर्धारित समय में 1.6 किमी की दौड़ पूरी करना, शारीरिक फिटनस परीक्षण, शारीरिक माप परीक्षा ,दस्तावेजीकरण और अंत में मेडिकल शामिल हैं। यह परीक्षाएं सेना के लिए उम्मीदवार की योग्यता, मानसिक चपलता और शारीरिक मजबूती की जाँच कराने के लिए बनाई गई हैं। रैली शुरू होने से पहले उम्मीदवारों को अनुचित साधन अपनाने, फर्जी दस्तावेज बनाने, दलालों के बहकावे में न आने और प्रवेश पत्र के साथ हेराफेरी, छेड़छाड़ कराने से बचने के लिए पर्याप्त रूप में आगाह किया गया या अगर ऐसा कोई उम्मीदवार पाया जाता है, तो उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उन्हें भर्ती प्रक्रिया में उपस्थित होने से रोक दिया जाएगा, साथ ही साथ आगे कि पुछताछ के लिए उन्हें पुलिस को सौंप दिया जायेगा। अग्निपथ योजना को प्रचारित कराने के लिए आउटरीच कार्यक्रम का विस्तार किया गया। सेना भर्ती कार्यालय की ओर में विभिन्न जिलों के स्कूलों, कॉलेजों और एनसीसी बटालियनों में प्रेरक व्याख्यान आयोजित किए गए। इसके अलावा पंपलेट, सूचना पट और डिजिटल मिडिया के माध्यम से भी प्रचार किया गया। अग्निवीरों को विभिन्न ट्रेडों के लिए शामिल किया गया है, जैसे अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निबीर क्लर्क/स्टोर कीपर, अग्निबीर तकनीकी और अग्निबीर ट्रेड्समैन। अग्निवीर योजना सेना में अधिक युवा प्रोफाइल बनने से युवा अनुभव का सही संतुलन बनेगा। यह परिवर्तन सेना में नया जोश और आत्मविश्वाश लाएगा।

धर्मशाला में सीएम सुक्खू ने की चार बड़ी घोषणाएं

पहले चरण में लाहौल-स्पीति की महिलाओं को 1500 रुपये

एजेंसी

शिमला/धर्मशाला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू ने चौथी गारंटी के रूप में लाहौल-स्पीति में 18 वर्ष की आयु से ऊपर की सभी महिलाओं को प्रथम चरण में 1500 रुपये देने की घोषणा की। बाद में सभी जिलों में इससे लागू किया जाएगा। सीएम ने कहा कि आगामी बजट में तीन और गार्रंटियों को पूरा किया जाएगा। सत्ता में आने से पहले दस गारंटियों का वादा करने वाली हिमाचल प्रदेश की सुखविंद्र सिंह सुक्खू सरकार ने सोमवार को एक साल का कार्यकाल पूरा होने का धर्मशाला में जश्न मनाया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने गार्रंटियों को पूरा करने की दिशा में मंच से चार बड़ी घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि केंद्र सरकार आपदा के समय हिमाचल के साथ खड़ी नहीं हुई। प्रदेश सरकार ने कैबिनेट बैठक बुलाई और 4,500 करोड़ रुपये का आपदा राहत पैकेज घोषित किया। एक साल के कार्यकाल में 10 में से तीन गार्रंटियां पूरी की हैं। ओपीएस को लागू किया। अगले शैक्षणिक सत्र से सरकारी प्राथमिक स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2024-25 से पहली कक्षा से अंग्रेजी मीडियम में पढ़ाई की शुरुआत होगी।। 680 करोड़ रुपये की राजीव गांधी स्वरोजगार स्टार्टअप योजना को शुरू किया। इसके तहत बेरोजगारों के लिए ई-टैक्सी योजना शुरू की।

31 मार्च से पहले हजारों भर्तियां होंगी

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू ने चौथी गारंटी के रूप में लाहौल-स्पीति में 18 वर्ष से अधिक आयु की सभी महिलाओं को प्रथम चरण में 1500 रुपये देने की घोषणा की। बाद में सभी जिलों में इस योजना को लागू किया जाएगा। सीएम ने कहा कि आगामी बजट में तीन और गार्रंटियों को पूरा किया जाएगा। कहा कि सभी महिलाओं को अगले साल से 1500 रुपये मासिक पेंशन दी जाएगी। वहीं, अगले साल पहली जनवरी से किसानों से दो रुपये प्रति किलो के हिसाब से गोबर खाद खरीदी जाएगी। सुक्खू ने एलान किया कि अभी सरकार 31 रुपये प्रति लीटर की दर से दूध खरीदती है। अब जनवरी 2024 से छह की रुपये बढ़ोतरी के साथ 37 रुपये प्रति लीटर पर पशुपालकों से दूध खरीदा जाएगा। छह रुपये बढ़ोतरी होगी। इसी साल 31 मार्च से पहले हजारों भर्तियां होंगी। जयराम सरकार में पांच साल में केवल 20 हजार भर्तियां हुई, वे भी कोर्ट के पचड़ों में फंसीं। वर्तमान सरकार एक साल में ही इतने पद भर रहे हैं।

40 साल से पार्टी की सेवा करता रहा, लेकिन कभी पद की लालसा नहीं रही

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि आज के ही दिन उन्हें सरकार की जिम्मेदारी दी गई। उनके परिवार से कोई राजनीति में नहीं था। 40 साल से पार्टी की सेवा करता रहा, लेकिन कभी पद की लालसा नहीं रही। वह आम और किसान परिवार से आते हैं। आम लोगों का दर्द समझते हैं। आज के दिन शपथ ली। जब कैबिनेट का विस्तार हुआ तो पहली बैठक में ही पुरानी पेंशन स्कीम को लागू करने का निर्णय लिया। यह किसी राजनीतिक लाभ के लिए नहीं किया। जनता ने साथ दिया, इसमें कर्मचारी भी थे और आम लोग थे। चाहते तो इसे आगे के वर्षों के लिए टाल सकते थे, पर तुरंत लागू किया। हमीरपुर कर्मचारी चयन आयोग में पिछली भाजपा सरकार से युवाओं से अन्याय हो रहा था और भर्ती का गोरखधंधा हुआ।

2032 तक हिमाचल को सबसे अमीर और आत्मनिर्भर राज्य बनाएंगे

जब बजट बनने लगा तो हमने आत्मनिर्भर हिमाचल की नींव रखने का संकल्प लिया। हम सत्ता में सुख के लिए नहीं आए। हिमाचल सदन और भवन में विधायक और आम जन बराबर किराया देते हैं। आने वाले चार साल में हिमाचल आत्मनिर्भर और 2032 तक हिमाचल देश का सबसे अमीर और आत्मनिर्भर राज्य बनेगा। शराब के ठेकों की नीलामी से आमदनी बढ़ाई। आपदा के वक्त मंत्रियों ने जिलों का दौरा किया। दिन-रात मेहनत करते रहे। केंद्र से विशेष राहत पैकेज मांगते रहे। भाजपा विधानसभा सत्र बुलाने की बात करती रही। केंद्र से आपदा राहत पैकेज को मांगने के लिए सदन में चर्चा रखी। भाजपा के तीनों सांसदों ने भी केंद्र में हिमाचल की बात नहीं रखी। राज्य सरकार ने आवास के लिए कानून बदल दिया गया। इसके अलावा कई अन्य प्रावधान किए। यह संवेदनशील सरकार है।

धर्मशाला जाने से पहले सीएम ने जाखू मंदिर में टेका माथा

इससे पहले सोमवार सुबह मुख्यमंत्री सुक्खू ने धर्मशाला रवाना होने से पहले शिमला के प्रसिद्ध जाखू हनुमान मंदिर में अपनी धर्मपत्नी के साथ पूजा की। धर्मशाला पहुंचने पर सबसे पहले सीएम मुख्यमंत्री शहीद स्मारक गए। शहीद स्मारक में शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद पदयात्रा की। इसके बाद मुख्यमंत्री के समारोह स्थल पर पहुंचते ही पूरा पुलिस ग्राउंड सुक्खू भाई... जिंदाबाद के नारों से गूंज उठा।

कैलाश विजयवर्गीय क्यों नहीं बने मप्र के मुख्यमंत्री, क्या थी वजह

एजेंसी

इंदौर। आखिरकार मप्र के मुख्यमंत्री ष्टरूके लिए इंतजार खत्म हो ही गया और मोहन यादव को भारत के दिल की कमान सौंप दी गई। वहीं सीएम के लिए चल रहे नामों में से प्रमुख नाम कैलाश विजयवर्गीय को सीएम की कुर्सी मिलते मिलते रह गई। भारत का दिल कहा जाने वाला MP अब मोहन यादव के नेतृत्व में आगे बढ़ेगा। मोहन यादव ने मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में BJP के लिए उज्जैन से चुनाव जीता। उन्हें हिंदूवादी नेता के रूप में जाना जाता है। बनने से भाजपा संगठन में खुशी की लहर है। ष्टरूजल्द पदभार ग्रहण करेंगे। मोहन यादव मध्यप्रदेश की सियासत के एक मंझे हुए और माहिर खिलाड़ी हैं। वे तीसरी बार के विधायक हैं। संघ से जुड़े रहे हैं। 58 साल उनकी उम्र है। अनुशासित माने जाते रहे हैं और जमीन से उठे हैं। ओबीसी वर्ग से आते हैं। वर्तमान सरकार में वे शिक्षा मंत्री हैं।

क्यों चल रहा था कैलाश विजयवर्गीय का नाम- पार्षद से राष्ट्रीय महासचिव बने

मप्र के मुख्यमंत्री के लिए कैलाश विजयवर्गीय का नाम सबसे अधिक चल रहा था। इसके बावजूद उन्हें सीएम की कुर्सी न मिलना चौंकाने वाला है। भाजपा के सूत्रों का मानना है कि संगठन हमेशा ही सोच समझकर फैसले लेता है और कैलाश विजयवर्गीय की ताकत का उपयोग संगठन कई जगह करेगा। मप्र का भाजपा संगठन हो या फिर दिल्ली का शीर्ष नेतृत्व हर जगह कैलाश विजयवर्गीय अपनी ताकत साबित कर चुके हैं। विजयवर्गीय पार्टी मैनेजमेंट, चुनाव मैनेजमेंट, केंद्र से तालमेल और कई अन्य क्षेत्रों में माहिर माने जाते हैं। वह उन चुनिंदा नेताओं में से एक हैं जिन पर दिल्ली के नेता मप्र के काम के लिए पूरा भरोसा करते हैं। संगठन का मानना है कि भाजपा को कैलाश विजयवर्गीय की इन योग्यताओं की जरूरत है और उनके पास अभी कई मौके हैं। कैलाश विजयवर्गीय की गिनती प्रदेश के बड़े नेताओं में होती है और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की गुडलिस्ट में माने जाते है। बोल्ड स्वभाव और विवादित बयानों के कारण भी वे अक्सर चर्चा में बने रहते हैं। विजयवर्गीय विधायक के अलावा इंदौर के मेयर भी रह चुके है। 38 सालों के राजनीतिक सफर में पार्षद से लेकर भाजपा राष्ट्रीय महासचिव तक का मुकाम उन्होंने हासिल किया। वे भाजपा सरकार में लोक निर्माण मंत्री, उद्योग मंत्री और नगरीय प्रशासन मंत्री रह चुके है। उन्होंने दो बार एमपीसीए चुनाव में भी हाथ आजमाया, लेकिन दोनों बार केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से वे हार गए।

एक नज़र

मालगाड़ी आगे खड़ा होकर हत्राह्व युवक ने दी जान, दो दिन पहले लौटा था ऑस्ट्रेलिया से घर

एजेंसी

कुरुक्षेत्र (हरियाणा)। प्रिंस ऑस्ट्रेलिया में ही पीआर था। वह ऑस्ट्रेलिया में अपने भाई और बहन के साथ रहता था। बताया जा रहा है कि वह मानसिक रूप से कुछ परेशान लग रहा था।

हरियाणा के कुरुक्षेत्र में खेड़ी रामनगर फाटक के नजदीक एक युवक ने मालगाड़ी के आगे खड़ा होकर आत्महत्या कर ली। हाल ही में युवक ऑस्ट्रेलिया से अपने घर लौटा था। मृतक की शिनाख्त प्रिंस देशवाल 25 निवासी सेक्टर-तीन के रूप में हुई। प्रिंस गीता जयंती देखने के लिए घर से निकला था। राजकीय रेलवे पुलिस जीआरपी ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। जीआरपी थाना कुरुक्षेत्र में दिए बयान में रण सिंह ने बताया कि उसकी पिपली अनाज मंडी में आढ़त की दुकान है। उसका छोटा बेटा ऑस्ट्रेलिया में अपने भाई और बहन के साथ रहता था। दो दिन पहले नौ दिसंबर को ही प्रिंस ऑस्ट्रेलिया से घर आया था। घर आने के बाद वह मानसिक रूप से कुछ परेशान लग रहा था। दोपहर को वह खाना खाने के बाद गीता जयंती में जाने के लिए घर से निकला था। बाद को जीआरपी ने उनको सूचना दी कि प्रिंस ने मालगाड़ी के आगे खड़ा होकर आत्महत्या कर ली। मानसिक रूप से परेशानी के चलते प्रिंस ने यह कदम उठाया होगा। प्रिंस ऑस्ट्रेलिया में ही पीआर था। जीआरपी ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया है।

ड्राइविंग लाइसेंस से हुई शिनाख्त

जीआरपी थाना कुरुक्षेत्र प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया कि उनकी टीम को युवक के आत्महत्या करने की सूचना मिली थी। जेब से मिले ड्राइविंग लाइसेंस से मृतक की शिनाख्त हो गई थी। पुलिस ने पिता के बयान पर इत्तेफाकिया रपट दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 को शून्य घोषित करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर

बिलासपुर-छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 को शून्य घोषित करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि चुनाव में मतदाताओं को लुभाने के लिए कांग्रेस-भाजपा दोनों दलों ने लोक-लुभावने वादे किए हैं जो आदर्श आचार संहिता का खुला उल्लंघन है। रायगढ़ विधानसभा क्षेत्र के निर्दलीय प्रत्याशी और सामाजिक कार्यकर्ता राधेश्याम शर्मा ने हाईकोर्ट में याचिका प्रस्तुत करते हुए कहा है कि केंद्रीय और राज्य चुनाव आयोग के संरक्षण में मतदाताओं को प्रलोभन देने का खुला खेल खेला गया है। इसके लिए चुनाव आयोग के आयुक्त पर भी आपराधिक मामला दर्ज किया जाए। याचिका में उन्होंने बताया कि उन्होंने रायगढ़ से बतौर निर्दलीय प्रत्याशी विधानसभा चुनाव लड़ा, जिसमें उन्हें बेबी वॉकर चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया था। विधानसभा चुनाव 2023 के लिए केंद्रीय चुनाव आयोग ने जिस दिन अधिसूचना जारी की, उसी दिन से राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई। कांग्रेस और भाजपा जैसे प्रमुख राजनीतिक दलों ने आचार संहिता लागू होने के बाद भी मतदाताओं को लुभाने के लिए कर्जमाफी, बेरोजगारों को रोजगार देने, महिला स्वसहायता समूह की कर्ज माफी, महिलाओं को मुफ्त में गैस सिलेंडर सहित आर्थिक प्रलोभन देने वाली कई घोषणाएं की हैं जो चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन है। याचिकाकर्ता ने याचिका में चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों का उल्लेख करते हुए कहा है कि केंद्रीय और राज्य चुनाव आयोग के संरक्षण में दोनों राजनीतिक दलों ने लोक लुभावन घोषणा पत्र जारी किया है। इससे स्वस्थ मतदान प्रक्रिया संभव नहीं है।

परीक्षा के दौरान हुई थी दोस्ती, बातचीत बंद होने पर युवक ने छात्रा पर धारदार हथियार से किया हमला

बिलासपुर-छत्तीसगढ़। बिलासपुर में सहेली के साथ कॉलेज से पैदल घर लौट रही छात्रा पर एक युवक ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। छात्रा के गले में गंभीर चोट आई है जिसे इलाज के लिए सिम्स में भर्ती कराया गया है। मामला कोटा थाना क्षेत्र का है पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश में जुटी है। कोटा क्षेत्र के कलार तराई निवासी हेमा सिंह कोटा स्थित निरंजन केशरवानी शासकीय कॉलेज में एमए प्रथम वर्ष की छात्रा है। उसी कॉलेज में खैरझींटी साजापाली निवासी योगेश साहू पढ़ाई कर रहा था। फाइनल इयर में फेल होने के बाद उसने प्राइवेट परीक्षा दी, परीक्षा के दौरान उसकी हेमा सिंह से दोस्ती हो गई थी, लेकिन बाद में छात्र ने आरोपी युवक से बातचीत बंद कर दी थी। रोज की तरह छात्रा पढ़ाई के लिए निरंजन केशरवानी कॉलेज कोटा गई हुई थी, घर वापस आते समय योगेश साहू ने छात्रा पर जानलेवा हमला कर दिया। छात्रा के गले व सिर पर चोट आई हैं। युवक घटना को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गय। घायल छात्र का अस्पताल में इलाज चल रहा है और पुलिस आरोपी युवक की तलाश में जुटी हुई है।

प्रेम प्रसंग के चलते लड़की के पिता को आया गुस्सा, चलाई गोली, प्रेमी के पिता की मौत

एजेंसी

जबलपुर। जबलपुर में ऑनर किलिंग का मामला सामने आया है। यहां एक लड़की के पिता ने गांव में रहने वाले व्यक्ति को गोली मार दी है। बताया जा रहा है कि मृतक का बेटा आरोपी की लड़की को भगा ले गया है।

जबलपुर के थाना चरगवां के सुनवारा गांव में दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां एक लड़की के पिता ने उससे प्यार करने वाले लड़के के पिता धनसिंह चढ़ार और चाचा हल्के सिंह चढ़ार को गोली मार दी है। इस वारदात में लड़के के पिता की मौके पर ही मौत हो गई है।

पुलिस जांच में जुटी

वहीं चाचा गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फर्जी जाति प्रमाणपत्र पर आदिवासी जमीन घोटाला

ईओडब्ल्यू ने दर्ज किया मामला

एजेंसी

जबलपुर। फर्जी जाति सर्टिफिकेट के आधार पर आदिवासियों की जमीन हड़पने का मामला सामने आया है। साटिफिकेट दमोह जिले से जारी हुआ था। जिसके बाद ईओडब्ल्यू ने दो आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। ईओडब्ल्यू विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम खिरवा निवासी विमला बाई तथा उसका बेटा नरेश जो गाम रोजगार सहायक के पद पर पदस्थ है। उन्होंने फर्जी जाति सर्टिफिकेट के आधार पर आदिवासियों की जमीन खरीदी है। शिकायत की जांच में पाया गया कि आदिवासी जमीन खरीदने के लिए कूटरचित जाति सर्टिफिकेट पेश किया था।

कौड़ियों के भाव में जमीन खरीदा

दोनों के नाम पर सर्टिफिकेट अनुविभागीय अधिकारी तहसील दमोह से मार्च 2021 में जारी हुआ था। उन्हें गाम चौपराखुद जिला दमोह का निवासी बताया गया। सर्टिफिकेट में अनुविभागीय अधिकारी के रूप में राकेश कुशरे के हस्ताक्षर थे। जांच में पाया गया कि सर्टिफिकेट जारी होने की तारीख को अनुविभागीय अधिकारी के रूप में राकेश कुशरे पदस्थ ही नहीं थे। वह इसके पहले अनुविभागीय अधिकारी के रूप में पदस्थ थे। फर्जी सर्टिफिकेट के आधार पर आरोपियों ने विभिन्न स्थानों में पांच जमीन खरीदी है। जिसका वास्तविक मूल्य करोड़ रुपये है। आरोपियों द्वारा उक्त जमीन को कौड़ियों के भाव में खरीदा गया है। दोनों आरोपियों सहित अन्य के खिलाफ मामले दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया गया है।

जैन दंपती हत्याकांड में आरोपी बेटे को राहत

बिलासपुर-छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने दुर्ग जिले की चर्चित रावल मल जैन दंपती हत्याकांड में आरोपी बेटे संदीप जैन को राहत दी है। हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद दुर्ग कोर्ट में दी गई फांसी की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया है। साथ ही मामले में दो सह अभियुक्त शैलेंद्र और गुरु दत्ता की पांच-पांच साल की सजा को बदलकर दोष मुक्त कर दिया है। दरअसल एक जनवरी 2018 को दुर्ग के गंजपारा निवासी संदीप जैन ने अपने पिता रावल मल जैन और मां सुरजा बाई की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने जैन दंपती की हत्या के आरोपी बेटे संदीप को हिरासत में लेकर पूछताछ की, तो उसने बताया था कि उसके पिता रावल मल जैन पुरानी रूढ़िवादी विचारधारा के थे। उनको उसके महिला मित्रों से मिलना पसंद नहीं था। वे कई बार उसे अपनी संपत्ति से बेदखल करने की धमकी भी दे चुके थे।

पिकनिक मनाने जा रहे स्कूली बच्चों की चलती बस में लगी आग

हादसा

सेना की तीन दमकल वाहनों ने पाया आग पर काबू।

एजेंसी

जबलपुर। पिकनिक मनाने जा रहे स्कूली बच्चों की चलती बस में अचानक आग गयी। आर्मी के जवानों ने तत्काल स्कूली बच्चों को नीचे उतारा। जिसके बाद सेना के दमकल वाहन ने आग पर काबू पाया। हालांकि उससे पहले बस पूरी तरह जलकर खाक हो गयी थी। वहीं सेना के जवानों की सतर्कता के चलते घटना में किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई।

पाटन तहसील स्थित बिनैकी हाई स्कूल के 37 बच्चों सहित स्कूल का स्टाफ पिकनिक मनाने के लिए डुमना नेचर पार्क बस में सवार होकर जा रहा था। सीएमएस चढ़ाई चढ़ते समय बस क्रमांक एमपी 20 डीए 0794 में अचानक आग लग गयी। जिसके बस में सवार स्कूली बच्चों तथा स्टाफ में भय का माहौल पैदा हो गया। बस में लगी आग विकराल रूप लेती, उससे पहले सेना के जवानों ने स्कूली बच्चों व स्टाफ को बस से सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

सेना के जवानों ने लिया एक्शन

बता दें कि आग की सूचना पर सेना की तीन दमकल वाहनों ने घटनास्थल पर पहुंचकर आग पर काबू प्राप्त किया। आग पर काबू प्राप्त किया जाता इससे पहले बस पूरी तरह जल गयी थी। बताया जा रहा है कि घटनास्थल में उपस्थित सेना के जवान तत्काल एक्शन नहीं लेते तो बड़ी घटना घटित हो सकती थी। वहीं, स्कूल की शिक्षिका शोभा समैया ने बताया कि स्कूल प्रबंधन पतिवष पिकनिक का आयोजन करता है। इस तरह का हादसा पहली बार हुआ। उन्होंने सेना के जवानों के सहयोग की सराहना करते हुए शुक्रिया अदा किया।

आईटी छापे को लेकर बीजेडी का बीजेपी से सवाल

एजेंसी

ओड़िशा, भुबनेश्वर। देश की सबसे बड़ी आईटी छापेमारी का राजनीतिकरण किया जा रहा है । बिजेड़ी ने प्रेसमिट में बीजेपी पर निशाना साधते हुए सवाल किया है. क्या बीजेडी ने बीजेपी से पूछा है कि वे देश को बदनाम क्यों कर रहे हैं? राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, स्मृति ईरानी, ??अनुराग ठाकुर सभी ने कांग्रेस पर तंज कसा और जवाब मांगा । उन्होंने संसद परिसर में गांधी जी की प्रतिमा के नीचे विरोध प्रदर्शन भी किया । ओडिशा बीजेपी लगातार ओडिशा कांग्रेस का बचाव कर रही है. जहां केंद्रीय बीजेपी नेता कांग्रेस सांसद धीरज साहू की आलोचना कर रहे हैं, वहीं प्रदेश बीजेपी का रुख अलग है. प्रदेश भाजपा ओडिशा को बदनाम करने के लिए झूठ बोल रही है। यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि ओडिशा भाजपा ओडिशा कांग्रेस की रक्षा कर रही है। इसके अलावा कृष्ण ने कहा है कि ओडिशा बीजेपी और ओडिशा कांग्रेस के बीच चोरी चल रही है. कहा जा रहा है कि ओडिशा में बीजेपी और कांग्रेस के बीच अंदरूनी गलतफहमी है.

SC के फैसले का सभी को करना चाहिए सम्मानः भाजपा

एजेंसी

जम्मू। आजाद ने कहा कि केवल दो संस्थाएं संसद और सुप्रीम कोर्ट ही जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 और 35ए को बहाल कर सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट की पीठ निष्पक्ष है और उम्मीद है कि वह जम्मू-कश्मीर के लोगों के पक्ष में फैसला देगी।

उच्चतम न्यायालय अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के केंद्र के फैसले के विरोध में दायर याचिकाओं के मामले में सोमवार को अपना फैसला सुनाएगा। जम्मू-कश्मीर में कई दलों ने उम्मीद जताई कि अनुच्छेद 370 को बहाल किया जाएगा। वहीं, भाजपा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए और सभी को इसका सम्मान करना चाहिए। उधर, फैसले के मद्देनजर प्रदेश में सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अनुच्छेद 370

को निरस्त करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट के प्रतिकूल फैसले की स्थिति में भी उनकी पार्टी शांति भंग नहीं करेगी और कानून के अनुसार अपनी लड़ाई जारी रखेगी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि अदालत के फैसले से स्पष्ट होना चाहिए कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा लिया गया निर्णय अवैध था। एनसी और पीडीपी पीपुल्स अलायंस फॉर गुपकार डिक्लेरेशन (पीएजीडी) का हिस्सा हैं, जिसे गुपकर अलायंस भी कहा जाता है, जिसका गठन अनुच्छेद 370 की बहाली के लिए लड़ने के लिए जम्मू-कश्मीर में पार्टियों द्वारा किया गया था। पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने उम्मीद जताई कि सुप्रीम कोर्ट लोगों के पक्ष में फैसला सुनाएगा। अनुच्छेद 370 को खत्म करना भाजपा के एजेंडे के मुख्य मुद्दों में से एक था और इसे लगातार चुनावी घोषणापत्र में शामिल किया गया था।

अनुच्छेद 370, 35ए को संसद और सुप्रीम कोर्ट ही बहाल कर सकता है : आजाद

आजाद ने कहा कि केवल दो संस्थाएं संसद और सुप्रीम कोर्ट ही जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 और 35ए को बहाल कर सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट की पीठ निष्पक्ष है और उम्मीद है कि वह जम्मू-कश्मीर के लोगों के पक्ष में फैसला देगी। फिलहाल, वह संसद द्वारा 5 अगस्त 2019 को लिए गए फैसले को पलटने की उम्मीद नहीं कर सकते, क्योंकि इसके लिए लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी। यह महत्वपूर्ण है कि हमारे वर्तमान और भविष्य को सुरक्षित करने के लिए इन (प्रावधानों) को बहाल किया जाए।

फैसले पर नहीं होनी चाहिए कोई राजनीति : रैना

प्रदेश भाजपा प्रमुख रविंद्र रैना ने कहा कि शीर्ष अदालत ने पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से दोनों पक्षों को सुना है। उन्होंने कहा हमें विश्वास है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं रह जाएगा। हम सभी इस लोकतांत्रिक देश के नागरिक हैं और सुप्रीम कोर्ट जो भी फैसला करेगा, उसका सभी को सम्मान करना चाहिए और उसे स्वीकार करना चाहिए। हमारी न्यायपालिका सबसे महान है। फैसले पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए।

देश की एकता, अखंडता को बरकरार रखने की जिम्मेदारी शीर्ष अदालत की : महबूबा

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि यह सुनिश्चित करना शीर्ष अदालत की जिम्मेदारी है कि वह भाजपा के एजेंडे को आगे न बढ़ाए, बल्कि देश की अखंडता और उसके संविधान को बरकरार रखे। मुझे लगता है कि निर्णय सरल होना चाहिए कि 5 अगस्त, 2019 को जो कुछ भी किया गया वह अवैध, असंवैधानिक, जम्मू-कश्मीर और यहां के लोगों से किए गए वादों के खिलाफ था।

हम अपनी पहचान के लिए शांतिपूर्ण तरीके से लड़ेंगे : उमर

नेशनल कांफ्रेंस के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री उमर ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को फैसला सुनाने दीजिए। हम अपनी पहचान को बचाने के लिए शांतिपूर्ण तरीके से लड़ेंगे, चाहे कितना भी समय लगे। उन्होंने कहा कि अगर शांति भंग करनी ही होती तो 2019 के बाद करते। वह रविवार को उत्तरी कश्मीर के राफियाबाद में आयोजित रैली में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कोई नहीं कह सकता कि फैसला क्या होगा। ऐसे में कार्यकर्ताओं को थाने बुलाने की क्या जरूरत है। शनिवार से कार्यकर्ताओं को पुलिस स्टेशन बुलाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस उन्हें धमका रही है।

दक्षिण अफ्रीका से टी20 में भारत को मिली लगातार तीसरी हार

रिंकू और सूर्यकुमार की मेहनत पर फिरा पानी

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसके घरेलू मैदान पर भारत पांच साल बाद कोई टी20 मैच हारा है। उसे पिछली हार 2018 में सेंचुरियन के मैदान पर मिली थी। भारत के खिलाफ इस मैच में जीतकर दक्षिण अफ्रीका ने सीरीज में 1-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली।

भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका दौरे पर हार के साथ शुरुआत की। तीन टी20 मैचों में की सीरीज के दूसरे मुकाबले में उसे पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। डरबन में पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। टीम इंडिया को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 में लगातार तीसरी हार मिली है। उसे पिछले साल अक्तूबर में इंदौर और पर्थ में हार का सामना करना पड़ा था। उसके बाद डरबन में मैच बारिश के कारण नहीं हुआ।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसके घरेलू मैदान पर भारत पांच साल बाद कोई टी20 मैच हारा है। उसे पिछली हार 2018 में सेंचुरियन के मैदान पर मिली थी। भारत के खिलाफ इस मैच में जीतकर दक्षिण अफ्रीका ने सीरीज में 1-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच 14 दिसंबर को खेला जाएगा। उस मुकाबले में अगर टीम इंडिया हारती है तो वह सीरीज हार जाएगी। भारत दक्षिण अफ्रीका में पिछली बार 2012 में टी20 सीरीज हारा था। तब सीरीज में सिर्फ एक ही मैच था। उसके बाद भारत ने 2018 में 2-1 से जीत हासिल की थी।

मैच में बारिश ने डाला खलल

गकेबरहा के सेंट जॉर्ज पार्क में दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। बारिश के कारण खेल रोके जाने के समय भारत ने 19.3 ओवर में सात विकेट पर 180 रन बना लिए थे। उसके बाद टीम इंडिया आगे नहीं खेल पाई। डकवर्थ लुईस नियम के आधार पर दक्षिण अफ्रीका को 15 ओवर में 152 रन का लक्ष्य मिला। उसने 13.5 ओवर में 154 रन बनाकर मैच को जीत लिया।

दक्षिण अफ्रीका की विस्फोटक बल्लेबाजी

अफ्रीकी टीम के बल्लेबाजों ने मुश्किल से लक्ष्य को आसान बना दिया। उन्होंने लगातार भारतीय गेंदबाजों पर हमले किए और रन रेट को कम नहीं होने दिया। रीजा हेंड्रिक्स 27 गेंद पर सबसे ज्यादा 49 रन बनाए। कप्तान एडेन मार्करम ने 17 गेंद पर 30 रन की पारी खेली। डेविड मिलर ने 17, मैथ्यू ब्रीट्जके ने 16, ट्रिस्टन स्टब्स ने नाबाद 14 और एंडिले फेहलुकवायो ने नाबाद 10 रन बनाए। हेनरिच क्लासेन ने सात रन बनाए। फेहलुकवायो ने 14वें ओवर की पांचवीं गेंद पर रवींद्र जडेजा को छक्का मारा और मैच को समाप्त किया। भारत के लिए मुकेश कुमार ने दो विकेट लिए। मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव को एक-एक सफलता मिली।

रिंकू का अर्धशतक हुआ बेकार

इससे पहले भारत के लिए रिंकू सिंह 39 गेंद पर 68 रन बनाकर नाबाद रहे। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 56 रन की पारी खेली है। तिलक वर्मा ने 29 और रवींद्र जडेजा ने 19 रन बनाए हैं। यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और अर्शदीप सिंह खाता नहीं खोल पाए। जितेश शर्मा एक रन बना पाए। मोहम्मद सिराज खाता खोले बगैर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका के लिए गेराल्ड कोएत्जी ने तीन विकेट लिए। मार्को यानसेन, लिजाद विलियम्स, तबरेज शम्सी और एडेन मार्करन को एक-एक सफलता मिली।

2000 रन पूरे करने वाले चौथे भारतीय बने सूर्यकुमार

आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी-20 मैच में शानदार उपलब्धि हासिल कर ली। वह भारत के लिए 2000 या इससे ज्यादा रन बनाने के मामले में चौथे बल्लेबाज बन गए। उनसे पहले केएल राहुल (2256), रोहित शर्मा (3853) और विराट कोहली (4008) हैं।

नीदरलैंड को हराकर भारत जूनियर विश्व कप हॉकी के सेमीफाइनल में

एजेंसी

नई दिल्ली। दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए भारतीय टीम ने जूनियर हॉकी विश्व कप में नीदरलैंड जैसी मजबूत टीम को 4-3 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय टीम गुरुवार को सेमीफाइनल में जर्मनी से खेलेगी। विश्व रैंकिंग में तीसरे और चौथे स्थान पर काबिज भारत और नीदरलैंड के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबला काफी रोमांचक रहा। मध्यांतर तक डच टीम 2-0 से आगे थी लेकिन उसके बाद भारत ने वापसी की और दूसरे हाफ में चार गोल दागे। नीदरलैंड के लिए टिमो बोएर्स (5वां मिनट), पेपिन वान डेर हेडेन (16वां मिनट) और ओलिवियर होर्टेनसियस (44वां मिनट) ने गोल किए जबकि भारत के लिए आदित्य लालागे (34वां मिनट), अरिजीत सिंह हुंडल (36वां मिनट), आनंद कुशवाहा (52वां मिनट) और कप्तान उत्तम सिंह (57वां मिनट) ने गोल दागे।

भारत ने मैच में की शानदार वापसी

नीदरलैंड टीम ने पहले ही क्वार्टर से आक्रामक शुरुआत करते हुए पेनॉल्टी कॉर्नर बनाया जिसे बोएर्स ने गोल में बदला। दूसरे क्वार्टर के पहले ही मिनट में वान डेर हेडेन ने दूसरे पेनाल्टी कॉर्नर को तब्दील करके टीम को 2-0 की बढ़त दिला दी जो मध्यांतर तक बनी रही। तीसरे क्वार्टर में भारत ने शानदार वापसी की जिसके सूत्रधार अरिजीत सिंह रहे। उन्होंने 34वें मिनट में लालागे के गोल में सहायक की भूमिका निभाई और दो मिनट बाद पेनॉल्टी स्ट्रोक को तब्दील करके स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। तीसरे क्वार्टर में ही डच टीम ने फिर बढ़त बनाई जब ओलिवियर ने पेनॉल्टी कॉर्नर तब्दील किया। आखिरी दस मिनटों में भारतीय टीम ने जबर्दस्त हॉकी का प्रदर्शन करते हुए दो गोल कर डाले। कुशवाहा ने 52वें मिनट में रिबाउंड पर गोल करके स्कोर बराबर किया। भारत को 57वें मिनट में महत्वपूर्ण पेनाल्टी कॉर्नर मिला जिस पर गोल करने में कप्तान उत्तम सिंह ने चूक नहीं की।

रक्षक पंक्ति का अंतिम क्वार्टर में बेहतरीन प्रदर्शन

आखिरी दो मिनटों में डच टीम ने बराबरी का गोल करने की भरसक कोशिश की लेकिन भारतीय रक्षक पंक्ति चट्टान की तरह अडिग रही।

अंडर-19 एशिया कप में भारत नेपाल को 10 विकेट से हराया

एजेंसी

दुबई। भारतीय टीम का यह तीसरा मैच रहा। पाकिस्तान के खिलाफ पिछला मुकाबला भारत आठ विकेट से हार गया था। अब टीम इंडिया ने नेपाल को हराकर जीत की लय में वापसी की है। इससे पहले भारतीय टीम ने अफगानिस्तान को भी हराया था।

दुबई में चल रहे अंडर-19 एशिया कप में आज भारत का मुकाबला नेपाल से हुआ। भारतीय गेंदबाजों ने नेपाल की टीम को 22.1 ओवर में 52 रन पर समेट दिया था। टीम इंडिया की ओर से राज लिंबानी ने सबसे ज्यादा सात विकेट झटके। जवाब में भारत ने 7.1 ओवर में बिना विकेट गंवाए लक्ष्य हासिल कर

लिया। भारत के लिए आदर्श सिंह ने 13 गेंद में 13 रन और अर्शिन कुलकर्णी ने 30 गेंद में 43 रन की नाबाद पारी खेली। अपनी पारी में उन्होंने एक चौका और पांच छक्के लगाए। भारतीय टीम का यह तीसरा मैच था। पिछले दो में से उसे एक में जीत और एक में हार मिली। पाकिस्तान के खिलाफ पिछला मुकाबला भारत आठ विकेट से हार गया था। इस हार के बाद एक बार फिर टीम ने जीत की लय में वापसी की है। पाकिस्तान से पहले भारत ने अफगानिस्तान को हराया था।

नेपाल की पारी के हाइलाइट्स

- भारतीय कप्तान उदय सहारन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था।
- दीपक बोहरा को लिंबानी ने अवनीश के हाथों कैच कराया। वह एक रन बना सके।
- दूसरा विकेट उत्तम मगर के रूप में गिरा। वह खाता खोले बिना लिंबानी की गेंद पर बोल्ड हुए।
- अर्जुन कुमाल सात रन बनाकर आराध्य शुक्ला के शिकार बने। वहीं, शुक्ला ने फिर गुलशन झा को भी अपना शिकार बनाया।
- लिंबानी ने घातक गेंदबाजी जारी रखते हुए दीपक डुमरे (0) और दीपक बोहरा (7) को आउट किया।
- दीपेश कंडेल को अर्शिण कुलकर्णी ने दास के हाथों कैच कराया। वह चार रन बना सके।
- इसके बाद फिर से लिंबानी का जलवा देखने को मिला और उन्होंने सुभाष भंडारी और हेमंत धामी को आउट कर नेपाल की पारी को 52 रन पर समेट दिया।
- भारत की ओर से लिंबानी के अलावा आराध्य शुक्ला ने दो विकेट लिए, जबकि अर्शिण कुलकर्णी को एक विकेट मिला।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत- आदर्श सिंह, अर्शिन कुलकर्णी, उदय सहारन (कप्तान), सचिन दास, प्रियांशू मोलिया, मुशीर खान, अरावेली अवनीश, सौमी पांडे, मुरुगन अभिषेक, आराध्य शुक्ला, राज लिंबानी।

नेपाल- दीपक बोहरा, अर्जुन कुमल, उत्तम मगर, देव खनल (कप्तान), गुलशन झा, दीपक डुमरे, दीपक बोहरा, दीपेश कंडेल, सुभाष भंडारी, आकाश चंद, हेमंत धामी।

भारत के पिछले दो मैच

भारत ने अपने पहले मैच में अफगानिस्तान अंडर-19 टीम को हराया था। भारतीय गेंदबाज आक्रामक थे और उन्होंने अफगानिस्तान को महज 173 रन पर समेट दिया और भारतीय टीम ने सात विकेट रहते स्कोर हासिल कर लिया। भारत के लिए अर्शिन कुलकर्णी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 70 रन बनाए और तीन विकेट लिए।

वहीं, दूसरे मैच में भारत को पाकिस्तान के खिलाफ आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने नौ विकेट खोकर 259 रन बनाए थे। भारत के लिए तीन बल्लेबाजों ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं। सबसे ज्यादा 62 रन आदर्श सिंह ने बनाए। उदय सहारन ने 60 और सचिन दास ने 58 रन का योगदान दिया। जवाब में पाकिस्तान ने 47 ओवर में दो विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। अजान अवैस ने 105 रन और कप्तान साद बेग ने 68 रन की नाबाद पारी खेली। शमैल हुसैन आठ रन और शाजेब खान 63 रन बनाकर आउट हुए थे।

दुल्हन के लुक में चार चांद लगा देंगे नथ के ये डिजाइन

अपनी शादी के वक्त हर दुल्हन चाहती है कि वो वर्ल्ड की बेस्ट दुल्हन (ब्राइडल) लगे। इसके लिए मेकअप और हेयर स्टाइल को छोड़कर सबसे पहले जिससे दुल्हन की खूबसूरती बढ़ती है वो है उसकी ड्रेस और ज्वैलरी। जी हां- एक दुल्हन को सबसे ज्यादा खूबसूरत दिखाने में उसके गहने बहुत अहमियत रखते हैं। लेकिन एक ब्राइडल के लिए इन गहनों को पसंद करना का काम ही सबसे मुश्किल होता है। यदि आपके लिए भी ज्वैलरी डिजाइंस को चुनना मुश्किल हो गया है तो चलिए हम आपकी थोड़ी सी मदद कर देते हैं, ज्वैलरी का सबसे खास हिस्सा होता है नाक की नथ और इसके कई सारे डिजाइन आपको मार्केट में मिल जाएंगे। जिसमें से कुछ बेहद खास और लेटेस्ट डिजाइन हम आपके लिए लाएं है।

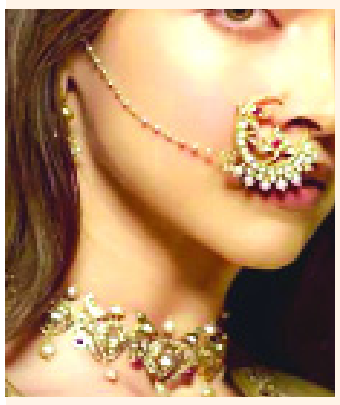

मस्तानी (रिंग)स्टाइल नथ-दीपिका पादुकोण की आपने बाजीराव मस्तानी तो जरूर देखी होगी। इसमें दीपिका मे कई तरह की नथ पहनी है। यदि आप भारी-भरकम नथ से बचना चाहती है तो ये आपके लिए बेस्ट ऑप्शन है। यह मार्केट में आपको मस्तानी नथ के नाम से मिल जाएगी।

हूप नथ-रानी-महारानियों की तरह बड़ी नथ पहनने से बेहतर है आप छोटी सी नोज रिंग पहने। यह आपको आकर्षक लुक के साथ एक मॉडर्न लुक भी देगी। बड़ी सी नथ पहनने से अच्छा है कि आप छोटी सी ही नोज रिंग पहनें। यह पहनने और कैरी करने में आसान रहती है।

बंगाली स्टाइल-यदि आप बंगाली फैमिली से बिलॉन्ग करती हैं या बंगाली स्टाइल आपको पसंद है तो इसमें आपको हल्के क्रॉफ्टवर्क वाली और चैन से जुड़ी हुई नथ मिल जाएगी और किसी भी तरह के फेसकट पर खूब जचेगी।

मल्टीपल चेन नथ-ऐसी नथ खासकर सॉउथ इंडियन कल्चर में ज्यादा देखी जा सकती हैं। लेकिन अगर आप सबसे हटकर कुछ अलग करना चाहती है तो तीन चेन वाली नथ को पहनकर ट्राई कर सकती है। इसके साथ ही आप तीन चेन वाली नथ के साथ हैवी मांगटीका ही पहने तो ज्यादा अच्छा लगेगा। .

जड़ाऊ नथ- अक्सर राजस्थानी की तरह कई जगहों पर जड़ाऊ नथ को पहनने का रिवाज होता है। यह वजन में थोड़ी भारी जरूर होती है लेकिन दिखने में बेहद खास लुक देती है। आप इसे जड़ाऊ लंहगे के साथ पहन सकती है।

दुल्हन अपनाएं नए ट्रेंड की ज्वेलरी व गहनें

कुंदन संग क्रिस्टल की खूबसूरती-ब्राइडल ज्वलेरी की डिजाइन भी इस बार बिग ऐंड बोल्ड थीम पर ही आधारित रहेगी। पिछली बार की तरह कुंदन इस बार भी फैशन में है। लेकिन नया टच देने के लिए इस बार कुंदन के साथ क्रिस्टल को भी मैच कर दिया गया है। इसमें रंग के भी कई विकल्प हैं, यानी आप ड्रेस के हिसाब से कोई भी रंग चुन सकती हैं। अगर आप कुंदन का सस्ता विकल्प ढूंढ़ रही हैं, तो पोल्की और क्रिस्टल जड़ित ज्वेलरी भी अपने लिए ले सकती हैं। सोने और चांदी में ही नहीं, आर्टिफिशियल ज्वेलरी में भी कुंदन और क्रिस्टल जड़ित आकर्षक गहने की कई वैरायटी हैं। चोकर का क्रेज-दुल्हन के लिए नेकलेस के बजाय चोकर्स लें, क्योंकि ये अभी फैशन में है। गले से चिपके होने के साथ ये आपकी खूबसूरती को निखारते भी हैं। छोटी-छोटी झुमकी और बिग पेंडेंट वाले चोकर्स की डिजाइन में कई रंगों को पिरोया गया है। अलग-अलग रंग में मिलने वाले चोकर में बीड्स, क्रिस्टल, कुंदन की खूबसूरती भी देखने लायक है। गोल्ड में भी चोकर की कई वैरायटी हैं, जिसमें सेमी-प्रेशियस स्टोन का इस्तेमाल किया गया है। इसलिए ये आपको सस्ता भी पड़ेगा। अगर आपका लहंगा लाइट वर्क का है, तो रत्नजड़ित लंबे नेकलेस भी आप चोकर्स के साथ पहन सकती हैं। ईयर रिंग्स में झुमके का फैशन-साड़ी या लहंगे के साथ लंबा हैंगिंग ईयररिंग या फिर हैवी झुमकियां एक अलग ही अंदाज को बयां करती हैं। हैंगिंग ईयर रिंग्स, बिग स्टड आपको बोल्ड लुक देते हैं और ये फैशन में भी हैं। आर्टिफिशियल के अलावा गोल्ड में भी लड़ियों वाली हैंगिंग ईयररिंग्स की कई वैरायटी है।

रैंप अच्छा होगा, तो डिजाइनर कपड़ों की शान बढ़ेगी

एक अच्छा डिजाइनर अपनी नई सोच और क्रिएटिविटी के लिए ही जाना जाता है. लेकिन सिर्फ क्रिएटिविटी ही सबकुछ नहीं होती है. डिजाइनर की कामयाबी इस बात पर भी निर्भर करती है कि वो अपने कलेक्शन को रैंप पर कैसे पेश करता है. इसके लिए डिजाइनर्स को जमकर मेहनत करनी पड़ती है। मुश्किल से 20 मिनट के शो में अपनी क्रिएटिविटी की छाप ऑडियन्स पर छोड़नी होती है। यही इंप्रेशन आगे चलकर डिजाइनर के लिए अच्छे बिजनेस का पैमाना भी बनता है. अपने अनोखे क्रिएशन्स को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के मकसद से एक डिजाइनर छोटी से छोटी चीज का ध्यान रखता है. फिर चाहे वो उसका कलेक्शन हो, मॉडल्स का सेलेक्शन हो, शो के लिए चुना गया म्यूजिक हो या फिर रैंप ही क्यों न हो। हाल ही में राजधानी दिल्ली में चल रहे फैशन के महाकुंभ इंडिया कुट्योर वीक में डिजाइनर्स ने अपनी क्रिएटिविटी दिखाते हुए एक से बढ़कर एक कलेक्शन पेश किया। मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने पर्शियन स्टोरीज् नाम के कलेक्शन को जब रैंप पर पेश किया तो उनकी इस कहानी को बयां करने की जिम्मेदारी बॉलीवुड की मस्तानी दीपिका पादुकोण ने उठायी. हर बार की तरह इस बार भी मनीष ने रैंप को डिजाइन करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी. इस रैंप की लंबाई सामान्य रैंप से ज्यादा थी. खुद दीपिका भी इतने लंबे रैंप पर कैटवॉक करके थक गई थीं. दीपिका ने बाद में कहा भी कि उन्होंने मॉडलिंग से ही करियर की शुरुआत की है, कई शोज किए हैं लेकिन थकी कभी नहीं थी. इतना भारी लहंगा भी पहली बार ही पहना है. ये रैंप काफी लंबा था। वहीं डिजाइनर तरुण तहिलयानी ने अपने कलेक्शन को पेश करने के लिए सूफी कथक डांसर मंजरी चतुर्वेदी को रैंप पर उतारा. च्लास्ट डांस ऑफ कोर्टिसनज् नाम के कलेक्शन में मंजरी ने अपने नृत्य से हॉल में मौजूद दर्शकों को एक अलग ही मूड में पहुंचा दिया.वहीं बॉलीवुड के एक और पसंदीदा डिजाइनर गौरव गुप्ता ने भी रैंप के साथ एक्सपेरिमेंट करते हुए एक अलग अंदाज में अपना कलेक्शन पेश किया. गौरव ने बताया कि उन्हें इस रैंप को डिजाइन करने में बहुत मजा आया बहुत सारे स्कल्पचर्स और स्पाइरल शेप्स को लेकर रैंप तैयार किया गया।

कुट्योर वीक के आखिरी दिन अपने कलेक्शन को ऑफसाइट वेन्यू में डिजाइनर मानव की खूबसूरती से शोकेस किया था अपना बेगम गंगवानी ने कश्मीर कलेक्शन लोधी प्रेरित हो डिजाइनर ने जिसे एक रैंप में जन्नतज नाम का होटल के इंटीरियर होटल में पेश किया, ध्यान में रखते हुए तब्दील किया गया। रैंप से काफी बड़ा और मौजूद जगह को मॉडल्स को रंग-मानव का रैंप नॉर्मल तिगुनी लंबी था. जिसकी वजह से बॉलीवुड क्वीन बिरंगे कपड़े पहनकर लिए रैंप पर वॉक करनी पड़ी. कंगना रनौट ने मानव के कंगना ने कहा कि कैटवॉक की. बाद में बहुत स्पेशल फील वो रैंप पर चलने के दौरान इसलिए थोड़ी थकान कर रही थीं. रैंप लंबा था भी हुई।

स्वामी, प्रकाषक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साई क्रियेषन्स, आषा काम्पलक्े स, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एव ं पहला तल, निधि काम्पलेक्स, विकास नगर लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाषित।
RNI No.UPHIN/2015/6090 सम्पादक- विवेक श्रीवास्तव, फोन नं0- 8004949556, 7570901365 Email. info@theachievertimes.com किसी भी वाद विवाद का निस्तारण लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।

समाचार-पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टाचार समाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।